खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 12 अक्टूबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-280

केरल हाईकोर्ट का अहम निर्णय, वक्फ बोर्ड को लगी कड़ी फटकार

एक फैसले से बच गया 600 परिवारों का आशियाना

तिरुअनंतपुरम, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केरल हाईकोर्ट ने मुनंबम वक्फ भूमि विवाद पर सुनवाई करते हुए राज्य वक्फ बोर्ड को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने कहा कि अगर बिना सही प्रक्रिया के किसी सम्पत्ति को वक्फ घोषित करने की इजाजत दी गई, तो कल को कोई ताजमहल, लालकिला, विधानसभा भवन या यहां तक कि खुद हाईकोर्ट की इमारत को भी वक्फ सम्पत्ति बता सकता है। यह फैसला मुख्य न्यायाधीश एसए धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति श्याम कुमार वीएम की खंडपीठ ने सुनाया। हाईकोर्ट ने कहा कि मनमाने तरीके से सम्पत्तियों को वक्फ घोषित करना संविधान के अनुच्छेद 300-ए (सम्पत्ति के अधिकार), अनुच्छेद 19 (व्यवसाय की स्वतंत्रता) और अनुच्छेद 21 (जीवन और आजीविका का अधिकार) का उल्लंघन है। अदालत ने कहा कि कोई भी न्यायालय ऐसी काल्पनिक और अनुचित शक्ति को मंजूरी नहीं दे सकता।

मामला मुनंबम की उस जमीन से जुड़ा है जिसे 1950 में सिद्दीक सैद नामक व्यक्ति ने फारूक कॉलेज को दान में दी थी। उस समय यह जमीन करीब 404 एकड़ थी लेकिन समुद्री कटाव के कारण अब यह लगभग 135 एकड़ रह गई है। कॉलेज ने इस जमीन पर बसे लोगों को बाद में प्लॉट बेच दिए थे और सभी दस्तावेज़ों में इसे

हाईकोर्ट ने पूछा, ताजमहल व लाल किला भी हड़प लोगे क्या?

मनमाने तरीके से सम्पत्तियों को वक्फ घोषित करना गैरकानूनी

सामान्य दान की सम्पत्ति बताया गया था, वक्फ नहीं। हालांकि, लगभग 69 साल बाद, 2019 में केरल वक्फ बोर्ड ने अचानक इस जमीन को वक्फ सम्पत्ति घोषित कर दिया और पुराने सौदों को अवैध बता दिया। इससे करीब 600 परिवार प्रभावित हुए, जिन्होंने इसका विरोध किया।

राज्य सरकार ने नवंबर 2024 में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) सीएन रामचंद्रन नायर की अध्यक्षता में एक जांच आयोग बनाया था, जिसे वक्फ संरक्षण समिति ने अदालत में चुनौती दी। मार्च 2025 में एकल पीठ ने आयोग को रद्द कर दिया, जिसके बाद सरकार ने डिवीजन बेंच में अपील की। डिवीजन बेंच ने कहा कि यह भूमि दानपत्र के तहत दी गई थी, न कि वक्फ डीड के तहत। वक्फ बोर्ड ने केवल दस्तावेज के शीर्षक में वक्फ शब्द देखकर इसे वक्फ सम्पत्ति घोषित कर दिया, जबकि कानूनी शर्तें पूरी नहीं थीं। अदालत ने इसे दुर्भावनापूर्ण और स्वार्थपूर्ण कार्रवाई बताया और कहा कि बोर्ड ने यह कदम भूमि की बढ़ी हुई कीमत को देखकर उठाया है। अंत में अदालत ने स्पष्ट किया कि वक्फ घोषित करने की प्रक्रिया नागरिकों के अधिकारों को सीधे प्रभावित करती है, इसलिए अदालत इसकी वैधता की जांच करने के लिए पूरी तरह सक्षम है।

केरल हाईकोर्ट ने कहा कि केरल वक्फ बोर्ड का 2019 में मुनंबम की विवादित जमीन को वक्फ सम्पत्ति घोषित करने का फैसला गलत था। मोहम्मद सिद्दीक सैट द्वारा 1950 में फारूक कॉलेज मैनेजमेंट कमेटी के पक्ष में बनाया गया एंडोमेंट डीड वक्फ डीड नहीं था, बल्कि एक साधारण गिफ्ट डीड था। कोर्ट ने कहा कि इस दस्तावेज में कहीं भी यह नहीं दिखाया गया कि सम्पत्ति को हमेशा के लिए अल्लाह के नाम पर समर्पित किया गया था। इसलिए इसे वक्फ सम्पत्ति नहीं कहा जा सकता। हाईकोर्ट ने यह फैसला सुनाते हुए राज्य सरकार की दो याचिकाओं को स्वीकार कर लिया और सिंगल बेंच के पुराने आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें सरकार द्वारा गठित जांच आयोग को अवैध बताया गया था।

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि वक्फ की परिभाषा में स्थायी समर्पण (परमानेंट डेडिकेशन) का होना आवश्यक है। इसका मतलब यह होता है कि कोई व्यक्ति अपनी सम्पत्ति का स्वामित्व पूरी तरह से और हमेशा के लिए ▶10 पर

प्रधानमंत्री ने किसानों के लिए दी 42,000 करोड़ की नई योजनाएं

यह मेरे लिए गौरव का क्षण है : मोदी

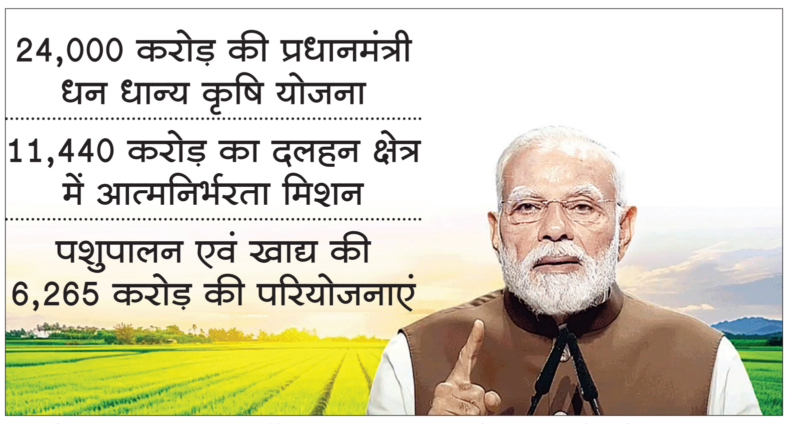

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) में आयोजित विशेष कृषि कार्यक्रम में देशभर के किसानों से संवाद करते हुए कुल 35,440 करोड़ रुपए की दो प्रमुख कृषि योजनाओं का शुभारंभ किया। इन दो प्रमुख कृषि योजनाओं में 24,000 करोड़ रुपए की प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना और 11,440 करोड़ रुपए के दलहन क्षेत्र में आत्मनिर्भरता मिशन शामिल है।

इन योजनाओं का उद्देश्य फसल विविधीकरण, भंडारण क्षमता बढ़ाना, सिंचाई सुविधाओं में सुधार और दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करना है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण से जुड़ी 5,450 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन किया और 815 करोड़ रुपए की नई परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इनमें देशभर में कोल्ड चेन, आईवीएफ लैब, मछली चारा संयंत्र और डेयरी से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी किसानों को प्रमाण पत्र भी वितरित किया और विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित दलहन किसानों से सीधा संवाद किया।

प्रधानमंत्री ने भारत रत्न जयप्रकाश नारायण और भारत रत्न नानाजी देशमुख की जयंती पर उन्हें याद किया और दोनों व्यक्तित्वों को ग्रामीण भारत की आवाज कहा। पीएम मोदी ने कहा, अपने किसान, पशुपालक और मछुआरा भाई-बहनों के कल्याण के लिए हम दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। इसी दिशा में आज दिल्ली से हजारों करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास मेरे लिए गर्व का क्षण है। खेती और किसानी हमेशा हमारी विकास यात्रा का हिस्सा रही है। बहुत जरूरी होता है कि बदलते समय के साथ खेती-किसानी को सरकार का सहयोग मिलता रहे। लेकिन दुर्भाग्य से पहले की सरकारों ने खेती-किसानी को अपने हाल पर छोड़ दिया था। इसलिए भारत की कृषि व्यवस्था लगातार कमजोर होती जा रही थी। 21वीं सदी के भारत को तेज विकास के लिए अपनी कृषि व्यवस्था में भी सुधार करना आवश्यक था और इसकी शुरुआत 2014 के बाद से हुई।

कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए कुल 42,000 करोड़ की नई योजनाएं शुरू करने का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना, खेती की उत्पादकता सुधारना और देश में आत्मनिर्भर कृषि को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना के तहत 24,000 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस योजना का उद्देश्य खेती को अधिक उत्पादक और टिकाऊ बनाना, नई फसलें अपनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करना और गांवों में स्टोरेज फैसिलिटी को बेहतर बनाना है। योजना के अंतर्गत 100 जिलों में सिंचाई प्रणाली को मजबूत किया जाएगा ताकि किसानों को पानी की समस्या का सामना न करना पड़े। साथ ही, किसानों को आसान शर्तों पर लोन उपलब्ध कराए जाएंगे ताकि वे आधुनिक खेती तकनीक अपनाकर अपनी आय बढ़ा सकें। वहीं, दलहन आत्मनिर्भरता मिशन पर 11,440 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस मिशन का लक्ष्य देश को दाल उत्पादन में पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाना है। इसके तहत दालों की पैदावार बढ़ाने, खेती के क्षेत्र को विस्तार देने और खरीद से लेकर प्रोसेसिंग तक की वैल्यू चेन को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। किसानों को नई तकनीक, बेहतर बीज और प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा ताकि वे उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में सुधार कर सकें।

इन योजनाओं के अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने कृषि, डेयरी, मछली पालन और फूड प्रोसेसिंग से जुड़ी 5,450 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन किया और 815 करोड़ रुपए की ▶10 पर

देश में बढ़ते जनसंख्या असंतुलन पर बोले अमित शाह

घुसपैठियों को करेंगे डिटेक्ट डिलीट और डिपोर्ट

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घुसपैठ के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 1951 से 2011 तक हिंदू और मुस्लिम आबादी की वृद्धि दर में असमानता का मुख्य कारण घुसपैठ है। उन्होंने कुछ राजनीतिक दलों पर वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों को आश्रय देने का आरोप लगाया। अमित शाह ने यह भी चेताया कि यदि घुसपैठ पर रोक नहीं लगी तो देश धर्मशाला बन जाएगा। गृह मंत्री ने शरणार्थियों और घुसपैठियों के बीच अंतर स्पष्ट किया और दोहराया कि भाजपा डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट के सूत्र पर काम करेगी। साथ ही, उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि देश में रह रहे मुस्लिमों के अधिकारों पर कोई सवाल नहीं उठाया जाएगा।

गृह मंत्री अमित शाह ने जनगणना के आंकड़े प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि 1951 से 2011 तक हिंदू आबादी का प्रतिशत 84.1 प्रतिशत से घटकर 79 प्रतिशत हो गया। वहीं, मुस्लिम आबादी का प्रतिशत 9.8 प्रतिशत से बढ़कर 14.2 प्रतिशत हो गया। 2001-2011 के दौरान हिंदू जनसंख्या में वृद्धि दर 16.8 प्रतिशत थी। इसके मुकाबले मुस्लिम आबादी की वृद्धि दर 24.6 प्रतिशत रही। गृह मंत्री ने साफ तौर पर कहा कि जनसंख्या वृद्धि दर में यह असमानता घुसपैठ के कारण है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घुसपैठ पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कुछ राजनीतिक दलों पर वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों को आश्रय देने का आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि घुसपैठ नहीं रुकी तो देश धर्मशाला बन जाएगा, इसलिए इस पर

रोक लगाना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक है। अमित शाह ने स्पष्ट किया कि गुजरात और राजस्थान जैसी सीमाएं होने के बावजूद घुसपैठ न होना बताता है कि यह राजनीतिक संरक्षण का विषय है।

अमित शाह ने शरणार्थी और घुसपैठियों में अंतर बताया। उन्होंने कहा कि धार्मिक प्रताड़ना से बचने वाले लोग शरणार्थी हैं, जिनका भारत हमेशा स्वागत करेगा, खासकर पड़ोसी देशों के प्रताड़ित हिंदुओं को स्वीकार किया जाएगा। इसके विपरीत, आर्थिक कारणों से अवैध रूप से आने वाले लोग घुसपैठिए हैं, जिन पर सख्ती से अंकुश लगेगा। उन्होंने झारखंड में जनजातीय आबादी की गिरावट का कारण भी बांग्लादेश से घुसपैठ को बताया। साथ ही, अवैध प्रवासन के अध्ययन के लिए हाई-पावर्ड डेमोग्राफिक मिशन की घोषणा का उल्लेख किया। यह मिशन अवैध प्रवासन के रुझानों, उसके धार्मिक और सामाजिक जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों, जनसंख्या में हो रहे असंतुलन और असामान्य बसावट के पैटर्न का गहन अध्ययन करेगा। इसके साथ ही यह सीमा प्रबंधन पर इन परिवर्तनों के असर का भी मूल्यांकन करेगा। उन्होंने कहा कि यह मिशन राष्ट्र की स्थिरता और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा की दिशा में एक निर्णायक कदम है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दलों ने वोट बैंक के लिए घुसपैठ को प्रोत्साहन दिया, जबकि भाजपा सरकार देश की सुरक्षा और जनसांख्यिकीय संतुलन की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। गृह मंत्री ने भाजपा के पुराने संकल्प डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट को दोहराया। इसका अर्थ है घुसपैठियों को पहचानना, मतदाता सूची से हटाना, और देश से निर्वासित करना। उन्होंने कहा कि विवादों की परवाह किए बिना देश की संस्कृति और लोकतंत्र की रक्षा करना भाजपा की प्राथमिकता है। अमित शाह ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत में रह रहे मुस्लिमों के अधिकारों पर कोई प्रश्न नहीं उठाया जाएगा और मतदाता सूची शुद्धिकरण (एसआईआर) प्रक्रिया का भी समर्थन किया

अमित शाह ने घुसपैठ को बड़ा संकट बताते हुए केंद्र सरकार की सख्त नीति को दोहराया। ▶10 पर

करगिल युद्ध में फेंके गए बम अब भी फट रहे

26 साल बाद भी सता रहा बमों का खौफ

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 11 अक्टूबर।

करीब 26 साल पहले हुए करगिल युद्ध के दौरान पाकिस्तान द्वारा बरसाए गए बमों से बचने के लिए करगिलवासियों ने कस्बा खाली कर दिया था। तबके फेंके गए बमों में से जो बम फटे नहीं वे अब भी करगिलवासियों को दर्द दे रहे हैं। इस साल अभी तक तोप के 17 गोलों को बरामद कर नष्ट किया जा चुका है। पिछले साल 103 और वर्ष 2023 में 45 बमों को नष्ट किया गया था। सेना ने शुक्रवार को लद्दाख के करगिल जिले में नगरपालिका समिति के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र के पास बमों सहित सात बिना फटे आयुधों को निष्क्रिय किया। करगिल के जिला मजिस्ट्रेट राकेश कुमार के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए सेना के बैलिस्टिक विशेषज्ञों की टीम ने कुर्बाथांग क्षेत्र में जीवित आयुधों को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया। नगरपालिका समिति के अधिकारियों ने अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र के पास एक बिना फटा आयुध पाया था। रिपोर्ट मिलते ही जिला मजिस्ट्रेट ने तुरंत 121 ब्रिगेड के स्टेशन कमांडर को सूचना दी और इस सेना ने त्वरित कार्रवाई की। करगिल में 16 अप्रैल 2023 को ऐसे ही एक बम के विस्फोट से 13 साल के एक बच्चे की मौत हो गई थी और दो जख्मी हो गए थे। इस घटना के बाद भी इन अनफटे बमों का डर कम नहीं हुआ, क्योंकि दो दिनों में ऐसे सात जिंदा अनफटे बमों की बरामदगी ने 26 साल के बाद फिर से दहशत फैला दी है। ▶10 पर

हाईकोर्ट ने तेलंगाना सरकार को दिया झटका

ट्रिपल टेस्ट ढांचे में ही होंगे निकाय चुनाव

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि स्थानीय निकाय चुनाव सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित त्रिस्तरीय परीक्षण के ढांचे के भीतर होना चाहिए। राज्य सरकार के लिए यह बड़ा झटका माना जा रहा है कि क्योंकि राज्य सरकार ने तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर दिया है, जिससे एससी (15 प्रतिशत) और एसटी (10 प्रतिशत) आरक्षण को मिलाकर कुल आरक्षण 67 प्रतिशत हो जाता है, जो ट्रिपल टेस्ट नियम का उल्लंघन है।

हालांकि, उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार के उस सरकारी आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसमें 42 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के साथ 8 अक्टूबर को स्थानीय निकाय चुनाव कराने का आदेश जारी किया गया था। उच्च न्यायालय ने कहा कि राज्य चुनाव आयोग आनुपातिक सीटों को खुली श्रेणी की सीटों के रूप में अधिसूचित करेगा और चुनाव कराएगा। याचिकाकर्ताओं का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ वकील के विवेक रेड्डी ने तर्क दिया कि राज्य सरकार का आदेश राजनीतिक आरक्षण के लिए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई 50 प्रतिशत की सीमा से अधिक है। सरकारी आदेश सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित त्रिस्तरीय परीक्षण का भी उल्लंघन करता है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने स्थानीय निकाय चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण देने के लिए ट्रिपल टेस्ट का एक ढांचा बनाया है। इसके तहत राज्यों को ओबीसी वर्ग के आंकड़ों को जुटाने के लिए ▶10 पर

ओड़ीशा की मेडिकल छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म

ममता राज में फिर हुआ बलात्कारकांड

दुर्गापुर (प. बंगाल), 11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। ओड़ीशा की रहने वाली मेडिकल छात्रा के साथ दुर्गापुरा में हैवानियत की दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। रात के अंधेरे में मेडिकल कॉलेज के पास छात्रा को दरिंदगी का शिकार बनाया गया है। आरजी कर अस्पताल की लोमहर्षक घटना के बाद हुई इस दूसरी घटना से पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था पूरी तरह से सवालों के घेरे में आ गई है। दुर्गापुर में एक निजी मेडिकल कॉलेज की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया है। इस घटना ने एक बार फिर बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पश्चिम बर्धमान जिले में ओड़ीशा की रहने वाली एक मेडिकल कॉलेज छात्रा के साथ अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया। वारदात शुक्रवार रात दुर्गापुर स्थित निजी मेडिकल कॉलेज परिसर के पास हुई। बताया जा रहा है कि द्वितीय वर्ष की छात्रा अपनी एक सहेली के साथ रात के खाने के लिए बाहर गई थी। छात्रा के साथ रात के अंधेरे में कॉलेज के पास सुनसान जगह पर दुष्कर्म किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ओड़ीशा के जलेश्वर की रहने वाली मेडिकल छात्रा का पास के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि मेडिकल छात्रा के परिवार के सदस्यों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि छात्रा शुक्रवार रात करीब 8.30 बजे अपनी सहेली के साथ कैंपस से बाहर गई थी। अधिकारी ने कहा, जब तीन अज्ञात लोग वहां पहुंचे तो उसकी सहेली उसे अकेला छोड़कर भाग गई। उन लोगों ने उसका फोन छीन लिया और उसे कैंपस के बाहर सुनसान इलाके में ले गए, ▶10 पर

बलोच लिबरेशन आर्मी ने जामरान में पाक सेना को रसद पहुंचाने पर पाबंदी लगाई

क्वेटा,11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान से आजादी की मांग को लेकर सशस्त्र विद्रोह कर रही बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने रणनीतिक रूप से बड़ा फैसला किया है। बीएलए ने ज़मरान को नियंत्रण में लेने के लिए पहुंची पाकिस्तानी सेना को रसद पहुंचाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। चेतावनी दी गई है कि अगर रसद पहुंचाने में कोई स्थानीय निवासी पाया जाता है कि वह अपने अंजाम के लिए खुद जिम्मेदार होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, बलोच लिबरेशन आर्मी के प्रवक्ता जैंद बलोच ने मीडिया को जारी बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उनके लड़ाकों ने कुल्लवाह, जमरान और बिलिडा में पाकिस्तानी सेना, उसके आपूर्ति वाहन और एक उपकरण को निशाना बनाया। प्रवक्ता ने बताया कि कोलवाह के दुंदर इलाके में लड़ाकों ने रिमोट कंट्रोल से आईईडी हमला करके पाकिस्तानी सेना के पैदल सैनिकों को निशाना बनाया। परिणामस्वरूप पाकिस्तानी सेना के तीन जवान मौके पर मारे गए।

उन्होंने कहा कि बिलिडा में लड़ाकों ने पाकिस्तानी सेना के तथाकथित मौत दस्ते के सदस्य दादिन पुत्र यालान को उसके घर पर हमला करके मार डाला। प्रवक्ता ने कहा कि ज़मरान के सबुनी इलाके में रिमोट कंट्रोल आईईडी हमले में पाकिस्तानी सेना के लिए सामान ले जा रहे एक वाहन को उड़ा दिया गया। प्रवक्ता ने कहा, हमने यह भी देखा है कि ज़मरान में कुछ निजी वाहन मालिक पाकिस्तानी सेना को रसद पहुंचाते हैं। बलोच लिबरेशन आर्मी स्पष्ट करती है कि ऐसा करना अपराध है। लड़ाके इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। उल्लेखनीय है कि बीएलए का संकल्प बलोच लोगों के लिए स्वतंत्र राज्य की स्थापना करना है। बीएलए ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे जैसे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर काम कर रहे चीनी नागरिकों को भी निशाना बनाया है।

बीएलए का दावा है कि पाकिस्तानी सरकार बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों (गैस, कोयला, खनिज) का शोषण करती है। बीएलए, बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) और बलोचिस्तान रिपब्लिकन आर्मी (बीआरए) जैसे अन्य बलोच समूहों के साथ काम करती है। बलोचिस्तान में विद्रोह और हिंसा का इतिहास दशकों पुराना है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका के टेनेसी सैन्य संयंत्र में विस्फोट, 19 लोग लापता, सभी की मौत होने की आशंका

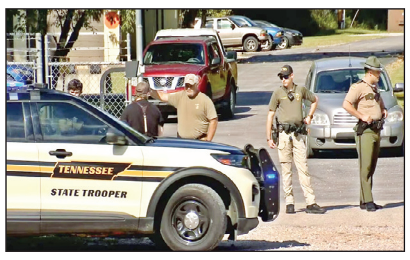

वाशिंगटन। अमेरिका के टेनेसी राज्य के ग्रामीण क्षेत्र की एक पहाड़ी पर स्थित टेनेसी सैन्य गोला-बारूद संयंत्र में हुए विस्फोट के दौरान 19 लोग लापता हो गए। अधिकारियों ने सभी की मौत हो जाने की आशंका जताई है। ता हो गए और उनके मारे जाने की आशंका है। हम्फ्रीज काउंटी के शेरिफ क्रिस डेविस के अनुसार, सेना को गोला-बारूद की आपूर्ति करने वाली कंपनी एक्यूरेट एनर्जेटिक सिस्टम्स के परिसर में हुए विस्फोट की आवाज से इलाका दहल गया। रिपोर्ट के अनुसार, कोई भी अधिकारी यह बताने को तैयार नहीं है कि इस त्रासदी में कितने लोग मारे गए हैं। सभी का यही कहना है कि 19 लोग लापता हैं। इनके जीवित होने की गुंजाइश रत्ती भर नहीं है। शेरिफ ने कहा कि संयंत्र जलकर राख हो चुका है। यह विस्फोट 10 अक्टूबर को स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 7:45 बजे हुआ। लोगों ने बताया कि उन्होंने मीलों दूर से विस्फोट की आवाज सुनी। एक्यूरेट एनर्जेटिक सिस्टम्स कंपनी की वेबसाइट के अनुसार, वह नैशविले से लगभग 97 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में बक्सनॉर्ट क्षेत्र की पहाड़ियों पर फैले आठ इमारतों वाले प्रतिष्ठान में विस्फोटक बनाती और उनका परीक्षण करती है। संयुक्त राज्य अमेरिका सेना संघ के अनुसार, इस कंपनी के ग्राहकों में रक्षा विभाग और होमलैंड सुरक्षा विभाग शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट स्थानीय समयानुसार सुबह 7:45 बजे हुआ और इस सुविधा की एक इमारत नष्ट हो गई। टेनेसी के गवर्नर बिल ली ने कहा कि वह इस दुखद घटना पर नजर रख रहे हैं। हम्फ्रीज काउंटी आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता ग्रे कोलियर के अनुसार, अब कोई और खतरा नहीं है और घटनास्थल पर स्थिति नियंत्रण में है।

पसंदीदा सेलिब्रिटी की तरह दिखने की चाहत बनी जानलेवा

बीजिंग। अपने पसंदीदा सेलिब्रिटी की तरह दिखने की चाहत चीन में एक लडकी के लिए जानलेवा साबित हो गई। 20 साल की इस लडकी को डॉक्टर ने किडनी में सूजन (नेफ्राइटिस) बताया है। जानकारी के अनुसार, युवती ने बार-बार बालों में हेयर डाई कराई, जिसके कुछ ही महीनों में उसके पैरों पर लाल धब्बे उभर आए, जोड़ों में दर्द और पेट में ऐंठन की शिकायत होने लगी। जब लक्षण बढ़े तो उसने डॉक्टर से संपर्क किया, जहां जांच के बाद पता चला कि उसकी किडनी में सूजन (नेफ्राइटिस) हो चुकी है। यह मामला यह दर्शाता है कि ब्यूटी और ग्लैमर की चाहत में इस्तेमाल किए जाने वाले कई प्रोडक्ट्स स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकते हैं। डॉ. ताओ चेनयांग के अनुसार, युवती हर महीने सैलून जाती थी और अपने फेवरेट सेलिब्रिटी की तरह हेयर डाई करवाती थी। लगातार और जल्दी-जल्दी डाई कराने से उसके शरीर में हानिकारक केमिकल्स का जमाव हो गया, जिसने धीरे-धीरे किडनी की कार्यक्षमता को प्रभावित कर दिया। डॉक्टरों ने बताया कि हेयर डाई में मौजूद कुछ केमिकल्स शरीर के अंदर जाकर ब्लड के जरिए अंगों तक पहुंच जाते हैं और वहां सूजन, एलर्जी या टॉक्सिक रिएक्शन पैदा कर सकते हैं।

ड्रैगन ने शुरू किया ग्रिड मैनेजमेंट सिस्टम...........जाने कैसे करेगा काम

बीजिंग। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) द्वारा समाज पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए एक हाईटेक प्रयोग किया जा रहा है। इस ग्रिड मैनेजमेंट सिस्टम बताया जा रहा है। इस ग्रिड मैनेजमेंट सिस्टम का मुख्य मकसद गांव से लेकर शहरों तक समाज पर पार्टी की पकड़ और निगरानी मजबूत करना। राष्ट्रपति शी जिनपिंग का निर्देश हैं कि छोटी समस्याएं गांव से बाहर न जाएं और बड़ी समस्याएं शहर से बाहर न जाएं। पूरे चीन को 10 लाख से अधिक ग्रिडों में विभाजित किया गया है। हर ग्रिड में औसतन 1,000 नागरिक होते हैं। प्रत्येक ग्रिड की देखरेख के लिए दो अटेंडेंट नियुक्त किए जाते हैं। अटेंडेंट मोबाइल ऐप का उपयोग करके सामाजिक गतिविधियों, विवादों और ज़रूरतों की रिपोर्ट अपलोड करते हैं। इतना ही नहीं हर गली, हर नागरिक और हर छोटे विवाद पर नजर रखी जाती है। हर नागरिक की डिजिटल फ़ाइल तैयार होती है। ग्रिड स्क्रीन पर गरीब, मानसिक रूप से बीमार और नशे के आदी लोगों जैसे विशेष निगरानी की जरूरत वाले लोगों की पहचान दर्ज होती है। स्थानीय समाधानः सरकारी मीडिया के अनुसार, शेडोंग प्रांत के शियाजिन काउंटी में पिछले साल 63,000 शिकायतों में से 98 प्रतिशत मामलों का निपटारा मौके पर ही कर दिया गया।

अमेरिका में शटडाउन का 10वां दिन, चार हजार से ज्यादा संघीय कर्मचारियों को छंटनी का नोटिस

वाशिगटन,11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में सरकारी शटडाउन का अब तक कोई हल नहीं निकल पाया है। 10वें दिन शुक्रवार को चार हजार से ज्यादा संघीय कर्मचारियों को छंटनी के नोटिस भेजे गए। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि छंटनी के नोटिस भेजने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उधर, इस मसले पर कैपिटल हिल में गतिरोध जारी है। सरकार को उबारने के डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन प्रस्ताव गुरुवार को सीनेट में आगे नहीं बढ़ पाए।

रिपोर्ट के अनुसार, हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने कहा कि वह सरकारी शटडाउन के बीच सदन में कोई अलग विधेयक पारित नहीं कराएंगे। इस बीच ट्रंप प्रशासन ने माना है कि संघीय एजेंसियों ने सरकारी शटडाउन के दौरान कर्मचारियों की संख्या में कमी (आरआईएफ) के नोटिस भेजे हैं। अमेरिकन फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट एम्प्लॉइज और एएफएल-सीआईओ ने शटडाउन के खिलाफ दायर एक संयुक्त मुकदमे में दावा किया है कि प्रबंधन एवं बजट कार्यालय ने कहा है कि सात संघीय एजेंसियों के 4,000 से अधिक कर्मचारियों को छंटनी के नोटिस मिले हैं।

संगठन ने कहा कि शुक्रवार शाम तक, वित्त मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग और शिक्षा विभाग ने सबसे अधिक नोटिस भेजे हैं। दावे के अनुसार, निम्नलिखित प्रतिवादी एजेंसियों ने से विनियोजन में चूक से संबंधित आरआईएफ नोटिस जारी करना शुरू कर दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुष्टि की कि सरकारी शटडाउन के बीच शुक्रवार को संघीय कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर छंटनी शुरू हो गई है। इससे पहले, व्हाइट हाउस के प्रबंधन एवं बजट कार्यालय (ओएमबी) के निदेशक रस वॉट ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था, आरआईएफ शुरू हो गए हैं।

ट्रंप ने कहा है कि इस स्थिति के लिए डेमोक्रेट्स जिम्मेदार हैं। उधर, सीनेट विनियोजन समिति की अध्यक्ष रिपब्लिकन सीनेटर सुसान कॉलिन्स ने शुक्रवार को जारी ताजा बयान में संघीय कर्मचारियों को बर्खास्त करने के ओएमबी निदेशक रस वॉट के फैसले की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा, मैं ओएमबी निदेशक रस वॉट के कर्मचारी विरोधी प्रयास का कड़ा विरोध करती हूं। उन्होंने कहा कि ऐसे फैसलों से पूरे देश में परिवारों को नुकसान होता है। अमेरिका के 800,000 से ज्यादा संघीय कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले अमेरिकन फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट एम्प्लॉइज (एएफजीई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवरेट केली ने भी इसके लिए ट्रंप प्रशासन की कड़ी आलोचना की है। केली ने एक बयान में कहा, संघीय कर्मचारी निर्वाचित और गैर-निर्वाचित नेताओं के राजनीतिक और व्यक्तिगत लाभ के लिए मोहरे के रूप में इस्तेमाल किए जाने से थक चुके हैं। अब समय आ गया है कि कांग्रेस अपना काम करे। उन्होंने कहा, एएफजीई के 93 वर्षों के अस्तित्व में कई राष्ट्रपति आए और गए मगर किसी ने भी सरकारी शटडाउन के दौरान कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का फैसला नहीं किया है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस प्रशिक्षण केंद्र पर टीटीपी का हमला, भीषण गोलीबारी में कम से कम सात की मौत

इस्लामाबाद,11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान में शुक्रवार रात पुलिस प्रशिक्षण केंद्र को निशाना बनाया। इस दौरान रुक-रुक कर पांच विस्फोट हुए। टीटीपी के लड़ाकों और सुरक्षाबलों के बीच करीब तीन घंटे तक भीषण गोलीबारी हुई। इस संघर्ष में सात लोगों की जान चली गई। टीटीपी ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है।

पुलिस और सुरक्षा बलों ने हमले को नाकाम करते हुए कम से कम तीन विद्रोहियों को मार गिराया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, सात-आठ हथियारबंद हमलावर रात करीब आठ बजे मुख्य द्वार से प्रशिक्षण केंद्र में घुसे। घुसते ही अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दिया। इस दौरान रॉकेट लॉन्चर और स्वचालित हथियारों का इस्तेमाल किया।

पुलिस ने बताया कि बख्तरबंद वाहन, विशेष इकाइयां और अल-बुराक बल के जवानों को तुरंत भेजा गया। सुरक्षा बलों ने परिसर के अंदर हमलावरों को घेर लिया। सदर थाना के एसएचओ आफताब ने बताया कि तीन घंटे से अधिक समय तक हुई गोलीबारी में तीन हमलावर मारे गए। आसपास के लोगों ने कहा कि उन्हें तेज धमाकों की आवाज सुनी। पहला धमाका इतना शक्तिशाली था कि आसपास की इमारतें हिल गईं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह हमला उस समय हुआ जब पूर्व मुख्यमंत्री अली अमीन खान गंडापुर पेशावर से डेरा इस्माइल खान लौट रहे थे। विस्फोटों की आवाज से उनके काफिले में दहशत फैल गई। अधिकारियों ने बताया कि कम से कम पांच पुलिस अधिकारी गोली लगने से घायल हुए हैं। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। घायलों की हालत स्थिर है। इस बीच, जिला मुख्यालय अस्पताल के चिकित्सा अधिकारियों ने बताया कि अब तक सात शव लाए जा चुके हैं। ग्यारह अन्य का इलाज चल रहा है, जबकि एक की हालत गंभीर बनी हुई है। कार्यवाहक सीनेट अध्यक्ष सैयदाल खान ने हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है।

बैक्टीरियल इंफेक्शन भी बन सकता है दिल के दौरे का कारण

वाशिंगटन। बैक्टीरियल इंफेक्शन भी दिल के दौरे का कारण बन सकता है। यह खुलासा किया है फिनलैंड और यूनाइटेड किंगडम के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए संयुक्त अध्ययन में। इसे हृदय रोग उपचार की दिशा में एक अहम उपलब्धि माना जा रहा है। अब तक दिल के दौरे (हार्ट अटैक) को कोलेस्ट्रॉल और धमनी में ब्लॉकेज का परिणाम माना जाता था, लेकिन एक नई वैज्ञानिक खोज ने इस धारणा को बदल दिया है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस खोज से भविष्य में दिल की बीमारियों के इलाज, जांच और यहां तक कि वैक्सीन विकास के नए रास्ते खुल सकते हैं। अब तक यह माना जाता था कि कोरोनरी आर्टरी डिजीज केवल ऑक्सीडाइज्ड एलडीएल कोलेस्ट्रॉल के कारण होती है। शरीर इस कोलेस्ट्रॉल को बाहरी पदार्थ समझकर प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया शुरू कर देता है, जिससे धीरे-धीरे धमनी में प्लेक यानी ब्लॉकेज बनने लगता है। हालांकि वैज्ञानिकों को लंबे समय से शक था कि इस प्रक्रिया में बैक्टीरिया की भूमिका भी हो सकती है, लेकिन अब तक कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला था।

इमरान की पत्नी और बहन की सियासी चालों से कैसे हार गए अमीन

इस तरह खैबर पख्तूनख्वा के सीएम की छिनी कुर्सी

इस्लामाबाद,11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के पूर्व पीएम और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान अदिलाया जेल में बंद है और वहीं से उन्होंने आदेश दिया है कि पीटीआई के अकेले सीएम को पद से हटा दिया जाए। खैबर पख्तूनख्वा के सीएम, अली अमीन गंडापुर राजनीतिक रूप से ताकतवर नेता रहे हैं लेकिन वह इमरान खान की जिंदगी की दो अहम महिलाओं उनकी पत्नी बुशरा बीबी और बहन अलीमा खान से साथ ताकत की लड़ाई में हार गए और उन्हें इस्तीफा देना पड़ा।

बुशरा बीबी और अलीमा खान की आपस में कभी नहीं बनी लेकिन अमीन को हटाने के लिए दोनों साथ आ गईं जिसके बाद खैबर पख्तूनख्वा सीएम ने पद से इस्तीफा दे दिया है। अमीन गंडापुर ने बुधवार को खैबर पख्तूनख्वा का सीएम पद छोड़ने की घोषणा करते हुए एक्स पर लिखा था कि मेरे नेता इमरान खान के आदेशों का सम्मानपूर्वक पालन करते हुए, मेरे लिए यह गर्व की बात है कि मैं खैबर पख्तूनख्वा के सीएम पद से अपना इस्तीफा दे रहा हूं। अमीन गंडापुर की जगह अब केपी का सीएम 35 साल के सोहैल आफरीदी को बनाया जाएगा। आफरीदी कबायली इलाकों से आते हैं और उनके पास इकोनॉमिक्स में मास्टर्स डिग्री है। यह इस्तीफा ऐसे वक्त में हुआ है जब पीटीआई में दरार पड़ी हुई है। इमरान खान 2023 से जेल में हैं और पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार के खिलाफ अकेले मजबूत विपक्ष बने हुए हैं। अमीन गंडापुर के इस्तीफा देने के बाद, पाकिस्तानी अखबार ने बताया कि वो अलीमा खान पर पीटीआई में दरार डालने का आरोप लगा रहे थे और शक्ति संघर्ष में उन्हें इमरान खान की बहन से हार का सामना करना पड़ा। यह भी बताया गया कि अमीन ने पिछले साल के इस्लामाबाद विरोध मार्च में बुशरा बीबी को नाराज कर दिया था। पिछले साल जब पीटीआई नेतृत्व ने 26 नवंबर को इस्लामाबाद में विरोध मार्च करने का फैसला लिया तब अमीन गंडापुर ने मार्च को एक जगह रोकने की कोशिश की थी। उन्होंने मार्च को संगजानी में रोकने की मांग की थी क्योंकि उन्हें डर था कि इससे हिंसा हो सकती है, लेकिन बुशरा बीबी ने साफ कह दिया था कि मार्च वहां से गुजरेगा।

पीटीआई के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि बुशरा बीबी ने फैसला कर लिया था कि मार्च डी-चौक तक कैसे भी पहुंचेगा और गंडापुर की आपत्तियों को नजरअंदाज कर दिया गया। यह पहली बार था जब बुशरा बीबी ने पीटीआई के इतने लोकप्रिय नेता की बात को काट दिया था। राजनीति से दूर रहने वाली बुशरा बीबी पति इमरान खान के जेल जाने के बाद से ही सक्रिय हैं। राजनीतिक मामलों में नई होने के बावजूद, इमरान खान उनपर काफी यकीन करते हैं और बुशरा इसका पूरा फायदा उठा रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक केपी के नए सीएम बनने वाले सोहैल आफरीदी बुशरा बीबी की पसंद हैं।

रिपोर्ट में कहा गया कि अमीन गंडापुर को हटाने का फैसला इमरान ने पिछले नवंबर में विरोध प्रदर्शनकारियों को छोड़ने के बाद ही कर लिया था। गंडापुर ने जेल में इमरान से मुलाकात कर उनसे वक्त मांगा लेकिन पार्टी पर उनकी पकड़ सीमित होती गई और आखिरकार उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। हाल ही में अमीन ने इमरान की बहन अलीमा खान के साथ भी विवाद मोल ले लिया था।

एक वरिष्ठ पीटीआई नेता ने कहा कि अलीमा खान के खिलाफ बयान देने के बाद अमीन गंडापुर के पास इस्तीफे के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा था। इमरान खान की बहन पर आरोप लगाने के बाद अमीन को पार्टी में काफी फजीहत का सामना करना पड़ा था, कार्यकर्ता उनसे दूरी बनाने लगे और उनके लिए लड़ना बंद कर दिया था।

सेना के लिए गोला-बारूद बनाने वाली फैक्ट्री में ब्लास्ट, 19 लोगों की मौत की आशंका

न्यूयॉर्क,11 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के टेनेसी में एक सैन्य विस्फोटक संयंत्र में जोरदार धमाका हुआ। इस विनाशकारी धमाके में 19 लोगों के मारे जाने या लापता होने की खबर सामने आ रही है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने अमेरिकी मीडिया के हवाले से बताया कि हम्फ्रीज काउंटी के शेरिफ क्रिस डेविस ने शुक्रवार दोपहर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं आपको बता सकता हूं कि 19 लोग लापता हैं।

डेविस ने इस घटना को अब तक देखी गई सबसे विनाशकारी जगहों में से एक बताया और कहा, इसके बारे में बताने के लिए कुछ भी नहीं है, यह सब खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि विस्फोट का मलबा आधा वर्ग मील फैला हुआ है। पीड़ित परिवार के ऊपर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है और यह पता लगाया जा रहा है कि आखिर इस धमाके की वजह क्या है। वहीं डेविस ने बताया कि जांच में कुछ समय लग सकता है। इस मामले से संबंधित कई एजेंसियां मिलकर यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि क्या हुआ।

डेविस ने शुक्रवार सुबह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह धमाका स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 7:45 बजे हुआ। कुछ लोग मारे गए हैं। हिकमैन काउंटी के मेयर जिम बेट्स ने शुक्रवार को एबीसी न्यूज को बताया कि कम से कम 13 लोगों का पता नहीं चल पाया है।

शेरिफ कार्यालय ने बताया कि कई एजेंसियां घटनास्थल पर पहुंच गई हैं और आग का आकलन करने और उसे नियंत्रित करने के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि दूसरे विस्फोटों की आशंका के कारण एजेंसियां फिलहाल उस क्षेत्र में जाने से बच रही हैं। डेविस ने बताया कि धमाके के बाद घटना की जांच में अल्कोहल, तंबाकू, फायरआर्म और विस्फोटक ब्यूरो, होमलैंड सुरक्षा और टेनेसी ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन शामिल हैं।

लोकतंत्र और समानता की भावना का जीवंत उदाहरण है भारत : बिरला

नई दिल्ली/ब्रिजटाउन, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि भारतीय संविधान पिछले 75 वर्षों से देश के लिए पथ-प्रदर्शन का दीपस्तंभ रहा है और इसके कारण भारत ने दुनिया के समक्ष लोकतंत्र और समानता का एक जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया है।

श्री बिरला ने बारबाडोस की राजधानी ब्रिजटाउन में 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन की आम सभा में 'राष्ट्रमंडल - एक वैश्विक भागीदार' विषय पर प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए शनिवार को कहा कि लोकतंत्र भारत की आत्मा है, समानता इसका संकल्प है और न्याय इसकी पहचान है।

उन्होंने पीठासीन अधिकारियों को अगले साल जनवरी में भारत में होने वाले राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया और कहा कि राष्ट्रमंडल सांसदों के पीठासीन अधिकारी 7 से 9 जनवरी तक होने वाले सीएसपीओसी में भाग लेने के लिए आयें।

लोकसभा अध्यक्ष ने इस बात पर ज़ोर दिया कि जलवायु परिवर्तन, महामारी, खाद्य अस-ुरक्षा और असमानता जैसे वैश्विक संकट सीमाओं से परे हैं और इनके लिए सामूहिक समाधान की आवश्यकता है। श्री बिरला ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आग्रह किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि समाधान अलग-थलग रहकर नहीं ढूँढे जा सकते।

श्री बिरला ने विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र और सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत पेरिस समझौते के लक्ष्यों को समय से पहले पूरा करने वाला पहला प्रमुख देश बन गया है।

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन और आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन जैसी पहलों के माध्यम से, भारत ने पृथ्वी के प्रति वैश्विक ज़िम्मेदारी पर ज़ोर दिया है।

लोकसभा अध्यक्ष ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में भारत के प्रयासों के बारे में बताते हुए पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण के प्रावधानों का उल्लेख किया । उन्होंने बताया कि ग्रामीण पंचायती राज संस्थाओं में 31 लाख निर्वाचित प्रतिनिधियों में से 14 लाख से अधिक महिलाएँ हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का भी उल्लेख किया, जिसके अंतर्गत संसद और विधान सभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण प्रावधान किया गया है, और भारतीय लोकतांत्रिक संस्थाओं में युवाओं और महिलाओं को प्राथमिकता दिए जाने पर ज़ोर दिया।

महिला पत्रकारों को लेकर स्थिति स्पष्ट करें मोदी : प्रियंका

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी की भारत यात्रा के दौरान महिला पत्रकारों को प्रेस कॉन्फ्रेंस से बाहर रखना अत्यंत आपत्तिजनक है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस मामले पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस से महिला पत्रकारों को इजाजत नहीं देने को लेकर शुक्रवार को सियासी घमासान मचा रहा और विपक्षी दलों ने इस पर सवाल उठाये कि सरकार ने इसकी इजाजत किस स्थिति में दी। अब विपक्षी दल इस मुद्दे पर सरकार से जवाब मांग रहे हैं।

श्रीमती वाड्रा ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में शनिवार को कहा प्रधानमंत्री जी, कृपया तालिबान के प्रतिनिधि की भारत यात्रा के दौरान आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस से महिला पत्रकारों को बाहर रखने पर अपनी स्थिति स्पष्ट करें।

उन्होंने महिलाओं के अधिकारों को लेकर भी सवाल पूछा और कहा यदि महिलाओं के अधिकारों के प्रति आपकी मान्यता एक चुनाव से दूसरे चुनाव तक अपनी सुविधानुसार दिखावा मात्र नहीं है तो फिर भारत की कुछ सबसे सक्षम महिलाओं का अपमान हमारे देश में कैसे होने दिया गया, जबकि महिलाएं ही इसकी रीढ़ और गौरव हैं।

श्री मुत्तकी की शुक्रवार को यहां हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल होने की महिला पत्रकारों को इज़ाज़त नहीं दी गयी जिसके बाद राजनीति गरमा गई।

दिल्ली सरकार ने 12 साल बाद कारीगरों के लिए पुरस्कार राशि बढ़ाई

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल', आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के विजन के अनुरूप दिल्ली सरकार ने राज्य हस्तशिल्प पुरस्कार योजना में 12 साल बाद ऐतिहासिक सुधार लागू किया है।

श्री सिरसा ने आज कहा, 12 साल बाद यह सुधार कारीगरों की असली कदर को सबके सामने लायेगा। हमने पुरस्कार राशि तिगुनी की है और नयी श्रेणी जोड़ी हैं, ताकि अधिक से अधिक कारीगर खासकर महिलाएं, युवा और दिव्यांग भाग लें और सम्मानित हों। हमारे कारीगर भारत की आत्मा हैं और यह सम्मान उनके योगदान को समर्पित है। उन्होंने कहा कि पुरस्कार संरचना आख़िरी बार 2013-14 में बदली थी। नई रूपरेखा के तहत राज्य शिल्पकार पुरस्कार 30 हजार से बढ़ाकर एक लाख और राज्य दक्षता पुरस्कार 20 हजार से बढ़ाकर 75 हजार कर दिया गया है। इसके साथ ही पुरस्कारों की संख्या भी बढ़ाई गई है। राज्य शिल्पकार पुरस्कार 6 (एक विशेष रूप से महिलाओं के लिए) और राज्य दक्षता पुरस्कार 18 विभिन्न हस्तशिल्प क्षेत्रों में दिया जाएगा।

वैष्णव ने नई दिल्ली स्टेशन पर भीड़ को नियंत्रित करने की तैयारियों का लिया जायजा

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव दीपावली और छठ के दौरान यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने को लेकर की गयी तैयारियों का जायजा लेने शनिवार को नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचे और अधिकारियों से बात कर स्थिति का आकलन किया।

श्री वैष्णव ने स्टेशन पर होल्डिंग एरिया का निरीक्षण करने के बाद संवाददाताओं से कहा, नयी दिल्ली स्टेशन पर यात्रियों की अचानक भीड़ उमड़ पड़ती है। इसे देखते हुए दो साल पहले एक अस्थायी होल्डिंग एरिया के साथ एक प्रयोग किया गया था। उस प्रयोग से यहां आने वाले यात्रियों को बहुत लाभ हुआ। अब, एक स्थायी क्षेत्र और यात्री सुविधा केंद्र, बनाया गया है। इससे आने वाले यात्रियों, खासकर बिना आरक्षित टिकट वाले यात्रियों को सुविधा होगी।

उन्होंने बताया कि अंदर के सभी टिकट काउंटरों को स्थानांतरित किया जा रहा है... यात्रियों के आने पर उन्हें स्वागत योग्य वातावरण, बैठने के लिए एक बड़ा क्षेत्र और बड़ी संख्या में शौचालय मिलेंगे। यह नयी दिल्ली स्टेशन के लिए एक स्थायी सुविधा है। देश भर के 76 स्टेशनों पर इसी तरह की व्यवस्था लागू की जा रही है, ताकि यात्रियों को प्लेटफार्मों पर भीड़ न लगानी पड़े। इस व्यवस्था को एक नये स्तर पर लाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा, छठ और दिवाली जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान अचानक भीड़ बढ़ जाती है। इस भीड़ के दौरान इस पूरी व्यवस्था का परीक्षण किया जायेगा और इससे हासिल अनुभवों के आधार पर भविष्य में अन्य स्टेशनों पर भी इसी तरह की व्यवस्था लागू करने के लिए किया जायेगा।

इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं सांसद अखिलेश यादव की प्रोफ़ाइल को मेटा (फेसबुक) द्वारा निलंबित (अब निरस्त) करने के मुद्दे पर कहा, यह कार्रवाई फेसबुक द्वारा की गयी है। इसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं है। उनके अकाउंट से एक अपमानजनक पोस्ट किया गया था, जिसके कारण फेसबुक ने अपनी नीतियों के अनुसार यह निर्णय लिया है।

हिंसक और अश्लील पोस्ट पर मेटा की कार्रवाई

अखिलेश यादव का फेसबुक पेज निलंबित किया गया

लखनऊ, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव का आधिकारिक फेसबुक पेज मेटा द्वारा निलंबित कर दिया गया। अखिलेश यादव के फेसबुक पेज पर हिंसक और अश्लील सामग्रियां पाए जाने के बाद मेटा ने यह कार्रवाई की। अखिलेश यादव के फेसबुक पेज के 80 लाख से अधिक फॉलोअर्स थे।

अखिलेश यादव के फेसबुक पेज को सस्पेंड करने की कार्रवाई फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने की है। यह फैसला प्लेटफॉर्म की नीतियों के तहत लिया गया है। पेज को हिंसक और अश्लील पोस्ट के कारण निलंबित किया गया है। हालांकि आदतन सपा नेता इस कार्रवाई की कड़ी निंदा कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह देश के लोकतांत्रिक सिस्टम पर प्रहार है। फिलहाल, फेसबुक की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

करूर भगदड़: मद्रास हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीमकोर्ट के गंभीर सवाल

सीबीआई जांच पर फैसला 13 को

चेन्नई, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तमिलनाडु के करूर में अभिनेता विजय की राजनीतिक रैली में हुई भगदड़ की केंद्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) से जाँच कराने की माँग वाली विजय की तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 13 अक्टूबर को अपना फैसला सुनाएगा।

29 सितंबर की इस घटना में 41 लोगों की मौत हो गई थी और भीड़ प्रबंधन तथा जाँच पारदर्शिता को लेकर चिंताएँ पैदा हो गई थीं। सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह भगदड़ की सीबीआई जाँच की माँग वाली याचिका पर आदेश पारित करेगा। अदालत ने तमिलनाडु सरकार से भी इस पर जवाब दाखिल करने को कहा। याचिका में मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें जाँच एजेंसी को स्थानांतरित करने से इनकार कर दिया गया था और विशेष जाँच दल (एसआईटी) से जाँच कराने का आदेश दिया गया था, जिस पर टीवीके ने आरोप लगाया था कि यह पक्षपातपूर्ण हो सकता है।

न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने सवाल उठाया कि मद्रास उच्च न्यायालय की चेन्नई पीठ की एकल पीठ ने इस मामले का संज्ञान क्यों लिया और आदेश क्यों पारित किया। हालाँकि करूर, जहाँ भगदड़ हुई थी, उसके अधिकार क्षेत्र में है, लेकिन मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ कर रही थी। टीवीके की ओर से अधिवक्ता गोपाल सुब्रमण्यम ने दावा किया कि उच्च न्यायालय ने पक्षकारों की राय सुने बिना ही अपना फैसला सुना दिया। उच्च न्यायालय में दायर याचिका का उद्देश्य बहुत सीमित था।

सुब्रमण्यम ने कहा सरकार को रोड शो के लिए एक प्रोटोकॉल बनाने का निर्देश दिया जाना चाहिए। उच्च न्यायालय के आदेश में कई आरोप लगाए गए हैं। मदुरै पीठ को इस मामले की सुनवाई करनी चाहिए थी क्योंकि वह इस मुद्दे पर दायर याचिकाओं पर पहले ही विचार कर चुकी है। वकील बिना कोई हलफनामा दाखिल किए पेश हुए। यह भगदड़ है। यह एक मानवीय त्रासदी है। यह आरोप कि अभिनेता विजय को पक्ष नहीं बनाया गया, पूरी तरह से झूठा है।

बंगाल भर्ती घोटाला : ईडी की 13 ठिकानों पर छापेमारी,मंत्री बोस के दफ्तर पर भी कार्रवाई

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कोलकाता जोनल कार्यालय ने पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित नगरपालिका भर्ती घोटाले में कोलकाता और उसके आसपास के क्षेत्रों में 13 स्थानों पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया।

ईडी की टीम ने शुक्रवार को जिन परिसरों पर छापेमारी की उनमें पश्चिम बंगाल के अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के विधायक सुजीत बोस के कार्यालय और उनकी कंपनियों के ठिकाने भी शामिल हैं। तलाशी के दौरान ईडी को कई आपत्तिजनक दस्तावेज, संपत्ति से संबंधित कागजात, डिजिटल उपकरण और 45 लाख रुपये नकद बरामद हुए हैं।

अविमुक्तेश्वरानंद सभी सीटों पर लड़ाएंगे निर्दल गौ भक्त प्रत्याशी

पटना, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने बिहार में सनातनी राजनीति का शंखनाद किया है। शेखपुरा पहुंचकर उन्होंने कहा कि बिहार की सभी विधानसभा सीटों पर वे ऐसे प्रत्याशियों को समर्थन देंगे, जो अपने घोषणा पत्र में गौ हत्या रोकने का संकल्प शामिल करेंगे। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता के 78 वर्षों बाद भी कोई राजनीतिक दल इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर गंभीरता से काम नहीं कर रहा है। केंद्र में कई दलों की सरकारें बनीं, लेकिन किसी ने गौ संरक्षण को प्राथमिकता नहीं दी। इस स्थिति को देखते हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने गौ मतदाता संकल्प यात्रा शुरू की है, जिसके तहत वे बिहार के सभी जिलों में जाकर मतदाताओं को गौ-रक्षा और सनातन धर्म के महत्व के प्रति जागरूक कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि गौ माता की रक्षा करना केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि यह हमारी संस्कृति और समाज की आधारशिला है। एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने लोगों से अपील की कि वे विधानसभा चुनाव में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को वोट दें जो गौ संरक्षण को लेकर स्पष्ट और दृढ़ संकल्पित हों। स्वामी ने यह भी बताया कि उन्होंने राष्ट्रीय राजनीतिक दलों से आग्रह किया था कि वे संसद में गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने के पक्ष में मतदान करें, लेकिन किसी भी दल ने इस मुद्दे पर स्पष्ट विचार नहीं किया। इसी कारण उन्होंने स्वयं गौ भक्त उम्मीदवारों को चुनाव में उतारने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि बिहार की सभी विधानसभा क्षेत्रों में उम्मीदवार खड़े किए जाएंगे और नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद औपचारिक रूप से सूची जारी की जाएगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और गौ भक्त मौजूद थे।

आजम खान के बयान ने बढ़ाया यूपी का सियासी पारा

जरूरत होगी तो हम मायावती से मिल सकते हैं: आजम

लखनऊ, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात के तीसरे दिन पार्टी महासचिव आजम खान के सुर बदल गए हैं। आजम ने बसपा प्रमुख मायावती की न सिर्फ प्रशंसा की बल्कि जरूरत पड़ने पर कभी भी उनसे मिलने की बात भी कही। मायावती का इस बात को लेकर शुक्रिया भी अदा किया कि लखनऊ रैली के दौरान उन्होंने उनके लिए कुछ बुरा भला नहीं कहा।

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती की जमकर तारीफ करते हुए बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वह और पूरा देश मायावती का सम्मान करता है और वह एक बड़े जनसमूह की नेता हैं। आजम खां के इस बयान से उन उन चर्चाओं को एक बार फिर बल मिल गया है, जिनमें कहा जा रहा था कि आजम बसपा की तरफ रुख कर सकते हैं। मीडिया को दिए इंटरव्यू में आजम खान ने मायावती के साथ अपने पुराने रिश्ते को याद किया। आजम ने कहा, जब वह रैली में रामपुर आईं थीं, तब मेरी मेहमान थीं। मेरा उनके बड़ों से भी रिश्ता रहा है। उन्होंने एक दिलचस्प वाकया साझा करते हुए कहा, ये बात किसी को नहीं मालूम कि लखनऊ में सुबह जब मैं फज्र की नमाज पढ़ता था, तब कांशीराम जी उनसे (मायावती) मिलने आते थे और आधा-एक घंटे बात करके जाते थे।

23 सितंबर को जेल से जमानत पर छूटे आजम के बसपा में जाने के कयास भी लगाए गए। हालांकि, मायावती ने नौ अक्टूबर को लखनऊ रैली में ऐसी किसी मुलाकात को खारिज करते हुए कहा था कि वह किसी से छिपकर नहीं मिलतीं। विरोधियों ने रैली से पहले यह अफवाह फैलाई। आजम के रुख बदलने से एक बार भी उनका बसपा प्रेम सुर्खियों में आ गया है। सीतापुर जेल में 23 महीने बिताकर और अखिलेश यादव के बीच आठ अक्टूबर को करीब दो घंटे तक बंद कमरे में गुफ्तगू हुई थी। इसके बाद अखिलेश यादव ने गिले-शिकवे दूर होने का दावा किया था। हालांकि, उनके सामने आजम चुप्पी साधे रहे। बाद में उन्होंने कहा था कि गुफ्तगू के बारे में बताएंगे तो नुकसान होगा। गिला ही नहीं तो शिकवा कैसा। आजम की मंशा न होने पर रामपुर के सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी को अखिलेश यादव ने लखनऊ से साथ लाकर बरेली ही रोक दिया था।

गुरुवार को सांसद ने कहा था कि आजम की अब उम्र हो चुकी है, वह हमें क्या अपने शहर इमाम तक को नहीं पहचानते। शुक्रवार को आजम खां ने पत्रकारों से बात करते हुए बसपा प्रमुख मायावती प्रशंसा की। उन्होंने कहा, वे बड़े जनसमूह की नायक हैं। उनका मैं ही नहीं, पूरा देश सम्मान करता है। उनके पास कोई ऐसी खबर पहुंची है, जिससे उन्हें दुख पहुंचा हो तो उसके लिए मुझे अफसोस है। उनकी अहमियत की मेरे दिल में कोई कमी नहीं है। जब वह रैली में रामपुर आईं थीं, तब वह मेरी मेहमान थीं।

दूसरी ही फिल्म से लगा खलनायिका का टैग, असल जिंदगी में भी बिंदू देसाई को निगेटिव समझते थे लोग

बॉलीवुड सिनेमा के 70 के दशक में एक ऐसी वैम्प अदाकारा थी, जिनको लेकर जिज्ञासा सेट पर लोगों में लीड रोल करने वाली एक्ट्रेसेस से ज्यादा होती है। हम बात कर रहे हैं फिल्म इंडस्ट्री की मोना डार्लिंग यानी बिंदू देसाई की। उन्होंने कभी पर्दे पर लड़ाकू सास बनकर बहूओं की नाक में दम किया तो कभी गैंगस्टर की गर्लफ्रेंड बनकर भी सिनेमा के पर्दे पर राज किया, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बिंदू को पहली फिल्म से नहीं बल्कि दूसरी फिल्म से सफलता हासिल हुई? बिंदू देसाई के पिता नानूभाई देसाई चाहते थे कि वो डॉक्टर या इंजीनियर बने, लेकिन बिंदू को सिनेमा से लगाव था और वो बहुत खूबसूरत भी थी। लेकिन विटी फेस होने की वजह से उन्हें बतौर लीड एक्ट्रेस रोल ऑफर नहीं हुआ। अपने पिता की मौत के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। अब परिवार की जिम्मेदारी उठाने के लिए उन्होंने फिल्मों का रुख किया और उनके जीजा लक्ष्मीकांत प्यारेलाल ने इसमें उनकी मदद की।

बिंदू ने सबसे पहले 1962 में आई फिल्म 'अनपढ़' में साइड रोल किया, और वो उस वक्त 21 साल की थी। फिल्मी पर्दे पर वह फ्लॉप रहीं, लेकिन दूसरी फिल्म 'दो रास्ते' उनके लिए लकी साबित हुई। इस फिल्म में बिंदू ने निगेटिव रोल प्ले किया। एक इंटरव्यू में बिंदू ने खुलासा किया था कि पहले वो तो निगेटिव रोल करने से कतरा रही थीं, लेकिन परिवार वालों ने कहा कि तुक्का मारने में क्या जाता है। फिल्म बनी और रिलीज हुई और फिर हिट साबित हुई। इस फिल्म ने बिंदू की जिंदगी बदल दी। इसके बाद एक्ट्रेस ने 'इत्तफाक', 'आया सावन झूम के', 'डोली', 'कटी पतंग', और 'जंजीर' जैसी फिल्में की।

बिंदू को लगातार फिल्मों में निगेटिव रोल मिलने लगे और उनकी इमेज पूरी तरह निगेटिव हो गई। असल जिंदगी में भी लोग उन्हें पर्दे की खलनायिका की तरह हीं देखते थे। एक्ट्रेस ने खुद इस बात का जिक्र करते हुए बताया था कि महिलाओं को लगता था कि मैं उनके पतियों को हड़प लूंगी। बिंदू ने बताया कि मेरे पति के एक करीबी दोस्त थे और कभी-कभी उनसे बातचीत हो जाती थी, लेकिन उनकी पत्नी को ऐसा लगता था कि मैं उनके पति पर डोरे डाल रही हूंजबकि असल में ऐसा कुछ था ही नहीं।

आज बिंदू अपने परिवार और पति के साथ मुंबई में रहती हैं और इंटरव्यू और शो में दिखती रहती हैं। एक्ट्रेस को आखिरी बार फिल्म 'महबूबा' में देखा गया था, जो कि 2008 में आई थी।

कृति सेनन अपनी खास परफॉर्मेंस से एक मशहूर एक्ट्रेस को देंगी सलामी

गुजरात के अहमदाबाद में 70वें फिल्मफेयर अवार्ड्स 2025 का आयोजन 11 अक्टूबर को होगा। शहर की कांकरिया झील स्थित ईकेए एरिना में होने वाले इस कार्यक्रम में बॉलीवुड के कई सेलेब्स स्टेज पर परफॉर्म करते दिखाई देंगे। इसमें बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन का नाम भी शामिल है। उन्होंने आईएएनएस को दिए स्पेशल इंटरव्यू में बताया कि इस बार वह अपनी परफॉर्मेंस के जरिए एक महान अदाकारा को ट्रिब्यूट देती दिखाई देंगी। आईएएनएस से अपनी परफॉर्मेंस की डिटेल शेयर करते हुए कृति सेनन ने कहा, फिल्मफेयर मेरे दिल के बहुत करीब है, जहां हम सिनेमा, उसकी कहानियों और उन्हें साकार करने वालों के प्रति अपने प्यार का उत्सव मनाते हैं। 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में इस साल परफॉर्म करना मेरे लिए जादुई अनुभव है। मैं एक प्रेरणादायक महिला को अपनी प्रस्तुति से सलामी दूंगी और दर्शकों के साथ इस पल को जीने के लिए उत्साहित हूं।

कृति सेनन के अलावा अक्षय कुमार भी इस बार फिल्मफेयर के लिए स्टेज पर परफॉर्म करते दिखाई देंगे। बताया जा रहा है कि वे स्टेज पर कुछ हैरतअंगेज स्टंट भी परफॉर्म करते दिखाई देंगे।

इस बार के अवॉर्ड शो में अभिषेक बच्चन भी स्टेज पर परफॉर्म करते दिखाई देंगे। अभिषेक बच्चन ने अवॉर्ड शो को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए एक इंटरव्यू में कहा था, फिल्मफेयर ने हमेशा मेरे दिल में एक खास जगह बनाई है। मैंने ब्लैक लेडी को देखते हुए बचपन का वक्त बिताया और यही मंच मुझे सम्मानित भी कर चुका है। 70वें संस्करण का हिस्सा बनना बेहद खास अनुभव है। इस साल की मेरी परफॉर्मेंस मेरे लिए बेहद अहम है, ज्यादा खुलासा नहीं कर सकता, लेकिन मैं यकीन दिलाता हूं कि यह यादगार होगी।

70वें फिल्मफेयर अवार्ड्स 2025 को इस बार शाहरुख खान, मनीष पॉल और करण जौहर मिलकर होस्ट करेंगे। शाहरुख खान ने एक बयान जारी करते हुए इस बात की खुशी जाहिर की थी कि वह फिर से फिल्मफेयर के अवॉर्ड शो को होस्ट करने जा रहे हैं। शाहरुख खान ने वादा किया था कि वह इस शो को इतना यादगार और हंसी से भरी रात बनाएंगे कि दर्शकों को यह हमेशा याद रहेगा।

पलक परस्वानी ने साझा की अपनी लव स्टोरी, डायरी में लिखा था रोहन के बारे में

टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री पलक परस्वानी ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर अपने बॉयफ्रेंड के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कर अपने मन की बात प्रशंसकों को बताई। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपने बॉयफ्रेंड रोहन के साथ तस्वीरें पोस्ट कीं और बताया कि कैसे उनकी डायरी की ख्वाहिशें सच हुईं। पलक ने अपने कैप्शन में लिखा कि कई साल पहले वह हर रात अपनी डायरी में रोहन के बारे में लिखती थीं और भगवान से सच्चे प्यार की दुआ मांगती थीं। पलक ने बताया कि उन्हें कई बार लगा कि शायद कोई ऐसा इंसान नहीं है जो उनके प्यार को समझ सके। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी इंस्टाग्राम पर नजर आए, और यहीं से उनकी प्रेम कहानी शुरू हुई। पलक ने लिखा कि इसके बाद मानो किस्मत ने कई संकेत दिए। दोनों की आध्यात्मिक सोच, घूमने का शौक और एक-दूसरे को प्रेरित करने की आदत इतनी मेल खाती थी कि यह रिश्ता जैसे ऊपर वाले ने बनाकर भेजा है। तस्वीर में पलक सफेद गाउन और रोहन काले टक्सीडो में नजर आ रहे हैं, जहां रोहन उन्हें होटल की लॉबी में उठाकर ले जा रहे हैं। पलक ने बताया कि रोहन ने उन्हें हील्स पहनने में मदद की थी, जो उनकी जिंदगी की छोटी-छोटी खुशियों की झलक है।

पलक ने रोहन को अपना सुकून और हमेशा

और विश्वास रखा कि नियति कुछ खास प्लान कर रही है। फिर एक दिन, एक रेस्टोरेंट में उनकी मुलाकात रोहन से हुई। पास की टेबल पर बैठे रोहन से उनकी नजरें मिलीं, थोड़ी बात हुई, लेकिन इसके बाद दो महीने तक कोई संपर्क नहीं रहा। पलक को लगा कि शायद यह किस्मत का मजाक है। लेकिन अचानक रोहन उनके का साथी बताया। वह कहती हैं कि रोहन उनकी जरूरतों को समझते हैं और उनके परिवार को अपना मानते हैं। पलक ने लिखा, इंतजार लंबा था, लेकिन अगर रोहन जैसा प्यार है, तो हर पल की कीमत थी। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि अभी शादी नहीं हुई है, लेकिन रोहन के साथ हर दिन किसी खूबसूरत सपने जैसा है।

सोनम बाजवा का एक दीवाने की दीवानियत ट्रेलर रिलीज

रोमांटिक ड्रामा एक दीवाने की दीवानियत का ट्रेलर जैसे ही 8 अक्टूबर 2025 को रिलीज़ हुआ, सोशल मीडिया पर बस एक ही नाम गूंज उठा सोनम बाजवा। फिल्म में सोनम के साथ हैं हैंडसम हंक हर्षवर्धन राणे, और इसे डायरेक्ट किया है मिलाप ज़वेरी ने। कहानी भले ही मेकर्स ने अभी तक छुपाकर रखी है, लेकिन ट्रेलर से साफ है कि इस बार लव स्टोरी में इमोशन, जुनून और हार्टब्रेक का तड़का तिहरे डोज़ में मिलेगा! फिल्म 21 अक्टूबर को दिवाली रिलीज के लिए तैयार है, और इसका टैगलाइन ही बता देता है कि ये कोई आम लव स्टोरी नहीं इस दिवाली, इतिहास में पहली बार रावण खुद सीता को घर छोड़ने आएगा! रिलीज़ के कुछ ही घंटों में ट्रेलर ने 70 हज़ार से ज़्यादा व्यूज़ पार कर लिए फैन्स बोले, यही तो है असली दिवाली धमाका! पर असली शोस्टॉपर हैं हमारी सोनम बाजवा, जो इस बार अपने अब तक के सबसे इंटेंस अवतार में नज़र आ रही हैं। अब तक क्यूट, ग्लैमरस और एक्शन से भरे किरदार निभाने वाली सोनम ने इस बार दिल और दिमाग दोनों जीत लिए हैं।

ट्रेलर में उनके चेहरे के एक्सप्रेशन, डायलॉग डिलीवरी और इमोशनल सीन देखकर फैन्स बोले, सोनम की आंखों में आग भी है, आंसू भी! एक यूज़र ने लिखा, डेपरा Bajwa looks breathtaking this might just be her most powerful role yet! दूसरे ने जोड़ा, इंतज़ार नहीं हो रहा इस दिवाली का सोनम आग लगा देंगी! कह सकते हैं कि एक दीवाने की दीवानियत के साथ सोनम ने अपने करियर का सबसे रॉ, पैशनेट और इमोशनल रूप दिखाया है। इस बार वो सिर्फ दीवाने की दीवानियत नहीं, बल्कि हर दर्शक के दिल की दीवानियत बनने वाली है।

कृति शेट्टी ने लेटेस्ट गाने अब्दी-अब्दी के लिए सीखा बेली डांस

अभिनेत्री कृति शेट्टी बहुत जल्द दक्षिण भारतीय फिल्मों के अभिनेता के साथ फिल्म 'जीनी' में दिखाई देंगी। इसका गाना 'अब्दी अब्दी' बहुत जल्द रिलीज होगा। इस गाने के लिए खासतौर पर उन्होंने बेली डांस सीखा। कृति शेट्टी ने बताया कि इस गाने की तैयारी के लिए उन्हें अपने बिजी शेड्यूल से वक्त निकालना काफी मुश्किल रहा, फिर भी वह इसकी प्रैक्टिस के लिए जाती थीं। इस गाने में कल्याणी भी हैं, दोनों फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। गाने के रिलीज होने से पहले इनका बेली डांस करते हुए एक वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

इस गाने के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा, जब मुझे फिल्म में बेली डांस के बारे में पता चला, तो मैं बेहद खुश हुई, क्योंकि जैसा कि हम जानते हैं, 'जीनी' एक मध्य पूर्व का विचार है, जो अरेबियन नाइट्स की कहानियों में देखा गया है। इसलिए फिल्म में बेली डांस का होना पूरी तरह से फिट बैठता है। यह मुझे बेली डांस की दुनिया तक ले गया, और मैं व्यक्तिगत रूप से बहुत उत्साहित थी, क्योंकि मुझे डांस करना पसंद है और इसने मुझे एक नया डांस फॉर्म सीखने का शानदार मौका दिया। उन्होंने बताया, मेरे लिए यह सीखना थोड़ा मुश्किल हो गया क्योंकि मैं चेन्नई में अपनी तीन तमिल फिल्मों की लगातार शूटिंग कर रही थी। मुझे अभ्यास करने का मौका केवल तभी मिलता था जब मैं मुंबई वापस आती थी और डांस क्लासेज में जाकर इसे सीखती थी। मैं वास्तव में वहां कुछ घंटे बिताती थी और इसमें काफी समय लगता था। खैर, मुझे नई चीजें सीखना बहुत पसंद है।

आकांक्षा पुरी का नया गाना जन्नतां नसीब रिलीज

अभिनेत्री आकांक्षा पुरी इन दिनों अपनी फिल्मों और गानों को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। गुरुवार को उनका नया गाना 'जन्नतां नसीब' रिलीज हो गया है। आकांक्षा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर गाने का एक क्लिप शेयर किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, इंतजार खत्म हुआ! 'जन्नतां नसीब' अब आ गया है! आवाज बढ़ाओ और बीट्स का मजा लो। उनके इस पोस्ट को फैंस ने खूब पसंद किया और कमेंट्स में तारीफों भरी प्रतिक्रियाएं दीं। 'जन्नतां नसीब' को मशहूर सिंगर रुपाली जग्गा ने अपनी मधुर आवाज में गाया है। गाने के बोल मशहूर गीतकार नूर ने लिखे हैं और म्यूजिक अनमोल डेनियल ने दिया है, जबकि म्यूजिक प्रोडक्शन का जिम्मा अनमोल डेनियल और मैग ने संभाला है। इस जोड़ी ने गाने को एक ताजगी भरा अंदाज दिया है, जो सुनने वालों को झूमने पर मजबूर कर देता है।गाने में आकांक्षा पुरी के शानदार डांस मूव्स और ग्लैमरस लुक ने गाने को और भी आकर्षक बना दिया है। वीडियो में उनके डांस स्टेप्स फैंस को दीवाना बना रहे हैं।अभिनेत्री आकांक्षा पुरी ने 2015 में मधुर भंडारकर की फिल्म 'कैलेंडर गर्ल्स' से बॉलीवुड में कदम रखा और 2017 में 'विघ्नहर्ता गणेश' टीवी शो में देवी पार्वती का किरदार निभाया। उन्होंने 'बिग बॉस ओटीटी 2' में भी भाग लिया है।

अभिनेत्री की अपकमिंग फिल्म की बात करें तो वह जल्द ही खेसारी लाल यादव के साथ भोजपुरी फिल्म 'अग्निपरीक्षा' में नजर आएंगी। फिल्म में अभिनेत्री और खेसारी लाल यादव के अलावा नीलम गिरी भी मुख्य भूमिका में हैं और सुशील सिंह, प्रकाश जैश, और विनोद मिश्रा जैसे प्रतिभाशाली कलाकार सहायक भूमिका में नजर आएंगे।

फिल्म का पोस्टर और लाल घघरी गाना पहले ही रिलीज हो चुके हैं। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट के बारे में अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। 'अग्निपरीक्षा' भोजपुरी सिनेमा के लिए एक बड़ी पेशकश मानी जा रही है, जिसमें ड्रामा, रोमांस, और मनोरंजन का जबरदस्त मिश्रण देखने को मिलेगा।

मिथुन,तुला सहित अन्य राशियों को भास्कर योग बनाएगा धनवान

आज 12 अक्टूबर 2025 को ग्रहों का अनोखा संयोग देखने को मिल रहा है। सूर्य से दूसरे भाव में बुध होने से भास्कर योग का निर्माण हो रहा है। पंचांग के अनुसार, भास्कर योग आर्थिक दृष्टि से अत्यंत शुभ फल देने वाला रहेगा। इसके प्रभाव से आज के दिन किए गए नए कार्य, निवेश और व्यावसायिक निर्णय दीर्घकालिक लाभ देंगे। मेष से लेकर मीन तक सभी राशियों के लिए यह दिन आर्थिक दृष्टि से लाभकारी रहने वाला है। भास्कर योग के प्रभाव से व्यापार में गति आएगी, अटके कार्यों पूरे होंगे और समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। विद्यार्थियों और नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन भाग्यशाली रहेगा। धार्मिक कार्यों में भाग लेने से मानसिक शांति मिलेगी। शाम का समय परिवार और प्रियजनों के साथ आनंदमय बीतेगा।

मेष : परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा

आज का दिन मेष राशि के जातकों के लिए सौभाग्य लेकर आया है। इस दौरान पुराने मित्रों का सहयोग मिलेगा और अच्छे मित्रों की संख्या में इजाफा होगा। आज के दिन आपको परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा। आपकी मधुर वाणी संबंधों में मिठास घोलेगी। किसी संस्था के द्वारा आपके अच्छे कार्यों को लेकर आपको सम्मानित किया जा सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और आर्थिक लाभ के संकेत भी मिल रहे हैं। शाम का समय परिवारजनों के साथ हंसी-खुशी में बीतेगा। इस दौरान यात्रा से जुड़ा कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

वृष : पैरों में चोट लगने की संभावना

वृष राशि वालों का आज का दिन आर्थिक दृष्टि से अत्यधिक व्यस्त रहने वाला है। भागदौड़ के बीच आपको अपनी सेहत का अधिक ख्याल रखना होगा। आज के दिन पैरों में चोट लगने की संभावना है। आपकी निर्णय लेने की क्षमता आज लाभदायक सिद्ध होगी। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होने से कार्य स्थल पर आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। किसी कार्य में दिल खोलकर लेनदेन करने से भविष्य में आपको लाभ होगा। इस दौरान पारिवारिक वातावरण सौहार्दपूर्ण रहेगा। शाम के समय किसी शुभ समारोह में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

मिथुन : आकस्मिक धन लाभ होगा

मिथुन राशि वालों को आज फिजूलखर्ची से बचकर रहना होगा। किसी रोग से पीड़ित लोगों को आज अपने स्वास्थ्य का अधिक ख्याल रखना होगा। सामाजिक कार्यों के दौरान कुछ व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं। हालांकि, दोपहर बाद किसी आकस्मिक लाभ से मन प्रसन्न रहेगा और धर्म के प्रति रुचि बढ़ेगी। इस दौरान संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलने से परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। शाम का समय संगीत और मनोरंजन के कार्यक्रमों में व्यतीत होगा।

कर्क : कार्यक्षेत्र में तरक्की होगी

कर्क राशि वालों को आज के दिन भाग्य का पूरा साथ मिलता हुआ नजर आ रहा है। इस दौरान आपके परिश्रम का उचित फल मिलेगा और समाज में सम्मान बढ़ेगा। संतान के प्रति विश्वास और प्रेम और भी गहरा होगा। ननिहाल पक्ष से आपको विशेष सहयोग मिलने की संभावना दिख रही है। आज के दिन शान-शौकत पर खर्चे बढ़ सकते हैं। वहीं, कार्यक्षेत्र में आपको सफलता मिलती हुई दिख रही है। अधिकारियों के सहयोग से कई काम बनेंगे। आज के दिन माता-पिता का आशीर्वाद आपके लिए आज संजीवनी साबित हो सकता है।

सिंह : जुबान पर आज के दिन कंट्रोल रखें

सिंह राशि के जातकों के लिए आज का दिन मिश्रित फल देने वाला रहेगा। मानसिक अशांति के कारण आपको परेशानी झेलनी पड़ सकती है। ऐसे में आपके लिए बेहतर होगा कि अनावश्यक बातों में न उलझें। माता-पिता के सहयोग और आशीर्वाद से दोपहर का समय अच्छा रहेगा। हालांकि, ससुराल पक्ष से किसी विषय पर मतभेद हो सकता है। अपनी जबान पर आज के दिन कंट्रोल रखें। आंखों से संबंधित कोई समस्या में आज सुधार होता दिख रहा है। नौकरीपेशा लोगों के लिए आज का दिन संयम बरतने वाला रहेगा। व्यापारी वर्ग के लोगों को धैर्य बनाए रखना चाहिए। खर्चों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करें।

कन्या : कठिन से कठिन कार्य आसानी से पूरे होंगे

कन्या राशि वाले आज आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। कठिन से कठिन कार्य भी आज के दिन आसानी से पूरे हो जाएंगे। माता-पिता का सहयोग प्राप्त होगा। हालांकि, इस दौरान पत्नी को शारीरिक कष्ट हो सकता है। आज के दिन फालतू के खर्चो से बचने की कोशिश करें। आज के दिन कुछ लोग आपकी मजबूरी का फायदा उठा सकते हैं। कार्यक्षेत्र में धन लाभ के अवसर बनेंगे। भाग्य आज आपका साथ देगा। विरोधियों पर विजय मिलेगी। व्यापारियों को लाभ के नए साधन प्राप्त होंगे।

तुला : संपत्ति में वृद्धि की संभावना

तुला राशि के जातकों के लिए आज का दिन शुभ रहेगा। संपत्ति में वृद्धि की संभावना बन रही है। आपका दिन आज दूसरों की मदद करने में बीतेगा। नवम भाव में गुरु का शुभ प्रभाव आपके लिए अनुकूल परिणाम लेकर आएगा। गुरु या वरिष्ठ जनों से मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नए कार्य की शुरुआत करने के लिए दिन शुभ रहने वाला है। ऐसे में मौका न बर्बाद करें। पारिवारिक वातावरण भी आज सौहार्दपूर्ण रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और यात्राओं से लाभ मिलने की संभावना दिख रही है।

वृश्चिक : कानूनी मामले में सफलता मिलेगी

आज वृश्चिक राशि वालों का मन थोड़ा अशांत रह सकता है। व्यापारिक कार्यों में अड़चनें आएंगी, जिससे निराशा हो सकती है। लेकिन शाम तक परिस्थिति आपके पक्ष में बदल जाएगी। धैर्य और बुद्धिमानी से आप शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त करेंगे। राज्य से जुड़े किसी वाद-विवाद या कानूनी मामले में सफलता मिलने की संभावना है। पारिवारिक सहयोग से मानसिक संतुलन बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको वरिष्ठ लोगों का विश्वास प्राप्त होगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

धनु : शिक्षा में सफलता प्राप्त होगी

धनु राशि के जातकों के लिए आज का दिन धार्मिक कार्यों में बीतेगा। किसी धार्मिक अनुष्ठान या सामाजिक कार्य में भाग लेने का अवसर मिलेगा। भाग्य का पूरा सहयोग रहेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। व्यवसाय में भी आज के दिन स्थिरता रहेगी। छात्रों के लिए दिन शुभ रहेगी। शिक्षा में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। दोपहर के बाद पाचन या पेट संबंधी कोई समस्या परेशान कर सकती है। आज के दिन आपका पारिवारिक जीवन भी सुखद रहेगा।

मकर : नए कार्यों में निवेश से लाभ होगा

मकर राशि के लोगों के लिए आज का दिन आर्थिक दृष्टि से मिलाजुला रहने वाला है। नए सप्ताह की शुरुआत से पहले ही दिन आपको बहुमूल्य वस्तुओं की प्राप्ति हो सकती है। इसके साथ ही कुछ अनचाहे खर्चे भी सामने आएंगे। ससुराल पक्ष से मान-सम्मान में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में मन लगेगा और लंबे समय से रुके कार्य पूरे होंगे। नए कार्यों में निवेश करना शुभ साबित होगा, जिससे भविष्य में अच्छा लाभ मिलेगा। पारिवारिक जीवन में मधुरता देखने को मिलेगी। यात्रा आज के दिन आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी।

कुंभ : सांसारिक सुख-सुविधाओं का आनंद मिलेगा

आज कुंभ राशि के जातकों का दिन आर्थिक दृष्टि से सावधानी रखने वाला होगा। कोशिश करें की आज सिर्फ जरूरी चीजों पर ही खर्च करें। परिवार के किसी सदस्य से आपको विश्वासघात की संभावना दिख रही है। इस दौरान आपको सांसारिक सुख-सुविधाओं का आनंद मिलेगा। वहीं, नौकरीपेशा जातकों के लिए प्रमोशन योग बन रहा है। शाम से रात तक नजदीकी यात्रा लाभकारी सिद्ध होगी। मित्रों से मेलजोल बढ़ेगा।

मीन : सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी

मीन राशि वालों के लिए आज का दिन सफलता दिलाने वाला रहेगा। चतुर्थ भाव में गुरु की स्थिति से लंबे समय से अटकी संतान संबंधी समस्या का समाधान करेगी। खुशमिजाज स्वभाव के कारण नए लोग आपसे जुड़ना चाहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में आपके सुझावों को सराहा जाएगा। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बनेगी। पारिवारिक जीवन में आनंद रहेगा। शाम से रात तक का समय प्रियजनों के साथ बीतेगा। दिन के उत्तरार्ध में कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

बृहस्पति के राशि परिवर्तन से कैसे सामान्य व्यक्ति भी बन सकता है अमीर

ज्योतिष शास्त्र के गोचरीय सिद्धांत के अनुसार देवगुरु बृहस्पति किसी भी व्यक्ति की जन्म राशि से जब द्वितीय, पंचम, सप्तम, नवम और एकादश स्थान पर भ्रमण करते हैं, तो उस व्यक्ति को कार्यों में सफलता, धन लाभ आदि की प्राप्ति होती है। गोचर से मिलने वाले लाभ का अनुपात जन्मकुण्डली के ग्रह योग एवं दशा-अन्तर्दशा आदि की शुभाशुभ स्थिति पर निर्भर है। जन्मराशि से जब देवगुरु बृहस्पति प्रथम, तृतीय, चतुर्थ, षष्ठ,

अष्टम, दशम अथवा द्वादश स्थान पर हों तो व्याधि यानि रोग, भय, मान-सम्मान में कमी, सामान्य कार्यों में असफलता, धन हानि, परदेश गमन, मित्रों से विरोध रहता है। द्वादश दशम चतुर्थे जन्मनि षष्ठाष्टगे, तृतीये च। व्याधिर्विदेशगमन धन हानि, मित्रविरोधं सुरगुरुः कुरुते।।

18 अक्टूबर 2025 से 5 दिसम्बर 2025 तक देवगुरु बृहस्पति का कर्क राशि में गमन पांच राशियों के लिए बेहद शुभप्रद रहने वाला है। तीन राशियों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता रहेगी तथा चार राशियों को मिश्रित शुभाशुभ फल प्राप्त होगा।

मिथुन राशि, मीन राशि, मकर राशि, वृश्चिक राशि एवं कन्या राशि वालों के लिए देवगुरु बृहस्पति का गोचर शुभ फलदायक है।

मेष राशि, सिंह राशि, धनु राशि वालों को इस गोचर अवधि के दौरान विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

वृष राशि, कर्क राशि, तुला राशि, कुम्भ राशि वालों को मिश्रित शुभाशुभ फल प्राप्त होगा, लेकिन उपाय द्वारा शुभ फल की वृद्धि एवं अशुभ फल की शांति की जा सकती है। जन्म राशि न पता होने पर नाम राशि से भी अपरिहार्य परिस्थिति में राशिफल देखा जा सकता है, परन्तु सटीक गोचर फल जन्म राशि से ही देखना चाहिए, साथ ही मूर्ति निर्णय पद्धति एवं ग्रहों का वेध विचार भी अवश्य करना चाहिए। जन्मपत्री में बनने वाले शुभाशुभ योग, महादशा, अन्तर्दशा एवं अन्य ग्रहों का गोचर देवगुरु बृहस्पति के कर्क राशि में गोचर के शुभाशुभ परिणाम को कम या ज्यादा कर सकते हैं। इसलिए ज्योतिष शास्त्र में वर्णित सभी सिद्धांतों को एक साथ गणना करने पर जो अंतिम निर्णय आता है, वही सर्वमान्य होता है। जन्मपत्री में बनने वाले शुभाशुभ योग ग्रहों के गोचरीय परिवर्तन से जागृत हो जाते हैं।

घर के मंदिर से जुड़े इन वास्तु टिप्स से दूर होगा दुर्भाग्य और खुलने लगेंगे तरक्की के नए रास्ते

हर मनुष्य के घर में मंदिर सबसे पवित्र स्थान होता है, जहां से सकारात्मक ऊर्जा चारों ओर फैलती है। शास्त्रों में घर के मंदिर में दिन में दो बार पूजा करने का नियम बताया गया है। ऐसा करने से मन को शांति महसूस होती है और जीवन में सकारात्मकता आने लगती है। लेकिन अगर वास्तु के अनुसार, घर का मंदिर सही दिशा में न हो या इससे जुड़ी कुछ गलतियां की गई हों, तो इससे विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में पूजा घर बनवाते और पूजा करते समय वास्तु के कुछ विशेष नियमों का ख्याल जरूर रखना चाहिए। इससे घर की परेशानियां दूर हो सकती हैं और परिवार के सदस्यों को जीवन में तरक्की मिल सकती है।

इस दिशा में होना चाहिए घर का मंदिर

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में मंदिर बनवाते या रखते समय दिशा का ध्यान रखना सबसे जरूरी होता है। इसके लिए सबसे अच्छी दिशा उत्तर-पूर्व मानी गई है। अगर ऐसा संभव न हो तो आप घर के पूर्व या उत्तर दिशा में भी मंदिर रख सकते हैं। लेकिन कभी भी मंदिर को दक्षिण दिशा में स्थान नहीं देना चाहिए। वास्तु के अनुसार, ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा आकर्षित होती है और परिवार के सदस्यों को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

मंदिर में मूर्तियां रखते समय इन बातों का रखें ध्यान

पूजा घर में भगवान की प्रतिमा या मूर्तियों को पूर्व या पश्चिम दिशा में रखना चाहिए। साथ ही, इन

मूर्तियों को मंदिर की दीवार से कुछ दूरी पर रखना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से धूप की सुगंध और सकारात्मकता मंदिर में चारों ओर फैलती है। वास्तु के नियमों का ख्याल रखकर पूजा घर बनाने से जातक को वास्तु दोष से भी छुटकारा मिल सकता है और घर में खुशनुमा माहौल बना रहता है। वहीं, मंदिर में कभी भी देवी-देवताओं की प्रतिमा को आमने-सामने नहीं रखना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है।

मंदिर में भूलकर भी न कराएं ऐसे रंग

अपने पूजा घर में पेंट कराते समय या मंदिर घर लाते समय रंग का विशेष ध्यान जरूर देना चाहिए। वास्तु के अनुसार, कभी भी मंदिर में तेज और काले, नीले आदि जैसे डार्क पेंट नहीं करवाना चाहिए। ऐसा करने से घर में नकारात्मकता फैल सकती है। इसकी बजाए आप मंदिर में सफेद, हल्का पीला, आदि कलर करा सकते हैं। इन रंगों से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है परिवार के बीच शांतिपूर्ण माहौल बना रहता है।

इस स्थान पर रखें पूजा का सामान

घर के मंदिर में पूजा का सामान रखने के लिए भी वास्तु में सही दिशा और स्थान बताया गया है। इसका ख्याल जरूर रखना चाहिए। मान्यता है कि धूप, दीपक, तेल, धार्मिक किताबें आदि को मंदिर में पश्चिम दीवार की ओर रखना चाहिए। लेकिन भूलकर भी कोई भी सामान मूर्तियों के ऊपर वाले स्थान पर नहीं रखना चाहिए। साथ ही, मंदिर को ऐसे स्थान पर रखना चाहिए जहां से पर्याप्त मात्रा में धूप की रोशनी अंदर पड़ती हो। इस प्रकार घर में मंदिर रखने से आपके जीवन से दुर्भाग्य दूर हो सकता है और कार्यों में आ रही बाधाएं भी धीरे-धीरे नष्ट हो सकती हैं।

पूजा घर की नियमित सफाई है बेहद जरूरी

वास्तु के अनुसार, कभी भी पूजा घर में गंदगी नहीं जमा होनी चाहिए। इससे जातक को विपरीत प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में मंदिर और भगवान की प्रतिमा को नियमित रूप से साफ करना चाहिए। साथ ही, पूजा घर में गलती से भी खंडित मूर्तियों को नहीं रखना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है। अगर आप घर के मंदिर से जुड़े इन वास्तु नियमों का ख्याल रखते हैं, तो इससे गृह क्लेश से मुक्ति मिलती है, परिवार के बीच प्रेम बना रहता है और जीवन में तरक्की के नए रास्ते भी खुल सकते हैं।

सपने में दिख रही सुंदर महिला तो पलटने वाली है आपकी किस्मत, जानें शुभ होगा या अशुभ?

रात के वक्त सोते समय नींद में लोगों को अकसर कई तरह के सपने आते हैं। सुबह उठने के बाद कुछ लोगों को सपने याद रहते हैं और कुछ लोग इसे भूल जाते हैं। स्वप्न शास्त्र के अनुसार नींद में आने वाले हर सपने का कुछ न कुछ अर्थ जरूर होता है। ये सपने सिर्फ हमारी कल्पना भर नहीं होते, बल्कि हमारे भविष्य से जुड़े गहरे संकेत भी होते हैं। वहीं, इनमें से कुछ सपने किसी के लिए शुभ तो किसी के लिए अशुभ हो सकते हैं। सपनों में दिखाई देने वाले व्यक्ति और घटनाएं हमारे भविष्य और वर्तमान से गहराई से जुड़ी होती हैं। कुछ सपने शुभ फल देने वाले होते हैं, जो आने वाले समय में सफलता और धन लाभ का संकेत देते हैं, जबकि कुछ सपने विपरीत परिस्थितियों और संकट की ओर इशारा करते हैं। जैसे सपने में खुद को दुल्हे के रूप में देखना आने वाली किसी बड़ी विपत्ति की ओर इशारा करता है। यह भविष्य में मृत्यु के समान किसी बड़े कष्ट का संकेत हो सकता है।

रात को आने वाले सपने शुभ या अशुभ?

स्वप्न शास्त्र कहता है कि सपनों में दिखाई देने वाली चीजें हमारे वर्तमान और आने वाले समय से जुड़ी होती हैं। इसलिए सपनों को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। ये सपने हमारे जीवन में घटने वाली घटनाओं के पूर्व संकेत हो सकते हैं। वहीं, इनमें से कुछ सपने किसी के लिए शुभ तो किसी के लिए अशुभ हो सकते हैं। कुछ सपने सीधे तौर पर भविष्य से जुड़े होते हैं, जबकि ज्यादातर सपने आपकी दिनचर्या या तनाव का प्रतिबिंब हो सकते हैं।

सुबह आने वाले सपनों का मतलब?

सपनों के माध्यम से जीवन में आने वाली खुशियों या परेशानियों का पहले से ही अंदाजा लगाया जा सकता है। यदि इन संकेतों को समय रहते समझ लिया जाए तो कई तरह की कठिनाइयों से बचा जा सकता है। माना जाता है कि सुबह 4 बजे से 6 बजे के बीच आने वाले सपने सच होते हैं और उनका आपके जीवन पर अच्छा या बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

सपने में सुंदर महिला को देखना?

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, सपने में सुंदर और सजी-धजी महिला का दिखना शुभता और समृद्धि का संकेत माना जाता है। यह संकेत देता है कि आपके जीवन में जल्द ही धन, सुख और समृद्धि आने वाली है। माना जाता है कि आपके घर पर जल्द ही मां लक्ष्मी का आगमन होने वाला है।

सपने में आभूषण धारण किए महिला को देखना?

अगर सपने में कोई महिला आभूषण धारण किए हुए दिखती है, तो इसका अर्थ है कि आपके रुके हुए काम पूरे होने वाले हैं। स्वप्न शास्त्र के अनुसार यह सपना बताता है कि आपको जल्द ही सफलता मिलने वाली है। अगर दीवाली के आसपास आप ये सपना देखते हैं तो ये आपके लिए सोने पर सुहागा होने वाला है।

सपने में महिला से बातचीत करने का मतलब?

वहीं, किसी सुंदर महिला से बातचीत करते हुए सपना देखना शुभ माना जाता है। स्वप्न शास्त्र कहता हे कि ये सपना समाज में मान-सम्मान और पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि का संकेत देता है। साथ ही यह सपना बताता है कि जल्द ही आपकी मन की इच्छाएं पूरी होने वाली हैं।

देव उठनी एकादशी से शुरू होंगे शुभ कार्य

देव उठनी एकादशी को देवोत्थान एकादशी या प्रबोधिनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू धर्म में इस पर्व का काफी महत्व है। यह पर्व कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाई जाती है। इसी दिन तुलसी विवाह भी मनाया जाता है।

मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु चार माह की निद्रा से जगते हैं। भारतीय पंचांग के अनुसार इस दिन से सभी शुभ मांगलिक कार्य शुरू हो जाते हैं। इस दिन को विशेष पूजा-अर्चना के साथ मनाया जाता है। इस दिन से विवाह के अतिरिक्त उपनयन, गृह प्रवेश आदि अनेक मांगलिक कार्य शुरू हो जाते हैं।

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 01 नवंबर की सुबह 09: 11 मिनट पर शुरू होगी। 02 नवंबर को सुबह 07: 31 मिनट पर एकादशी तिथि समाप्त होगी। इस तरह 01 नवंबर को देवउठनी एकादशी मनाई जाएगी।

देवउठनी एकादशी चातुर्मास के अंत का प्रतीक है। मान्यता है कि हिंदू धर्म में इन चार माह में हर तरह के मांगलिक कार्य पर प्रतिबंध रहता है। देव उठनी एकादशी से सभी शुभ कार्य शुरू हो जाते हैं।

कार्तिक शुक्ल एकादशी का यह दिन तुलसी विवाह के रूप में भी मनाया जाता है। मान्यता है कि तुलसी को घर में रखने पर धन और सुख-समृद्धि की वृद्धि होती है। तुलसी विवाह के बाद ही कन्यादान करने की परंपरा है।

इस दिन निर्जला उपवास रखने की परंपरा है। अगर आप निर्जला व्रत नहीं रख रहे हैं तो इस दिन चावल, प्याज, लहसुन, मांस, मदिरा, बासी भोजन नहीं खाएं।

शुभ लाभ

चलें

में!

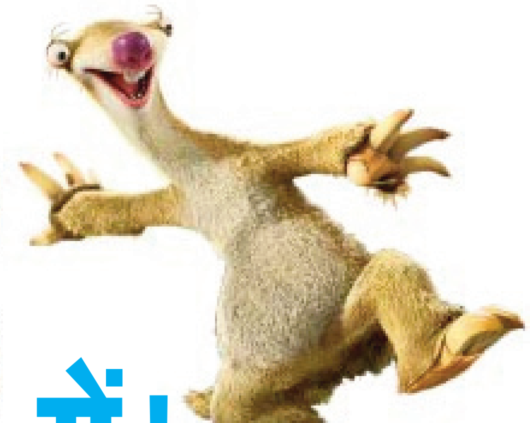

आइस एज मूवीज के किरदार आप सबके फेवरिट होंगे, हैं न। पर इनमें दिखाए जा रहे जानवरों की संरचना को लेकर कई सवाल आपके जेहन में उठते होंगे। आइए खोजते हैं इन सवालों के जवाब...

आप सबने एनिमेटेड मूवी 'आइस एज' तो देखी ही होगी, है न। इसके कैरेक्टर्स हाथी मैन्नीन, हथिनी ऐल्ली, शेर डिएगो... सभी कितनी मस्ती करते नजर आते हैं। लेकिन कभी आपने गौर किया है, कितने अजीब ही दिखते हैं न ये सब। किसी की पूंछ लंबी है तो किसी के दांत जमीन तक आते हैं। चलिए हम आपको बताते हैं कि ऐसा क्यों है? दरअसल, बड़े और भयानक दिखने वाले इन जानवरों की इस बनावट की वजह उनके आसपास का तापमान और ठंड थी। 10,000 साल पहले इन जानवरों के विलुप्त होने की वजह भी मौसम में बदलाव और उनका शिकार ही माना जाता है। आइए इनके बारे में और जानकारी जुटाते हैं—

मेगाथेरियम

मेगाथेरियम (जाइंट स्लॉथ) एक ऐसा जानवर है, जो आकार में हाथी के समान था। धरती पर रह चुके जानवरों में मेगाथेरियम शायद सबसे बड़े जानवरों में से एक हो। इसका वजन करीब 4 टन और शरीर की लंबाई 6 मीटर होती थी। हालांकि यह चौपाया जानवर था, पर इसके फुटप्रिंट्स से यह अंदाजा लगाया गया कि यह दो पैरों पर भी खड़ा हो सकता था। यह 10,000 साल पहले विलुप्त हो गया था। यूं तो मेगाथेरियम घास, फल-फूल और सब्जियां खाते थे, लेकिन इनके अभाव में ये दूसरे जानवरों को अपना शिकार बना लेते थे।

केव लायन

केव लायन आइस एज का सबसे खतरनाक जानवर था। यह आज के शेर से करीब 25 प्रतिशत बड़ा और खतरनाक था। फीमेल केव लायन का वजन 175 किलोग्राम होता था, वहीं मेल लायन 350 किलो का। इनकी लम्बाई 7-8 फीट तक की होती थी। ये घोड़े, हाथियों और भालू जैसे भारी जानवरों का भी शिकार करते थे। ये भी तकरीबन 10,000 साल पहले विलुप्त हो गए।

वूली मैमथ

वूली मैमथ आइस एज का सबसे मशहूर जानवर है। इस हाथीनुमा जानवर की पहचान इसका फर वाला शरीर और लम्बे दांत हैं। इसका फर कोट एक मीटर मोटा हुआ करता था, जो ठंड से इसको बचाता था। इस वजह से ही तो यह महाशय आइस एज में बड़े मस्त तरीके से अपने आप को बचाकर रख पाए थे। आप जिन हाथियों को आजकल देखते हैं, उनके मुकाबले इनके कान छोटे होते थे। इनके दांतों की लम्बाई 5 मीटर तक होती थी। यह 9 से 11 फीट लम्बे और 3 टन के होते थे। नॉर्दर्न साइबेरिया में 20,380 साल पुराना फ्रोजन मैमथ 1999 में निकाला गया था। वैज्ञानिकों ने इस पर रिसर्च करने के दौरान यह कहा कि इसका क्लोन बनाया जा सकता है, क्योंकि इसे विलुप्त हुए ज्यादा समय नहीं हुआ है और यह वर्तमान हाथी से काफी मेल खाता है।

साइबर टूथ टाइगर

आइस एज के इस जानवर का नाम सुनकर आपको लग रहा होगा कि यह बाघ की ही एक प्रजाति होगी। पर यह सच नहीं है। यह भले ही बाघ की तरह दिखता हो, लेकिन यह साइबर टूथ टाइगर (समिलोडॉन) प्रीहॉस्टोरिक समिलोडॉन बिल्ली की एक प्रजाति थी। इनके बड़े-बड़े केनाइन इन्हें बाकी सबसे अलग बनाते हैं। आपको यह जानकर हैरत होगी कि जहां समिलोडॉन साइबर टूथ के केनाइन करीब 7 इंच लंबे होते थे, वहीं होमोथेरियम साइबर टूथ के दांत 4 इंच लंबे हुआ करते थे। साइबर टूथ टाइगर ज्यादातर उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका के घास वाले खुले इलाकों में बसते थे। इनके पैर छोटे होते थे और इनकी पूंछ कम बालों वाली हुआ करती थी। कहा जाता है कि मॉसटोडॉन्स जैसे बड़े जीवों को भी ये अपना शिकार बना लेते थे। बिल्ली की जिन प्रजातियों को हम आज देखते हैं, उनके मुकाबले साइबर टूथ टाइगर का शरीर भालू जैसा भरा होता था और इनका वजन 200 किलो के आसपास होता था। आइस एज का यह अनोखा जानवर करीब 11,000 साल पहले पाया जाता था और आज इसके जैसा कोई भी जीव हमारी धरती पर नहीं है।

फिल्मों में आइस एज

आइस एज पर मूवीज की एक पूरी सीरीज तैयार की गई है। इस एनिमेटिड मूवी सीरीज का पहला पार्ट 2002 में रिलीज किया गया था, जिसका एक और पार्ट हालिया रिलीज हुआ है। इस सीरीज की फिल्में-आइस एज (2002), आइस एज द मेल्टडाउन (2006), आइस एज डॉन ऑफ द डायनासोर्स (2009) और पैलियोलिथिक आइस एज में जिंदा बचे हुए जानवरों की कहानी है। हालिया रिलीज आइस एज 4- कॉन्टिनेंटल ड्रिफ्ट का निर्देशन किया है स्टीव मार्टिनो और माइक थर्मियर ने।

कविता

सच्चे स्वर्ग का द्वार

सच्चे स्वर्ग का द्वार है पुस्तक,
ज्ञान का भंडार है पुस्तक।
करें अंधेरे में उजाला,
ज्ञान का आधार है पुस्तक।

भटके को भी राह दिखाए,
दूर करे मन का अंधेरा।
जितनी ज्यादा हम पढ़ पाते,
जीवन में हो नया सवेरा।

मन की आंखें खोले पुस्तक,
नया राज सब खोले पुस्तक।
ज्ञान भरी बातें सिखलाती,
सबकी वाणी बोले पुस्तक।

दिमाग के घोड़े दौड़ाओ!!

1. किस वजह से पृथ्वी को नीला ग्रह कहते हैं?
2. वायुमंडल में नाइट्रोजन कितने प्रतिशत मौजूद है?
3. बैरोमीटर का प्रयोग किस लिए किया जाता है?
4. कोयला जलने पर कौन सा गैस उत्सर्जित करता है?
5. ठोस कॉर्बन डाई ऑक्साइड किस रूप में मिलती है?
6. पत्तियों के सतह पर तक सांस लेने के लिए बने छिद्रों को क्या कहते हैं?
7. सूरज के सबसे नजदीक कौनसा ग्रह है?
8. सब्जियों का राजा आलू पौधे का कौन-सा हिस्सा होता है?
9. पानी का रासायनिक सूत्र क्या होता है?
10. मनुष्य शरीर में कितनी इंन्द्रियां होती हैं?
11. किस ग्रह को लाल ग्रह कहा जाता है?
12. सर्च इंजन गुगल के हेडक्वार्टर का नाम क्या है?
13. यौगिक एचसीएल अम्ल है या क्षार!
14. जल जाने या फिर छिल जाने पर कौन-सा मीठा चिपचिपा पदार्थ एंटीसेप्टिक के रूप में प्रयोग किया जाता है?
15. सूर्य और चंद्रमा के बाद आकाश में चमकने वाला ग्रह कौन-सा है?
16. ट्रैक्टर का आविष्कार किसने किया था?

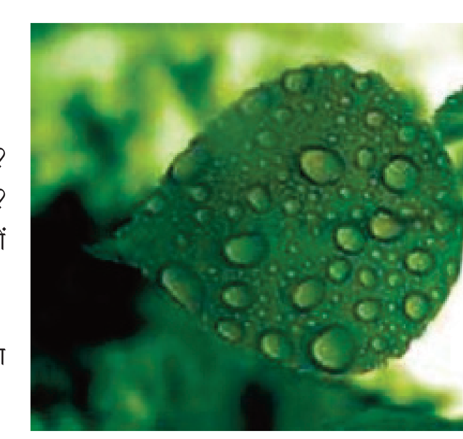

उत्तर- 1. पानी की वजह से 2. 79 3. वायुमंडलीय दबाव जानने के लिए 4. कार्बन डाई ऑक्साइड 5. ड्राई आइस 6. स्टोमेटा 7. बुध 8. तना 9. H_2O 10. पांच 11. मंगल 12. गूगलप्लेक्स 13. अम्ल है (हाइड्रोक्लोरिक एसिड) 14. शहद 15. शुक्र 16. बेन्जामिन होल्ट (1900)

तारागणक गोपाल भांड

एक अच्छी आदत को अपने भीतर डालने के लिए सिर्फ एक छोटा कदम उठाने भर की देर रहती है। उस छोटे कदम से होने वाले फायदे को देखकर लगता है कि वो छोटा कदम बड़ा प्रभावशाली था। ऐसा ही एक कदम उठाया था रिंकू ने...!

एक बार राजा कृष्णचन्द्र को नवाब का फरमान मिला कि वह धरती का इस छोर से उस छोर तक और ऊपर से लेकर नीचे तक लम्बाई और चौड़ाई का सही माप निकाले। साथ ही आकाश में मौजूद तारों की सही गिनती भी ज्ञात करें। फरमान सुनकर राजा के तो होश फाख्ता थे।

राजा ने नवाब को संदेश भिजवाया कि वो बेअदबी करना नहीं चाहते, पर यह तो नामुमकिन कार्य है। नवाब ने कहलवाया 'करोगे तो मुमकिन हो जाएगा।'

राजा गहरे चिंतन में डूब गए। उनकी चिन्ता बढ़ती ही जा रही थी। कुछ दिनों बाद गोपाल भांड राजा से मिलने आ पहुंचा और उनको चिन्तातुर पाकर बड़ा दुखी हुआ। राजा से उसने कहा, 'स्वामी आपको क्या हुआ है? मेरे होते हुए आपको इतनी चिन्ता करने की क्या जरूरत है। यह सेवक आपकी हर चिन्ता को पल भर में हल कर देगा।' महाराज कुछ चिन्तित स्वर में बोले, 'नहीं गोपाल तुम नहीं कर सकते।' 'अरे, ऐसा कोई कार्य नहीं जो मेरे लिए असंभव हो। आप पहले बताइए तो।' आत्मविश्वास से भरे हुए गोपाल बोला। 'मुझे नवाब हुजूर ने पृथ्वी की लम्बाई-चौड़ाई के साथ तारों का सही आंकड़ा बताने का फरमान सुनाया है।' राजा ने गोपाल की ओर देखते हुए कहा। गोपाल का उत्साह रत्तीभर भी कम नहीं हुआ। वो महाराज से बोला 'ये तो मेरे चुटकी का काम है। बस आप मुझे अपना तारागणक और पृथ्वीमापक नियुक्त कर लीजिए और बाकी की चिन्ता मुझ पर छोड़ दीजिए। जब काम पूरा हो जाएगा तो मैं नवाब हुजूर के पास पहुंच जाऊंगा। आप सिर्फ नवाब हुजूर से एक वर्ष की मोहलत ही दिलवा दीजिए। और हां काम पूरा करने के लिए दस लाख मोहरें भी दिलवा दीजिए। एक साल के बाद उनको तारों की संख्या के साथ पृथ्वी का सही माप भी मिल जाएगा।' राजा ने कहा अगर नाकामी हाथ लगी तो गोपाल का सिर कलम होगा, उसका नहीं। गोपाल के कहे अनुसार राजा ने नवाब को संदेशा भिजवाया। साल भर उन दस लाख रुपयों से गोपाल ने खूब ऐशो-आराम किया। बेहतरीन पोशाक और स्वादिष्ट भोजन का उपभोग किया। महलों, हाथी आदि जो किसी भी राजा के पास होते हैं, वह सब कुछ उसने जुटा लिया। वर्ष भर उसने बड़े ही आराम से व्यतीत किया और वर्ष के अंत में राजा के पास दो गिलट के और तांबे के सिक्के खनखनाते हुए पहुंचा और बोला,' अन्नदाता जितना मैंने सोचा था, यह काम तो उससे बहुत ही मुश्किल निकला। अभी तक का परिणाम संतोषजनक है, पर मुझे एक वर्ष का और मोहलत चाहिए। और साथ ही में दस लाख रुपए भी।'

न चाहते हुए भी मामला नवाब तक पहुंचाना पड़ा। नवाब ने भी आधे-अधूरे मन से एक साल की मोहलत दे दी। गोपाल ने दूसरा साल भी पूरे ठाट-बाट से बिताया।

अगले बरस गोपाल पांव घसीटते हुए नवाब के महल की ओर बढ़ रहा था और उसके पीछे पंद्रह बैलगाड़ियां थीं। बैलगाड़ियां कटे-फटे रेशमी धागों से भरी हुई थी। बैलगाड़ियों के पीछे पांच मोटी-ताजी भेड़ भी बंधी थीं।

नवाब से मिलने की इजा ात मिलते ही वो अपने काफिले के साथ महल में आया। और बोला,' हुजूर आपके फरमान के अनुसार मैंने धरती नाप ली और तारे भी गिन लिए।' 'शाबाश! तो बताओ मुझे सही आंकड़े।' 'आंकड़े? आंकड़ों की तो कोई बात नहीं हुई थी। मैंने तो वही किया जिसका हुक्म आपने फरमाया था। पृथ्वी की लम्बाई अगली सात बैलगाड़ियों में मौजूद धागों के बराबर हैं और उसकी चौड़ाई पिछली आठ गाड़ियों में भरे धागों के बराबर है। बैलगाड़ियों के पीछे बंधी भेडों के शरीर पर मौजूद बालों के बराबर ही आकाश में तारे हैं। बिलकुल उतने ही बालों वाली भेड़ों को खोजने में कितनी मेहनत लगी है यह तो मैं जानता हूं या फिर ऊपर वाला।' नवाब ने कहा,' नामुमकिन! न तो मैं धागे की लम्बाई की मालूम कर सकता हूं और न ही भेड़ों के बाल ही गिन सकता हूं।' काफी सोचने के बाद गोपाल की बात का कोई जवाब नहीं मिला तो उसकी बात पर यकीन कर लिया। कुछ देर नवाब बोला, 'जो भी हो, तुमने अपने काम को पूरा तो कर ही लिया है। ये रहा तुम्हारा इनाम दस लाख रुपए।'

रंग भरो

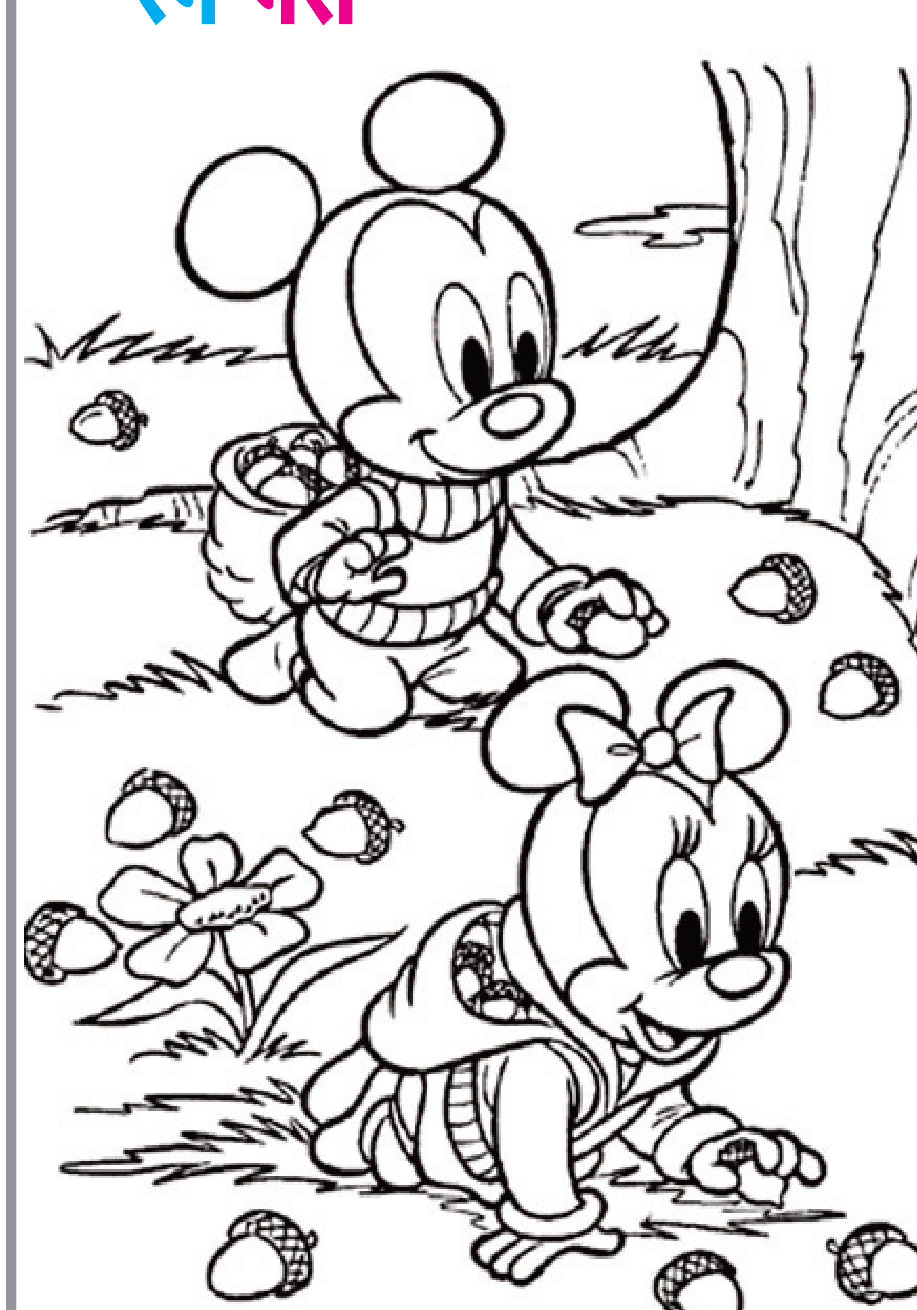

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप को धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है इसलिए आज जितना हो अपने पैसे की बचत करने का विचार बनाएं। नाती–पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। आने वाले समय में दफ़्तर में आपका आज का काम कई तरीक़े से असर दिखाएगा। अपनी कमियों पर आपको काम करने की जरुरत है इसके लिए आपको अपने लिए समय निकालना चाहिए। आप अपने जीवन की कुछ यादगार शामों में से एक आज अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। अपने साथी के साथ बाहर जाते वक़्त ठीक तरह से व्यवहार करें। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप कुछ समय अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं। वक्त से बढ़कर कुछ नहीं होता। इसलिए आप वक्त का सदुपयोग करते हैं लेकिन कई बार आपको जीवन को लचीला बनाने की जरुरत भी होती है और अपने घर परिवार के साथ समय बिताने की जरुरत होती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आर्थिक जीवन में आज खुशहाली रहेगी। इसके साथ ही आप कर्जों से भी आज मुक्त हो सकते हैं। घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। आपकी शोहरत बढ़ेगी और आप आसानी से दूसरे लिंग के लोगों को अपनी तरफ़ आकर्षित करेंगे। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। टीवी, मोबाईल का इस्तेमाल गलत नहीं है लेकिन आवश्यकता से अधिक इनका उपयोग आपके जरुरी समय को खराब कर सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार/दोस्त घर आ सकते हैं। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। जीवनसाथी के साथ वाद–विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत बढ़िया रहेगी। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। प्यार–मोहब्बत की नज़रिए से बेहतरीन दिन है। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आज आपका जीवनसाथी आपको प्यार और सुख के लोक की सैर करा सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको पैसों से जुड़ी कोई समस्या आ सकती है जिसे सुलझाने के लिए आप अपने पिता या पितातुल्य किसी आदमी से सलाह ले सकते हैं। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। अपने प्रिय को नज़रअंदाज़ करना घर पर तनाव का कारण बन सकता है। अहम लोगों से बातचीत करते वक़्त अपने आँख–कान खुले रखिए, हो सकता है आपके हाथ कोई क़ीमती बात या विचार लग जाए । इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है। जी–वनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जीवनसाथी की खराब तबीयत के कारण आज आपका धन खर्च हो सकता है लेकिन आपको इसको लेकर चिंता करने की जरुरत नहीं है क्योंकि धन इसीलिये बचाया जाता है कि बुरे समय में वो आपके काम आ सके। किसी ऐसे नए उद्योग से जुड़ने से बचें जिसमें कई भगीदार हों– और अगर ज़रूर पड़े तो उन लोगों की राय लेने से न कतराएँ, जो आपके क़रीबी है। आपके हँसने–हँसाने का अन्दाज़ आपकी सबसे बड़ी पूंजी साबित होगा। जीवनसाथी के रिश्तेदारों का दख़ल वैवाहिक जीवन का सन्तुल बिगाड़ सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। लेकिन आस–पास के लोगों से झगड़ा न करें नहीं तो आप अकेले रह जाएंगे। करिअर के नज़रिए से शुरू किया सफ़र कारगर रहेगा। लेकिन ऐसा करने से पहले अपने माता–पिता से इजाज़ता ज़रूर ले लें, नहीं तो बाद में वे आपत्ति कर सकते हैं। चंद्रमा की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप वो काम नहीं कर पाएंगे जो आपको करना था।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें। यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है। महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ आज समय गुजारेंगे लेकिन किसी पुरानी बात के फिर से सामने आने की वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी होने की आशंका है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ बिताना दिलचस्प तो रहेगा ही, साथ ही छुट्टी साथ बिताने की योजनाओं पर भी चर्चा हो सकेगी। कार्यक्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें, क्योंकि आपकी निष्ठा आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होगी। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है। अगर आपके जीवनसाथी की सेहत कर चलते किसी से मिलने की योजना रद्द हो जाए तो चिंता न करें, आप साथ में अधिक समय व्यतीत कर सकेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। अपना क़ीमती वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। छात्र–छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नज़र आ रही हैं

आज का पंचांग

दिनांक : 12 अक्टूबर 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक ,कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी दोपहर 02:18 तक
नक्षत्र : मृगशिरा दोपहर 01:37 तक
योग : वरियान प्रातः 10:54 तक
करण : वणिज दोपहर 02:18 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 05:56 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:02 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 05:54 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 05:48 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा दोपहर 02:17 से रात्रि 01:17 तक, कार्तिक मासे दीप–दानम् विशेष:

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

किसान को अच्छा बीज, तकनीक और सलाह मिलने से कृषि में बढ़ेगी उत्पादकता : भजनलाल

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित विशेष कृषि कार्यक्रम में प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की शुरूआत की। उन्होंने देश को 24 हजार करोड़ रुपये के परिव्यय वाली प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना एवं 11 हजार 440 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जुड़े तथा प्रधानमंत्री के संबोधन का श्रवण किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान दुर्गापुरा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धन–धान्य कृषि योजना, दलहन मिशन और अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं का शुभारंभ कर देश की कृषि व्यवस्था में एक नए युग का आरंभ किया हैं। ये योजनाएं उत्पादन बढ़ाने के साथ ही खेती को अधिक आत्मनिर्भर और टिकाऊ बनाने का काम करेंगी। प्रधानमंत्री की इस दूरदर्शी पहल से किसान भाई–बहन अब केवल पारंपरिक खेती तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक तरीकों और बाजार से बेहतर जुड़ाव के माध्यम से समृद्धि और प्रगति का नया अध्याय रचेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का स्पष्ट मानना है कि यदि देश को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाना है, तो हमें अपने अन्नदाताओं को सशक्त बनाना होगा। प्रधानमंत्री ने किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में उठाए ठोस कदम

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। पीएम किसान सम्मान निधि के माध्यम से करोड़ो किसानों को आर्थिक सहायता पहुंचाई जा रही है। मजबूत डिजिटल व्यवस्था से यह धनराशि बिना किसी बिचौलिए के समय पर सही लोगों तक पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि फसल बीमा योजना के तहत प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से किसानों को सुरक्षा प्रदान की जा रही है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड, नीम कोटेड यूरिया, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जैसी अनेक योजनाओं से कृषि क्षेत्र को नई दिशा मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना के तहत देश के ऐसे 100 कृषि जिलों को चुना गया है। कम उत्पादकता, मध्यम फसल तीव्रता एवं औसत से कम ऋण उपलब्धता इन जिलों के चयन का मुख्य आधार है। देश से 100 जिलों में से राज्य के आठ जिलों बाड़मेर, जैसलमेर, नागौर, जोधपुर, बीकानेर, पाली, जालोर और चूरू को इस योजना में शामिल किया गया हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य उत्पादकता बढ़ाने के साथ ही फसल विविधीकरण, सिंचाई सुविधाओं में सुधार, भंडारण क्षमता में वृद्धि और किसानों को आसान ऋण उपलब्ध कराना है। इसके लिए कृषि, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य, सहकारिता, खाद्य प्रसंस्करण, ग्रामीण विकास एवं जलसंसाधन सहित 11 विभागों को जोड़ा गया है।

शर्मा ने कहा कि इस योजना का पहला लक्ष्य सिंचाई का विस्तार करना है। यह योजना प्रधानमंत्री के हर खेत को पानी के सपने को साकार करने की दिशा में काम करेगी। छोटे किसानों को सूक्ष्म सिंचाई यानी ड्रिप और स्प्रिंकलर की सुविधा मिलेगी तथा परंपरागत जलाशयों का पुनर्जीवन एवं सिंचित क्षेत्र का विकास होगा। उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश में अब तक लगभग 23 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई संयत्र स्थापित किए जा चुके हैं और आने वाले वर्षों में संपूर्ण सिंचित क्षेत्र में ड्रिप और स्प्रिंकलर संयत्र स्थापित करना हमारा लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के खेतों में वर्षा जल का संचयन सुनिश्चित करने के लिए अब तक 35 हजार 368 फार्म पौंड बनाए जा चुके हैं, जिन पर करीब 307 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है। राज्य के विभिन्न जिलों में 7 हजार 903 डिग्गियां और 98 हजार 753 पाइपलाइन इकाइयां स्थापित की गई हैं, जिन पर 400 करोड़ रुपये से अधिक का व्यय हुआ है। उन्होंने कहा कि रामजल सेतु लिंक परियोजना के तहत पार्वती, काली सिंध, इस्टर्न राजस्थान केनाल प्रोजेक्ट जैसी परियोजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है, जिनसे किसानों को खेती के लिए भरपूर पानी मिल सकेगा।

शर्मा ने कहा कि किसान को सही बीज, सही तकनीक और सही सलाह मिलने से ही कृषि में उत्पादकता बढ़ेगी। इस योजना के माध्यम से हर जिले में मिट्टी की जांच कर सॉयल हेल्थ कार्ड बनाकर किसानों को वैज्ञानिक सलाह दी जाएगी। प्रधानमंत्री की पहल से पंचायत और ब्लॉक स्तर पर गोदाम, कोल्ड स्टोरेज, साइलो और पैकिंग यूनिट बनाए जाएंगे।

नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन का एक वर्ष पूरा

सीएस पंत बोले दंड से न्याय की ओर बढ़े

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की आपराधिक न्याय प्रणाली में क्रान्तिकारी बदलाव लाने वाली तीन नवीन आपराधिक संहिताओं को लागू हुए एक वर्ष पूरा हो चुका है। 1 जुलाई 2024 से लागू हुए इन ऐतिहासिक कानूनों की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में केंद्र सरकार दंड के स्थान पर न्याय की अपनी अवधारणा को प्रदर्शित करने के लिए जयपुर में एक आयोजन करने जा रही है। नए आपराधिक कानूनों के एक वर्ष के सकारात्मक बदलाव के लिए जयपुर एग्जिबीशन एवं कन्वेंशन सेंटर (गएउउ), सीतापुरा में 13 से 18 अक्टूबर, 2025 तक एक भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण प्रदर्शनी का उद्घाटन 13 अक्टूबर, 2025 को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के कर कमलों द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार भजनलाल शर्मा और कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति, राजस्थान उच्च न्यायालय संजीव प्रकाश शर्मा सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। नये अपराधी कानून पर आयोजित होने जा रही प्रदर्शनी के शनिवार को पुलिस मुख्यालय के ऑडिटोरियम में मुख्य सचिव राजस्थान सरकार सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर ए सावंत और महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा की मौजूदगी में कर्टन रेजर कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य सचिव पंत ने इस मौके पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार नए आपराधिक कानून जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए की भावना को मजबूत करते हैं जो लोकतंत्र की नींव है। उन्होंने कहा कि बरसों बाद औपनिवेशिक कानूनों में व्यापक बदलाव हुए हैं, जिसने देश को दंड की पुरानी अवधारणा से हटाकर न्याय की ओर प्रवृत्त किया है।

भरतपुर रेलवे स्टेशन पर अमेरिकी पर्यटक की मौत

भरतपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर रेलवे स्टेशन पर 9 अक्टूबर को अमेरिकी पर्यटक डोरोथी ली की मौत के दो दिन बाद शनिवार को जीआरपी थाना पुलिस की निगरानी में पोस्टमॉर्टम किया गया। मृतका की बेटी नोरा ब्लू नोएल इस दौरान मौजूद रही। कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद शव बेटी को सौंप दिया गया, जिसे अब दिल्ली ले जाकर अमेरिका भेजा जाएगा। सीआईडी इंस्पेक्टर मोहन बंसल ने बताया कि चूंकि मृतका अमेरिकी नागरिक थीं, इसलिए अमेरिकी दूतावास से अनुमति मिलने के बाद ही मेडिकल बोर्ड की देखरेख में पोस्टमॉर्टम कराया गया। जांच प्रक्रिया के दौरान सभी आवश्यक कागजी कार्य पूरे किए गए, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। जीआरपी थाना अधिकारी हजारी लाल मीणा के अनुसार, 9 अक्टूबर को अमेरिकी नागरिक डोरोथी ली अपनी बेटी और टूर गाइड प्रशांत चौधरी के साथ भरतपुर रेलवे स्टेशन से रणथंभौर के लिए रवाना हो रही थीं। इस दौरान प्लेटफॉर्म पर अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। पहले उन्हें एक निजी अस्पताल और फिर आरबीएम हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

एसएमएस अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में डॉ. मनीष अग्रवाल के कार्यकाल से जुड़ा रिकॉर्ड जब्त

जयपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने आज जयपुर स्थित एसएमएस अस्पताल और एसएमएस मेडिकल कॉलेज में बड़ी कार्रवाई करते हुए डॉ. मनीष अग्रवाल, एचओडी (न्यूरो सर्जरी) एवं एडिशनल प्रिंसिपल के कार्यकाल से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए। डॉ. मनीष अग्रवाल को एक लाख रुपए रिश्वत लेने के आरोप में गत दिनों पकड़ा था। यह कार्रवाई डीजी एसीबी श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव के निर्देश पर, डीआईजी अनिल कयाल के सुपरविजन में तथा एएसपी संदीप सारस्वत के नेतृत्व में की गई। सूत्रों के अनुसार, एसीबी की टीम ने शनिवार सुबह एसएमएस मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के विभिन्न विभागों में सर्च ऑपरेशन शुरू किया, जो देर शाम तक जारी रहा। इस दौरान डॉ. मनीष अग्रवाल के

कार्यकाल के दौरान हुए सभी उपकरणों (इक्विपमेंट्स) की खरीद (प्रोक्योरमेंट), स्टोर से जारी किए गए इंडेंट्स, तथा उनके हस्ताक्षर से स्वीकृत भुगतानों से जुड़े दस्तावेजों की जांच की गई।एसीबी अधिकारियों ने संबंधित फाइलों और रिकॉर्ड्स की बारीकी से पड़ताल करते हुए महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए।

एसीबी सूत्रों के अनुसार, रिकॉर्ड की मात्रा अधिक होने के कारण कार्रवाई को दो चरणों में पूरा किया जा रहा है। शनिवार को हुई जब्ती के बाद शेष दस्तावेजों को सोमवार को जब्त किया जाएगा। एसएमएस अस्पताल प्रशासन ने जांच के लिए रिकॉर्ड की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु एडिशनल सुपरिंटेंडेंट डॉ. राजेश शर्मा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। वे एसीबी टीम के साथ समन्वय कर सभी संबंधित रिकॉर्ड उपलब्ध करवा रहे हैं। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई प्रारंभिक जांच का हिस्सा है। ब्यूरो ने डॉ. मनीष अग्रवाल के कार्यकाल के दौरान हुए वित्तीय लेन–देन, खरीद प्रक्रिया और स्वीकृत भुगतानों से संबंधित सभी पहलुओं की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

आईपीएस वाई पूरन कुमार सुसाइड मामले में एक्शन शुरू रोहतक एसपी तत्काल प्रभाव से हटाए गए

चंडीगढ़, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस के सीनियर आईपीएस अधिकारी, वाई पूरन कुमार के सुसाइड केस में नायब सिंह सैनी सरकार ने बड़ा एक्शन लेना शुरू कर दिया है। इस मामले में मुख्य आरोपियों में शामिल माने जा रहे रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारणियां को तत्काल प्रभाव से उनके पद से हटा दिया गया है। बिजारणियां 2015 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। यह मामला कुछ दिन पहले तब सामने आया, जब एडीजीपी रैंक के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। आत्महत्या से पहले उन्होंने हरियाणा पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शत्रुजीत कपूर, रोहतक एसपी नरेंद्र बिजारणियां समेत कई अन्य अफसरों पर जातिगत भेदभाव और मानसिक प्रताड़ना जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए, नायब सिंह सैनी सरकार ने शनिवार को तत्काल प्रभाव से कार्रवाई शुरू कर दी। गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुमिता मिश्रा द्वारा जारी आदेश के अनुसार, रोहतक के एसपी के पद से नरेंद्र बिजारणियां को हटा दिया गया है। उनकी जगह 2014 बैच के आईपीएस अधिकारी सुरेंद्र सिंह भोरिया को रोहतक का नया पुलिस अधीक्षक (एसपी) नियुक्त किया गया है।

सुरेंद्र सिंह भोरिया इससे पहले 5वीं बटालियन में कमांडेंट के पद पर कार्यरत थे। इस कार्रवाई को सरकार द्वारा मामले की गंभीरता को स्वीकार करने और जांच में पारदर्शिता लाने के पहले कदम के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, डीजीपी शत्रुजीत कपूर पर लगे आरोपों को लेकर अभी कोई बड़ी कार्रवाई सामने नहीं आई है। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी द्वारा आत्महत्या और शीर्ष अधिकारियों पर लगाए गए इस तरह के गंभीर आरोप हरियाणा पुलिस प्रशासन और कानून–व्यवस्था के भीतर चल रही समस्याओं की ओर इशारा करते हैं, जिस पर विपक्ष भी लगातार सरकार को घेरने की तैयारी में है।

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह पूरन कुमार के परिवार से मिले

चंडीगढ़, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह आज चंडीगढ़ में दिवंगत आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार सिंह के परिवार से मिले और गहरी संवेदना व्यक्त की। राव नरेंद्र सिंह ने कहाकि एक ईमानदार और निडर अधिकारी को मजबूर होकर आत्महत्या करनी पड़ी। यह पूरे सिस्टम की विफलता और दलित अधिकारियों के साथ हो रहे अन्याय की दर्दनाक मिसाल है। उन्होंने कहा कि यह मामला पूरे देश में चिंता का विषय है और न्यायप्रिय लोगों के मन में गहरा आक्रोश है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी से मुलाकात के बाद उन्हें व्यक्तिगत रूप से इस मामले की जांच करने और परिवार को यह भरोसा दिलाने के निर्देश दिए गए हैं कि कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी है और न्याय तक संघर्ष जारी रहेगा। राव नरेंद्र सिंह ने हरियाणा सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सरकार की चुप्पी और कार्रवाई न होना यह दिखाता है कि सत्ता अन्याय के साथ खड़ी है। अगर तुरंत निष्पक्ष जांच और कार्रवाई नहीं हुई, तो कांग्रेस पूरे प्रदेश में बड़ा आंदोलन खड़ा करेगी जो सरकार के काबू से बाहर होगा।

पूरन कुमार सुसाइड केस

दोषी कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, बख्शा नहीं जाएगा : सैनी

पंचकूला, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पंचकूला में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक हुई, जहां आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार के निधन पर शोक जताया गया। भाजपा के नेताओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार सुसाइड मामले पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि दोषी कितना भी प्रभावशाली व्यक्ति क्यों न हो, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि जैसे ही जापान में आईपीएस अधिकारी वाई पूरन सिंह के निधन की सूचना मिली, हमने उनकी पत्नी का ढांढस बंधाया और अधिकारियों को उनके साथ घर भेजा। सीएम सैनी ने कहा कि हमारी सरकार इस मामले की पूरी जांच कराएगी। अगर किसी व्यक्ति को कोई तंग करेगा तो हम उसे नहीं बख्सेंगे। विपक्ष को ऐसे मुद्दे पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। परिवार के साथ अन्याय हुआ है तो न्याय देने का काम हमारी सरकार करेगी।

वहीं, इस मामले में हरियाणा सरकार ने रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारणिया को

उनके पद से हटा दिया। अब उनकी जगह पर इस पद की जिम्मेदारी सुरेंद्र सिंह भौरिया को सौंपी गई है। हरियाणा सरकार के गृह विभाग ने यह जानकारी अधिसूचना जारी करके दी है। अधिकारी वाई पूरन कुमार की पत्नी अमनीत पी. कुमार ने अपनी शिकायत में हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारनिया पर आरोप लगाया था कि दोनों उनके पति का मानसिक उत्पीड़न कर रहे थे। इसी के चलते उनके पति ने आत्महत्या कर ली। अमनीत ने दोनों अधिकारियों पर एससी–एसटी एक्ट के तहत कार्रवाई की मांग की।

अमनीत ने कहा था कि उनके पति पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम करते थे। यह मेरे लिए बहुत ही दुर्भाग्य की बात है कि वे अपने घर में मृत पाए गए। इसे आत्महत्या का नाम दिया जा रहा है, लेकिन मेरी आत्मा कहती है कि यह लगातार उनके मानसिक उत्पीड़न का परिणाम है। उन्होंने कहा कि मेरे पति मुझे बताते थे कि उनके साथ जाति के आधार पर भेदभाव होता था। उनके वरिष्ठ अधिकारी लगातार उनका मानसिक शोषण करते थे। उन्होंने यह भी कहा था कि मेरे खिलाफ साजिश हो रही है और मुझे फंसाने की कोशिश की जा रही है और यह सब डीजीपी के इशारे पर हो रहा है।

एक देश टैरिफ लगाएगा तो हम 10 नए देशों में रास्ते खोलेंगे: योगी

भदोही में 49वें अंतरराष्ट्रीय कालीन मेला और चौथे कारपेट एक्सपो का शुभारंभ

भदोही, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को भदोही में 49वें अंतरराष्ट्रीय कालीन मेला और चौथे कारपेट एक्सपो का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने देश-विदेश से आए कालीन उद्यमियों और निर्यातकों के साथ संवाद करते हुए उन्हें भरोसा दिलाया कि प्रदेश सरकार हर स्थिति में उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ से घबराने की जरूरत नहीं है, बल्कि यह हमारे लिए नए अवसरों के द्वार खोलने का समय है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब भी चुनौतियां आती हैं, वे अपने साथ अवसर भी लाती हैं। अमेरिका ने टैरिफ लगाया है, लेकिन यह केवल एक देश का निर्णय है। हम यूएई, यूके और अन्य देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। आने वाले समय में ये समझौते हमारे उद्योगों के लिए नए बाजार खोलेंगे। उन्होंने बताया कि सरकार ने इस विषय पर हाई लेवल कमेटी का गठन किया है

जो टैरिफ से उत्पन्न स्थिति पर लगातार काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 11 वर्ष पहले कार्पेट उद्योग बंदी के कगार पर था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भदोही, मिर्जापुर और वाराणसी के कार्पेट क्लस्टर को नई ऊर्जा मिली।

भदोही को केंद्र बनाकर कार्पेट एक्सपो मार्ट की स्थापना की गई। जब पहला एक्सपो हुआ था, तब विदेशी खरीदारों की संख्या बहुत कम थी, लेकिन आज 88 देशों से तीन से चार सौ फॉरेन बायर्स यहां आ रहे हैं। यह बताता है कि ग्लोबल मार्केट में आपके कालीनों की मांग कितनी बढ़ी है। योगी आदित्यनाथ ने अपने उद्बोधन में कहा कि यूपी सरकार ने कारपेट सेक्टर सहित एमएसएमई और ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रॉडक्ट) योजना के तहत प्रत्येक जिले में विशिष्ट उद्योगों को प्रोत्साहित किया है। भदोही के कालीन, मुरादाबाद के पीतल, फिरोजाबाद के ग्लास और वाराणसी के सिल्क को नई पहचान मिली है। 2017 में जब हमने ओडीओपी योजना शुरू की थी, तब किसी ने नहीं सोचा था कि यूपी दो लाख करोड़ से अधिक का निर्यात करेगा, यह अब वास्तविकता बन चुकी है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि कारपेट उद्योग केवल व्यापार नहीं है, यह हमारे कारीगरों और हस्तशिल्पियों की जीवंत परंपरा है। आज यह उद्योग 25 से 30 लाख लोगों को रोजगार देता है और हर साल करीब 17 हजार करोड़ रुपए का निर्यात करता है।

महिला स्वावलंबन का यह सबसे बड़ा माध्यम बन चुका है। सरकार का प्रयास है कि इस उद्योग को और अधिक महिलाओं से जोड़ा जाए ताकि वे घर पर रहकर आर्थिक रूप से मजबूत बन सकें। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि भदोही को छोटा मत समझिए, यह प्रदेश और देश की आर्थिक ताकत का प्रतीक है। 2014 से पहले यह उद्योग लगभग मृतप्राय हो चुका था, लेकिन आज यह यूपी की पहचान बन चुका है। उन्होंने कहा कि दीपावली के अवसर पर प्रदेश के सभी 75 जिलों में स्वदेशी मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें भदोही की कालीनों के विशेष स्टॉल लगाए गए हैं।

रवि पाटेरिया ने कहा कि कालीन उद्योग हाथों का जादू है। हमने विश्व का सबसे बड़ा कालीन बनाकर कजाकिस्तान भेजा है। इस कला को विशेष दर्जा मिलना चाहिए। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विचार समिति के गठन पर सरकार विचार कर रही है, ताकि उद्यमियों के सुझावों को नीतिगत निर्णयों में शामिल किया जा सके। हाजी हमीद ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपकी प्रतिबद्धता ने कालीन उद्योग को नया जीवन दिया है। भदोही और प्रदेश दोनों को इस उद्योग के माध्यम से वन ट्रिलियन इकॉनमी में सहभागी बनाया जा सकता है।

अनिल सिंह ने मिर्जापुर-विंध्य कॉरिडोर के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि आसपास के क्षेत्रों को भी एनसीआर की तरह विकसित किया जाए, जिस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भदोही, वाराणसी और मिर्जापुर को जोड़कर विकास क्षेत्र के रूप में तैयार करने की दिशा में कार्य चल रहा है।

आदर्श पूर्णिमा, जो चार दशकों से इस उद्योग से जुड़ी हैं, ने कहा कि अध्यात्म और राजनीति का संगम हो तो सफलता निश्चित है। वहीं निर्यातक आलोक बरनवाल ने बुनकरों की कमी और श्रमिकों के पलायन की समस्या उठाई, जिस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हम उद्योग को महिलाओं और स्थानीय श्रमिकों से जोड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में काम कर रहे हैं।

इस अवसर पर सांसद डॉ विनोद बिंद, विधायकगण दीनानाथ भास्कर, विपुल दुबे, जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, विकास आयुक्त हस्तशिल्प भारत सरकार अमृत राज, सीपीसी के चेयरमैन कुलदीप, पद्मश्री डॉ रजनीकांत, भदोही कारपेट उद्योग से जुड़े पदाधिकारीगण, स्टेक होल्डर्स सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद थे।

बरेली बवाल : साजिश में शामिल पाए गए मौलाना तौकीर के करीबी

सभी 10 मुकदमों में बढ़े कई नाम

बरेली, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली बवाल के मामले में पुलिस की जांच जारी है। बवाल से संबंधित दर्ज मुकदमों में सात और आरोपियों के नाम बढ़ाए गए हैं। इन सभी पर साजिश रचने का आरोप लगा है। बरेली में 26 सितंबर को हुए बवाल से संबंधित सभी 10 मुकदमों में डॉ. नफीस, नदीम, मुनीर इदरीशी, पार्षद अनीस, हिस्ट्रीशीटर नायाब उर्फ मुन्ना, अफजाल बेग, मौलाना तौकीर रजा को शरण देने वाले फरहत का नाम बतौर साजिशकर्ता शामिल किया गया है। इनको षड्यंत्र रचने की धारा 61 का भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस के मुताबिक, शहर को दंगे की आग में झोंकने के लिए मौलाना तौकीर के साथ मिलकर इन सबने साजिश रची थी। मौलाना का नाम पहले ही सभी 10 मुकदमों में साजिशकर्ता के तौर पर शामिल किया जा चुका है।

आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर के बुलावे पर जुटी भीड़ ने 26 सितंबर को पुलिस टीम पर पथराव व फायरिंग की थी। मौके से पेट्रोल से भरी बोतलें, तमंचे बरामद हुए थे। इस घटनाक्रम में 10 मुकदमे दर्ज हुए थे। कोतवाली में दर्ज पहले मुकदमे में मौलाना तौकीर को साजिशकर्ता बनाया गया है। अन्य नौ मामलों में भी मौलाना का नाम साजिशकर्ता के रूप में शामिल किया गया है। इस प्रकरण में चक महमूद निवासी फेजल नबी, मोबीन कुरैशी, साजिद सकलैनी, कोतवाली किशोर बाजार निवासी सुभान उर्फ चूरन, डॉ. नफीस का दूसरा बेटा फरहान रजा खां व किला का मोईन खां का नाम सामने आया है। पुलिस ने मुकदमे में इनके नाम खोले हैं। अब इनकी गिरफ्तारी की जाएगी।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि जेल गए आरोपियों का नाम सभी 10 मुकदमों में बतौर साजिशकर्ता शामिल किया गया है। बवाल के कुछ अन्य आरोपियों के नाम प्रकाश में आए हैं। उनकी गिरफ्तारी की जाएगी। शहर में 26 सितंबर को हुए बवाल की हकीकत धीरे-धीरे उजागर हो रही है। शुक्रवार को एक सीसी फुटेज सामने आया। वीडियो में उपद्रवियों की भीड़ आकाश होटल के पास डीएवी कॉलेज रोड पर पुलिस पर हमला करते हुए बैरिकेडिंग को जबरन हटा रही है। दूसरी तरफ खड़ी पुलिस टीम लोगों से घर लौटने की अपील कर रही है। इस बीच भीड़ में मौजूद अराजक तत्व हाथों में पोस्टर लेकर भड़काऊ नारेबाजी करते दिख रहे हैं।

संभल में अवैध कब्जों पर फिर होगी बुलडोजर कार्रवाई

80 अवैध मकानों पर प्रशासन ने लगाए लाल निशान

संभल, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। संभल के रायसत्ती थाना क्षेत्र के हातिम सराय में तालाब की जमीन पर बने बताए जा रहे 80 मकानों को अवैध घोषित करने की कार्रवाई पर विवाद खड़ा हो गया है। सरायतरीन निवासी ने दावा किया कि यह जमीन उनकी दादी की आठ बीघा पुश्तैनी निजी सम्पत्ति थी। जिसे 2009 के बाद लोगों को बेचा गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन ने तहसील रिकॉर्ड जांचे बिना कार्रवाई शुरू कर दी।

रायसत्ती थाना क्षेत्र के मोहल्ला हातिम सराय में जिन 80 मकानों तालाब की जमीन पर बने होने की बात कहकर अवैध घोषित किया गया है, उसमें प्रशासनिक कार्रवाई में चूक होने का दावा किया गया है। सरायतरीन निवासी पूर्वी वार्ष्णेय ने दावा किया है कि जिस जमीन पर मकान बने हैं वह उनकी आठ बीघा पुश्तैनी जमीन थी। उनकी दादी हातिम सराय निवासी राम सुनीति देवी ने लोगों को बेची थी। आरोप है कि प्रशासन ने तहसील के रिकॉर्ड चेक नहीं किए और कार्रवाई शुरू कर दी। जबकि यह जमीन निजी है इसका भी आदेश राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है। हालांकि प्रशासन की लाल निशान वाली कार्रवाई के बाद लोगों में चिंता है।

तहसीलदार धीरेंद्र सिंह ने कहा कि सरकारी आठ बीघा तालाब को पाटकर अवैध तरीके से 80 मकानों का निर्माण किया गया है। इसके लिए नोटिस जारी कर अवैध निर्माण हटाने के लिए 15 दिन का समय भी दिया था। इसी क्रम में बुधवार को 40 मकानों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के लिए लाल निशान लगा दिए गए। जिन लोगों के मकानों पर लाल निशान लगाए गए वह चिंतित हैं। इसी कार्रवाई के दौरान पूर्वी वार्ष्णेय का दावा सामने आया है। पूर्वी वार्ष्णेय ने बताया कि उनकी दादी के नाम 12 बीघा जमीन थी। जो 2009 के बाद लोगों को बेची गई थी। वर्षों तक इस जमीन में खेती होती रही और कुछ हिस्से को लोगों ने मिट्टी की खोदाई से तालाबनुमा बना दिया था।

जब जमीन बेची गई तो वह तालाब भी पाट दिया गया लेकिन निजी सम्पत्ति में ही तालाब था। प्रशासन ने जो कार्रवाई की है उसके रिकॉर्ड को चेक नहीं किया गया। तहसील में इस जमीन का पूरा रिकॉर्ड दर्ज है। जिन लोगों के मकान हैं उन्होंने बैनामा कराया है। प्रशासन की टीम द्वारा लाल निशान लगाने की कार्रवाई की गई तो लोगों की चिंता बढ़ गई। कई परिवार हाईकोर्ट चले गए हैं। याचिका दायर कर दी गई है। बताया गया है कि सोमवार तो सुनवाई की जा सकती है। हाईकोर्ट में बैनामे की कॉपी लेकर यह परिवार पहुंचे हैं। मकान स्वामियों का कहना है कि जो कागज हैं उनको यहां कोई देखने को तैयार नहीं है। इसलिए हाईकोर्ट में पेश किया जाएगा। वहीं से अब मकान बचाने की आस बची है।

हातिम सराय के 80 मकानों में रह रहे लोगों का सवाल है कि सोमवार को नोटिस जारी किया था कि अपना पक्ष रखें और दो दिन बाद लाल निशान लगाने की कार्रवाई को शुरू कर दी गई। प्रशासन ने जांच पड़ताल नहीं की और जो टीम मौके पर आई उन्होंने बैनामे के दस्तावेज तक नहीं देखे। इब्राहिम ने बताया कि उन्होंने पूरी जिंदगी की कमाई लगाकर 10 साल पहले मकान बनाया है। प्रशासन की टीम ने लाल निशान लगा दिया। जबकि हमने तो जमीन खरीदी है। कब्जा करते तो बैनामा कहां से हो जाता। इसी तरह अन्य लोग भी सवाल उठा रहे हैं।

हातिम सराय में स्थित इस जमीन का गाटा संख्या 84, 85 और 86 अंकित है। इस जमीन को लेकर एडीएम हरज्ञान सिंह पुंडीर की कोर्ट ने 14 सितंबर 2009 को राम सुनीति देवी की निजी सम्पत्ति होने का हवाला देते हुए पीपी एक्ट के तहत जारी किए गए 35 नोटिस वापस करने का आदेश किया था।

सपा लोकतंत्र विरोधी, अब आपातकाल वालों के साथ: ब्रजेश पाठक

सपा शासनकाल दलितों के अपमान व भ्रष्टाचार का प्रतीकः निर्मल

जेपी के नाम पर सपा नेता की मौज-मस्ती का प्रोजेक्ट थाः अरुण

लखनऊ, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी और उसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सपा हमेशा से लोकतंत्र के विरोध में रही है। आज वही पार्टी कांग्रेस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सत्ता पाने की साजिश कर रही है, यह वही कांग्रेस है जिसने देश पर आपातकाल थोपकर लोकतंत्र को कुचला था। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव जिस कांग्रेस के साथ मंच साझा कर रहे हैं, उसी कांग्रेस ने जयप्रकाश नारायण जैसे लोकतंत्र के प्रहरी को जेल में डाला था। एक तरफ आप जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हैं, दूसरी तरफ उन्हीं को जेल भेजने वालों से गठबंधन करते हैं, यह राजनीतिक पाखंड है।

ब्रजेश पाठक ने कहा कि सपा को लोकतंत्र या संविधान से कोई लेना-देना नहीं, उनका मकसद केवल सुर्खियां बटोरना और सत्ता की कुर्सी पर बैठना है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की राजनीति परिवारवाद और स्वार्थवाद पर आधारित है, जबकि भारतीय जनता पार्टी सर्व समाज की पार्टी है, जो बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान के अनुरूप काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जयप्रकाश नारायण की जयंती भाजपा पूरे देश और दुनिया में मना रही है, क्योंकि इमरजेंसी के दौरान सबसे अधिक जनसंघ और आरएसएस के कार्यकर्ता जेलों में बंद किए गए थे। वहीं कई समाजवादी भी जेल भेजे गए थे, लेकिन सपा आज उनका त्याग भुलाकर कांग्रेस के साथ मिलकर सत्ता की सौदेबाजी कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जनता सब जानती है। सपा अब लोकतंत्र की नहीं, केवल सत्ता की पार्टी बन चुकी है। भाजपा जनता की सेवा और संविधान की रक्षा के लिए काम करती रहेगी।

प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने भी समाजवादी पार्टी पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि जेपी के नाम पर फाइव स्टार प्रोजेक्ट समाजवाद नहीं, अमीरों की मौज-मस्ती थी। खुद को समाजवादी कहने वाले अखिलेश यादव ने जयप्रकाश नारायण के नाम पर जो परियोजना बनाई थी, वह समाजवाद नहीं बल्कि विलासिता और दिखावे का प्रतीक थी। मंत्री ने कहा कि जयप्रकाश नारायण ने हमेशा सादगी और गरीबों के कल्याण का संदेश दिया, जबकि अखिलेश सरकार ने उनके नाम पर फाइव स्टार सुविधाओं वाला प्रोजेक्ट खड़ा करने की योजना बनाई थी।

असीम अरुण ने कहा कि यह बड़े अचरज की बात है जयप्रकाश नारायण जी के नाम पर लखनऊ में एक फाइव स्टार व्यवस्था बनाई जा रही थी। अखिलेश यादव जी द्वारा इस फाइव स्टार व्यवस्था में बिल्डिंग के ऊपर एक हेलीकॉप्टर उतरने की जगह बनाई गई थी। ऊंचे तल पर स्विमिंग पूल बनाया गया था। फाइव स्टार कमरे बनाए गए। इसको समाजवादी उद्देश्य की पूर्ति के लिए कहा जाए तो इससे ज्यादा हंसी की बात और क्या होगी। साथ ही साथ भ्रष्टाचार का इसमें जो आलम रहा वो तो और अनूठा था। एक समिति बनाई गई जिसे पहले 200 करोड रुपए दिए गए और बाद कुल 867 करोड रुपए प्रदान कर दिए गए। फिर भी वह प्रोजेक्ट पूरा नहीं हो पाया। अब इस पूरे प्रोजेक्ट की जांच चल रही है और सीएजी ने भी इस पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। योगी सरकार इस प्रोजेक्ट को वापस ला रही है, लेकिन ध्यान रखा जा रहा है कि यह अमीर लोगों की मौज मस्ती का क्लब ना बने, बल्कि जयप्रकाश नारायण जी की स्मृति के लिए और उन्हें नमन करने के लिए इसका उपयोग किया जाए। जयप्रकाश नारायण जी की जो सीख है, उन्होंने गरीब कल्याण के लिए जो कहा था हमें उसके लिए काम करना है, इसलिए इसे एलडीए को हैंडओवर किया गया है ताकि व्यवस्थित तरीके से इस प्रोजेक्ट को पूरा किया जा सके।

असीम अरुण ने अखिलेश और कांग्रेस के बीच गलबहियों पर भी करारा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जिस कांग्रेस के खिलाफ अत्याचार और भ्रष्टाचार के खिलाफ जयप्रकाश नारायण जी ने पूरा अपना जीवन समर्पित किया, देश को राह दिखाई, आज अखिलेश यादव उसी कांग्रेस के साथ और उसके नेता राहुल गांधी के साथ गलबहिया करते हैं। समाजवादी का उनका यह नाटक अब लोग समझ चुके हैं। समाजवाद में ऐसा कौन सा काम है, जिसके लिए फाइव स्टार स्विमिंग पूल, हेलीपैड बिल्डिंग के ऊपर चाहिए हो। अगर समाजवादी कुछ काम करना है तो भारतीय जनता पार्टी से सीखना चाहिए। 80 करोड लोगों की थाली में भोजन देना हो, लोगों को आवास देना हो या गांव का भला करना हो, यह असली समाजवाद है जो भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री मोदी जी के सबका साथ सबका विकास के मंत्र के साथ कर रही है। केवल अपने अमीर दोस्तों को फायदा पहुंचाना समाजवाद नहीं है।

उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति वित्त और विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष और एमएलसी डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने कहा, अखिलेश यादव ने अपने शासनकाल में दलितों का अपमान किया, जेपी के नाम पर भी भ्रष्टाचार किया और परिवारवाद का गंदा बीज बोया। उन्होंने कहा कि जिस समय पूरे देश में मान्यवर कांशीराम जी के नाम से बने संस्थानों को सम्मान दिया जा रहा था, उसी समय अखिलेश यादव ने उनके नाम को मिटाने का काम किया। डॉ. निर्मल ने कहा कि लखनऊ का उर्दू-अरबी-फारसी विश्वविद्यालय, जो मान्यवर कांशीराम जी के नाम से था, उससे नाम हटाया गया। यही नहीं, कांशीराम जी के नाम से चलने वाली सभी सरकारी योजनाओं के नाम भी बदल दिए गए। यह कृत्य दलितों के सम्मान पर गहरी चोट थी। उन्होंने कहा कि बहन मायावती जी की रैली ने समाजवादी पार्टी के असली चरित्र का पर्दाफाश कर दिया है जो दलित विरोधी और महापुरुषों के प्रति अपमानजनक रवैया रखने वाली पार्टी है।

सपा सरकार के दौरान भ्रष्टाचार के प्रतीक बने जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि इस परियोजना की शुरुआत 200 करोड़ की लागत से हुई थी, लेकिन 2017 तक इसकी लागत बढ़कर 867 करोड़ हो गई और फिर भी परियोजना अधूरी रही। ठेकेदारों और अधिकारियों की मिलीभगत से यह केंद्र कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया। उन्होंने बताया कि योगी आदित्यनाथ सरकार ने आते ही जेपीएनआईसी समिति को भंग कर यह परियोजना एलडीए के सुपुर्द की, ताकि इसे पारदर्शी तरीके से पूरा किया जा सके। सरकार ने 882.74 करोड़ की धनराशि ऋण के रूप में स्थानांतरित कर दी है, जिसे 30 वर्षों में लौटाया जाएगा। अब इस परियोजना के अंतर्गत आधुनिक ऑडिटोरियम, कन्वेंशन सेंटर, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, मल्टीपरपज कोर्ट और मल्टीलेवल पार्किंग (750 वाहनों की क्षमता) का निर्माण कराया जा रहा है। इसे अब इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान की तर्ज पर लर्निंग सेंटर के रूप में जनता के लिए खोला जाएगा, न कि अखिलेश यादव के शासनकाल में लूट के केंद्र के रूप में।

डॉ. निर्मल ने कहा कि अखिलेश यादव जिस कांग्रेस के साथ आज गलबहियां कर रहे हैं, उसी कांग्रेस ने देश में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान किया था। यह वही कांग्रेस है जिसने बाबा साहब को भारत रत्न देने में देरी की, उनके नाम पर कोई प्रतिमा नहीं लगवाई और प्रमोशन में आरक्षण के बिल को संसद में फाड़ दिया। उन्होंने कहा कि अब अखिलेश यादव संविधान की किताब लेकर घूम रहे हैं ताकि अपने पापों को छुपा सकें, लेकिन जनता सब जान चुकी है। उन्होंने बताया कि समाजवादी पार्टी ने न सिर्फ दलितों के आरक्षण का विरोध किया, बल्कि लाखों दलित कर्मचारियों का रिवर्जन कर दिया, उनकी जमीनों पर अवैध कब्जे कराए और उत्पीड़न किया। 2012 से 2017 के बीच डॉ. अंबेडकर स्मारक में रातभर अंधेरा रहता था, लाइटें बंद थीं, पत्थर टूटे पड़े थे, पीतल की पट्टिकाएं उखाड़ी गई थीं। सपा ने स्मारकों को नष्ट करने का काम किया। इसके विपरीत, योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ी ईमानदारी से बाबा साहब अंबेडकर की धरोहरों का संरक्षण और सौंदर्यीकरण किया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे में संगकारा का रिकार्ड तोड़ सकते हैं विराट

नयी दिल्ली,11 अक्टूबर (एजेंसियां) । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के पास ऑस्ट्रेलिया दौरे में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम करने का अवसर है। इस दौरे में विराट अगर 54 रन बना लेते हैं तो वह एकदिवसीय में सबसे अधिक रनों के मामले में दूसरे नंबर पर चल रहे पूर्व श्रीलंकाई बल्लेबाज कुमार संगकारा का रिकॉर्ड तोड़ देंगे और इसके साथ ही शीर्ष पर कायम सचिन तेंदुलकर के रिकार्ड के भी करीब पहुंच जाएंगे। एकदिवसीय में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर संगकारा हैं। संगकारा ने 404 एकदिवसीय मैचों में 41.99 की औसत से 14234 रन बनाए हैं। वहीं विराट के 302 मैचों में 14181 रन हैं। इस प्रकार विराट और संगकारा के बीच महज 54 रनों का अंतर रह गया है। विराट एकदिवसीय में सबसे अधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने इस प्रारुप में अब तक उन्होंने कुल 50 शतक लगाये है वहीं सचिन के नाम 49 शतक हैं। हालांकि, रनों के मामले में फिलहाल वह सचिन से पीछे हैं। सचिन ने 463 मैचम में 18426 रन बनाये हैं। इस प्रकार दोनो के बीच का अंतर चार हजार से भी अधिक है।

कोहली का ऑस्ट्रेलिया में काफी अच्छा रिकार्ड रहा है। साल 2009 से लेकर 2025 तक उन्होंने ऑस्ट्रेलिय के खिलाफ कुल 50 एकदिवसीय मैच खेलते हुए 54.46 की औसत और 93.69 की स्ट्राइक रेट से 2451 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 8 शतक और 15 अर्धशतक लगाये हैं।

रोहित को कप्तानी से हटाया जाना बदलाव की प्रकिया : गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाया जाना एक सामान्य प्रकिया है जिससे बेवजह मुद्दा बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ये सभी के साथ होता है पहले मेरे साथ हुआ, फिर द्रविड़ के साथ हुआ और अब रोहित के साथ हुआ है। आगे भी ये होता रहेगा। गांगुली के अनुसार इसे हटाया जाना नहीं माना जाना चाहिये है। उन्होंने कहा कि रोहित एक अच्छे नेतृत्वकर्ता रहे हैं। उनकी कप्तानी में टीम ने टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीती है। रोहित को कप्तानी न देना प्रदर्शन से जुड़ा नहीं है। ये बढ़ती उम्र का मामला है। अगले विश्वकप 2027 में वह 40 वर्ष के होगों। खेल में ये एक बड़ा नंबर है। अभी नये कप्तान बने शुभमन गिल भी भविष्य में इसी का सामना करेंगे। शुभमन को कप्तानी दिया जाना सही उन्होंने कहा कि शुभमन को टेस्ट के बाद एकदिवसीय में भी कप्तानी दिये जाने का फैसला सही है। उन्होंने इंग्लैंड में कप्तान के तौर पर अपने को साबित किया है। इसलिए भविष्य को देखते हुए एक युवा कप्तान को तैयार करना सही रणनीति है। इस दौरान टीम में उन्हें रोहित के अनुभवों का भी लाभ मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

बनारस के गौरव मौर्या आईटीबीपी ने जीता स्वर्ण पदक, पुलिस गेम्स में शानदार प्रदर्शन

वाराणसी। जूडो क्लस्टर गेम में वाराणसी के गौरव मौर्या ने शहर का मान बढ़ाया है। जम्मू एवं कश्मीर पुलिस की ओर से आयोजित 10वीं अखिल भारतीय पुलिस गेम्स (जूडो क्लस्टर) में गौरव मौर्या (आईटीबीपी) ने कराटे स्पर्धा के कुमिते 60 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर बड़ी उपलब्धि हासिल की । गौरव ने क्वार्टर फाइनल में उत्तराखंड पुलिस को 5–7 से, सेमीफाइनल में असम राइफल्स को 6–7 से, और फाइनल में सीआरपीएफ के खिलाड़ी को 6–8 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता की तैयारी के लिए गौरव ने ओडिशा में आयोजित नेशनल कैंप में दिन–रात कठिन अभ्यास किया। गौरव ने बताया कि इस सफलता के पीछे उनके परिवार, कोच और टीम के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान है। बता दें ,गौरव की जीत से भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) बल और वाराणसी का नाम पूरे प्रदेश में गर्व से ऊँचा हुआ है।

मेसी की गैरमौजूदगी में भी अर्जेंटीना की आसान जीत, वेनेज़ुएला को 1-0 से हराया

मियामी। लियोनेल मेसी की अनुपस्थिति के बावजूद अर्जेंटीना ने मियामी में खेले गए एक अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में वेनेज़ुएला को 1–0 से पराजित किया। विश्व चैंपियन अर्जेंटीना के लिए मैच का एकमात्र गोल 31वें मिनट में जियोवानी लो सेल्सो ने किया। यह गोल शानदार टीम संयोजन का नतीजा था, जिसमें जूलियन अल्वारेज़ और लाउटारो मार्टिनेज की बेहतरीन साझेदारी शामिल रही। लो सेल्सो ने वेनेज़ुएला के गोलकीपर जोसे कॉन्ट्रेरास को सटीक लेफ्ट–फुट शॉट से मात दी। मैच हार्ड रॉक स्टेडियम में खेला गया, जहां 65,000 की क्षमता वाले स्टेडियम में मात्र 15,000 दर्शक मौजूद थे। इंटर मियामी के स्टार मेसी दर्शकदीर्घा से यह मुकाबला देखते नजर आए। अर्जेंटीना की ओर से अल्वारेज़ और मार्टिनेज ने लगातार आक्रामक खेल दिखाया, जबकि फुलबैक नाहुएल मोलिना ने भी प्रभावित किया। यह मुकाबला अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के दौरान फ्लोरिडा में अर्जेंटीना के दो अभ्यास मैचों में से पहला था। विश्व चैंपियन टीम अब अगला मैच मंगलवार को फोर्ट लॉडरडेल में प्यूर्टो रिको के खिलाफ खेलेगी। यह मैच मूल रूप से शिकागो के सोल्जर फील्ड में होना था, लेकिन अमेरिका में प्रवासियों पर सरकारी कार्रवाई के बीच इसे स्थानांतरित कर दिया गया।

नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिपः हिमांशु जाखड़ ने नीरज चोपड़ा का रिकॉर्ड तोड़ा

भुवनेश्वर। एशियाई अंडर–18 चैंपियन हिमांशु जाखड़ ने कलिंगा स्टेडियम में चल रही नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का 11 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस शानदार प्रदर्शन के साथ हिमांशु ने 2026 वर्ल्ड अंडर–20 चैंपियनशिप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। सऊदी अरब में अप्रैल में हुई एशियाई चैंपियनशिप में 67.57 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण पदक जीतने वाले हिमांशु ने इस बार जबरदस्त सुधार दिखाते हुए पुरुष अंडर–18 क्वालिफिकेशन राउंड में 79.96 मीटर का थ्रो दर्ज किया। यह न केवल वर्ल्ड अंडर–20 क्वालिफिकेशन मार्क (68.50 मीटर) से कहीं बेहतर था, बल्कि नीरज चोपड़ा के 2014 में विजयवाड़ा में बनाए गए 76.50 मीटर के रिकॉर्ड से भी तीन मीटर अधिक रहा। इसी प्रतियोगिता में मोहित चौधरी ने अंडर–20 पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में 14:09.71 सेकंड का समय लेकर नया रिकॉर्ड बनाया। वहीं ऐलिस विकल ने अंडर–16 लड़कियों की शॉट पुट क्वालिफिकेशन में 13.26 मीटर का थ्रो कर अलका सिंह के राष्ट्रीय रिकॉर्ड (13.10 मीटर) को पीछे छोड़ दिया।

कप्तान गिल ने विराट के रिकॉर्ड की बराबरी की सचिन को छोड़ा पीछे, टेस्ट में जलवा कायम

नयी दिल्ली,11 अक्टूबर (एजेंसियां) । शुभमन गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना 10वाँ टेस्ट शतक जड़कर कई बड़े रिकॉर्ड तोड़े, जिसमें WTC इतिहास में भारत के लिए सर्वाधिक शतक (10) का कीर्तिमान भी शामिल है। उन्होंने रोहित शर्मा के नौ शतकों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए दिल्ली में यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, जो टेस्ट क्रिकेट में उनकी कप्तानी और शानदार फॉर्म को दर्शाता है।भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने आज नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रहे दूसरे टेस्ट मैच में अपना 10वाँ टेस्ट शतक जड़ा। टेस्ट क्रिकेट में कप्तान बनने के बाद से ही वह लगातार रन बना रहे हैं। उनका नवीनतम शतक रिकॉर्ड तोड़ साबित हुआ क्योंकि गिल ने टेस्ट कप्तान के रूप में कई उपलब्धियाँ हासिल कीं और साथ ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) के इतिहास में भारत के लिए एक नया रिकॉर्ड भी बनाया। 26 वर्षीय यह खिलाड़ी अब विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) के इतिहास में भारत के लिए सबसे ज़्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। दिल्ली में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ़ उनका शतक 10वाँ शतक बन गया, जिससे उन्होंने इस साल की शुरुआत में संन्यास लेने वाले रोहित शर्मा के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में नौ शतकों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस बीच, शुभमन गिल ने एक साल में कप्तान के तौर पर सबसे ज़्यादा शतक लगाकर भारत के लिए विराट कोहली के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। अब वह 2025 में पाँच शतक लगाएँ, जबकि कोहली ने अपने करियर में यह अद्भुत उपलब्धि दो बार हासिल की है। उन्होंने 2017 और 2018 में टेस्ट कप्तान के तौर पर पाँच–पाँच शतक लगाए और 2016 में भी चार शतक बनाए। कोहली 2016 से 2018 तक अपने बेहतरीन बल्लेबाज़ी फॉर्म में थे।गिल की बात करें तो उन्होंने इस मामले में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 1997 में भारत के टेस्ट कप्तान रहते हुए

चार शतक लगाए थे। इस मामले में रिकी पोंटिंग सबसे ऊपर हैं, जिन्होंने 2006 में सात शतक लगाए थे। शुभमन गिल ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 10वें शतक के साथ कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। 26 वर्षीय इस खिलाड़ी ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में कप्तान के रूप में अपना पाँचवाँ शतक जड़ा और पाकिस्तान के बाबर आज़म को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने देश की कप्तानी करते हुए चार शतक बनाए थे। कुल मिलाकर, इंग्लैंड के कप्तान के रूप में 100 से अधिक के आठ स्कोर के साथ जो रूट इस सूची में शीर्ष पर हैं।

वैगनर जैसे गेंदबाज हैं सिराज : विलियमसन

मुम्बई। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की जमकर प्रशंसा की है। विलियमसन ने कहा कि जिस प्रतिबद्धता और जुनून से वह खेलते हैं। वह उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। टीम को जब भी उनकी जरुरत हुई उन्होंने उसके अनुरुप काम किया। इसी को देखते हुए विलियमसन ने सिराज की तुलना न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज नील वैगनर से की। वैगनर को टेस्ट में लंबे स्पैल के लिए जाना जाता था। वह अक्सर प्रतिद्वंद्वी टीम के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा लेते थे। विलियमसन ने कहा, ''न्यूजीलैंड में हमारे पास नील वैगनर जैसा ही एक खिलाड़ी था, जो हमेशा चुनौती स्वीकार करता था और कभी पीछे नहीं हटता था। सिराज उसी जज्बे को दर्शाते हैं।'' जसप्रीत विलियमसन ने कहा, ''मैं उन्हें उनके करियर के शुरुआती दौर से ही जानता हूं। मैंने उन्हें आईपीएल में सनराइजर्स के लिए खेलते हुए देखा था।'' उन्होंने कहा, ''जो चीज उन्हें सबसे अलग बनाती है, वह है टीम को पहले रखने की उनकी प्रतिबद्धता और वह जज्बा जिससे वह हर बार गेंदबाजी करना चाहते हैं। वह हमेशा लंबे स्पैल डालकर मैच का रुख बदलना चाहते है। उनका यह रवैया टीम में भी असर करता है और यह उनके मजबूत नेतृत्व गुणों को दर्शाता है।

संन्यास की घोषणा के बाद जोर्डी आल्बा ने कहा- मेरे लिए अब पीछे हटना ही सही है

फोर्ट लॉडरडेल,11 अक्टूबर (एजेंसियां) । स्पेन और बार्सिलोना के दिग्गज डिफेंडर जोर्डी आल्बा ने फुटबॉल को अलविदा कहने का फैसला ले लिया है। इंटर मियामी के लिए खेल रहे आल्बा ने कहा कि उन्होंने दो साल और खेलने का सोचा था, लेकिन अंततः उन्होंने संन्यास लेना ही सही समझा।

आल्बा ने स्पेनिश में इंटर मियामी के ट्रेनिंग बेस पर पत्रकारों से कहा, मुझे लगता है कि यह सबसे सही फैसला है, शारीरिक रूप से मैं अभी भी अच्छा महसूस करता हूं, लेकिन ईमानदारी और निष्पक्षता इसी में है कि अब पीछे हट जाऊं। यह मेरा निजी फैसला है और मुझे पूरा विश्वास है कि यह सही है।

आल्बा इस सीज़न के अंत तक मेजर लीग सॉकर में इंटर मियामी के लिए खेलेंगे और फिर शानदार करियर को अलविदा कह देंगे। वह स्पेन की ओर से तीन फीफा विश्व कप (2014, 2018, 2022) में खेले और बार्सिलोना को छह ला लिगा खिताब, पांच कोपा डेल रे ट्रॉफियां और 2015 में चैंपियंस लीग जिताने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, मेरे लिए अब पीछे हटना ही सही है। मुझे अपने करियर पर गर्व है।

इंटर मियामी शनिवार को अटलांटा यूनाइटेड के खिलाफ मुकाबले के बाद आल्बा को विशेष विदाई देगा। क्लब में कुछ ही समय पहले सर्जियो बुस्केट्स ने भी सीज़न के अंत में संन्यास लेने की घोषणा की थी।

आल्बा ने इंटर मियामी के लिए अब तक सभी प्रतियोगिताओं में 95 मैच खेले हैं, जिनमें 14 गोल और 38 असिस्ट शामिल हैं। आल्बा, बुस्केट्स और लुईस सुआरेज़ ने लियोनेल मेसी के साथ बार्सिलोना में सुनहरा दौर जिया था और 2023 में मेसी के मेजर लीग सॉकर में आने के बाद तीनों ने इंटर मियामी जॉइन किया था।

मेसी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, धन्यवाद जोर्डी। मैं तुम्हें बहुत मिस करूंगा। इतने सालों तक साथ खेलने के बाद अब मैदान पर बाईं ओर तुम्हें न देख पाना अजीब लगेगा। मेसी और आल्बा की जोड़ी फुटबॉल में अपनी अद्भुत समझ के लिए जानी जाती है।

सूर्यकुमार बोले मुम्बई इंडियंस में तैयार होते हैं तिलक जैसे खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आईपीएल फ्रेंचाइजी मुम्बई इंडियंस की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उससे मैच विजेता खिलाड़ी निकलते हैं। सूर्यकुमार ने कहा कि एशिया कप में शानदार पारी खेलने वाले तिलक वर्मा भी मुम्बई से ही निकले हैं। सूर्या के अनुसार मुम्बई इंडियंस किसी गुरुकुल की तरह है जो बेहतरीन खिलाड़ियों को तैयार करता है। मुम्बई से खेलने वाले तिलक ने एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 53 गेंदों में 69 रनों की नाबाद पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस मैच में जब तिलक बल्लेबाजी के लिए आये तब भारतीय टीम परेशानी में थी और उसने 20 रनों पर ही तीन विकेट खो दिये थे। इसके बाद तिलक ने जबरदस्त पारी खेली। आईपीएल में मुम्बई की ओर से भी इसी प्रकार तिलक के कई बेहतरीन पारियां खेली हैं और उस अनुभवी का लाभ उन्हें एशिया कप में मिला। सूर्यकुमार ने तिलक की तारीफ करते हुए उनके शानदार प्रदर्शन का श्रेय मुंबई इंडियंस को दिया है। मुम्बई ने इसका एक वीडियो भी साझा किया है।

2026 फुटबॉल विश्वकप के लिए अर्जेंटीना की टीम को तैयार कर रहे कोच स्कालोनी

ब्यूनस आयर्स,11 अक्टूबर (एजेंसियां) । अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के कोच लियोनेल स्कालोनी ने कहा है कि वह 2026 में होने वाले विश्वकप के लिए टीम तैयार कर रहे हैं। इस के देखते हुए वह वेनेजुएला और प्यूर्टो रिको के खिलाफ आगामी मैत्री मुकाबलों में खिलाड़ियों को परखेंगे। स्कालोनी ने कहा कि अभी भी टीम में कुछ अच्छे खिलाड़ियों के लिए जगह है। स्कालोनी ने बताया है कि वह मैत्री मैचों का इस्तेमाल अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में संयुक्त रुप से होने वाले विश्व कप से पहले नए खिलाड़ियों को परखने के लिए करेंगे। स्कालोनी ने कहा, जाहिर है कि हम नए खिलाड़ियों को मौका देने की कोशिश करेंगे, यह देखने के लिए कि क्या वे टीम में शामिल किये जा सकते हैं। इन मुकाबलों में अलग–अलग खिलाड़ियों को आजमाया जाएगा। स्कालोनी ने स्वीकारा है कि अधिकांश विश्व कप टीम पहले ही तय हो चुकी है, लेकिन उन्होंने बताया कि अंतिम समय में कुछ बदलाव हो सकते हैं। उन्होंने कहा, आप नहीं कहा सकते कि कब बदलाव हो सकते हैं। भले ही हमारे पास एक मजबूत टीम है पर हमें नहीं पता आगे क्या हो सकता है। पिछले विश्व कप का अनुभव हमारे पास है, जब कुछ खिलाड़ी चोटिल होने के कारण अंतिक समय में

बाहर हो गए थे। यह सही है कि टीम का अधिकांश हिस्सा तय है, लेकिन हम आने वाली किसी भी तरह के हालात के लिए तैयार रहना चाहते हैं। नए खिलाड़ी अब टीम में शामिल हुए हैं। अगर हमें लगेगा कि जरूरत है, तो आगे भी नए खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा।अर्जेंटीना ने साउथ अमेरिकन क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करने के साथ ही पहले ही विश्वकप के लिए अपनी जगह बना ली है। स्कालोनी ने कहा कि उनकी टीम विश्व कप से पहले होने वाले सभी मुकाबलों को गंभीरता से लेगी।

1948 लंदन ओलंपिक का गोल्ड मेडल भारतीय हॉकी के लिए हमेशा खास रहेगा : हरमनप्रीत सिंह

नई दिल्ली,11 अक्टूबर (एजेंसियां) । भारतीय खेल जगत में हॉकी का स्थान हमेशा ही बेहद खास रहा है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को आधुनिक युग के महान खिलाड़ियों में गिना जाता है, और वे प्रेरणा लेते हैं बीते दौर के उन गौरवशाली क्षणों से, जब 1948 लंदन ओलंपिक में भारत ने आज़ादी के एक वर्ष बाद ग्रेट ब्रिटेन को 4–0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था। यह वही ऐतिहासिक अवसर था जब ओलंपिक खेलों में पहली बार तिरंगा फहराया गया था।

उस स्वर्णिम पल को याद करते हुए हरमनप्रीत सिंह ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, 1948 लंदन ओलंपिक में जब भारत ने गोल्ड मेडल जीता, तो वह पूरे देश के लिए गर्व और भावनाओं से भरा

क्षण था। खासकर इसलिए क्योंकि जीत ग्रेट ब्रिटेन के मैदान पर मिली थी। हमने अपने वरिष्ठों से उस दिन की कहानियाँ सुनी हैं, और मेरे लिए वह क्षण बेहद प्रेरणादायक है।

हरमनप्रीत सिंह, जिन्होंने भारतीय टीम को टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में लगातार दो कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई, ने उस युग के महान खिलाड़ी बलबीर सिंह सीनियर से मुलाकात को भी याद किया।

उन्होंने कहा, बलबीर सिंह सीनियर सर से मिलना और उनके मुख से लंदन ओलंपिक की कहानियाँ सुनना मेरे जीवन के सबसे विशेष क्षणों में से एक रहा। उन्होंने बताया कि कैसे उस समय लंदन की भीड़ भारतीय टीम के लिए तालियां बजा रही थी — यह सुनकर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। कल्पना कीजिए, खिलाड़ियों ने उस पल कैसी खुशी महसूस की होगी। 1948 ओलंपिक में भारत ने समूह चरण में ऑस्ट्रिया, अर्जेंटीना और स्पेन को हराया था, फिर सेमीफाइनल में नीदरलैंड्स को पराजित कर, फाइनल में ग्रेट ब्रिटेन को 4–0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। अब हरमनप्रीत और उनकी टीम की नज़रें 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक पर हैं। कप्तान ने कहा, हमने लगातार दो बार ओलंपिक में पदक जीते हैं और तिरंगे को ऊंचा होते देखा है, लेकिन अब हमारा सपना एक कदम आगे बढ़ने का है। हम चाहते हैं कि एक बार फिर ओलंपिक में राष्ट्रीय गान बजे, जैसा 1948 में किशन लाल और बलबीर सिंह सीनियर की टीम ने अनुभव किया था। इसके लिए हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

ईपीएफओ के निवेश में कमियां, आरबीआई ने फंड मैनेजमेंट सुधारने के दिए सुझाव

नई दिल्ली,11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

देश के सबसे बड़े रिटायरमेंट फंड संगठन ईपीएफओ (कर्मचारी भविष्य निधि संगठन) की निवेश और फंड मैनेजमेंट प्रक्रिया पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सवाल उठाए हैं। करीब 30 करोड़ कर्मचारियों की 25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत का प्रबंधन करने वाले ईपीएफओ को आरबीआई ने कई अहम सुझाव दिए हैं।

वर्तमान में ईपीएफओ अपने फंड

30 करोड़ कर्मचारियों की रिटायरमेंट बचत पर खतरा

का 45-65 फीसदी सरकारी बॉन्ड्स, 20-45 फीसदी डेट इंस्ट्रूमेंट्स और 5-15 फीसदी शेयर बाजार में निवेश करता है। वर्ष 2025 में ईपीएफओ ने 8.25 फीसदी ब्याज देने का वादा किया है, जबकि सरकारी बॉन्ड्स से औसतन 6.86 फीसदी और निफ्टी व सेंसेक्स से केवल 5 फीसदी से कम रिटर्न मिला। आरबीआई का कहना है कि ईपीएफओ को सिर्फ शेयर नहीं, बल्कि हर निवेश पर बिक्री रणनीति लागू करनी चाहिए।

फिलहाल ईपीएफओ चार साल पुराने मुनाफे वाले शेयरों को बेचता है, लेकिन बाजार की मौजूदा स्थिति नहीं देखता। इसके अलावा आरबीआई ने फंड मैनेजमेंट में खराब निवेश की पहचान, नुकसान दर्ज करने और जोखिम प्रबंधन की कमी को भी उजागर किया। पुराने घाटे वाले निवेश अभी भी पोर्टफोलियो में हैं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि ईपीएफओ फंड मैनेजर और नियामक दोनों की भूमिका निभा रहा है, जिससे हितों का टकराव पैदा हो सकता है। आरबीआई ने सुझाव दिया कि तीनों फंड—प्रोविडेंट, पेंशन और इंश्योरेंस—के लिए अलग निवेश रणनीति अपनाई जाए। आरबीआई के ये सुझाव दीवाली 2025 से पहले लागू किए जाएं ताकि रिटायरमेंट फंड और सुरक्षित और लाभदायक हो सके।

न्यूज़ ब्रीफ

दिवाली पर ऑनलाइन धोखाधड़ी का बढ़ता खतरा, हर तीसरे भारतीय को नुकसान

नई दिल्ली। जैसे-जैसे भारत में दीवाली नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे ऑनलाइन खरीदारी भी बढ़ रही है। लेकिन इस दौरान साइबर अपराधी भी सक्रिय हो जाते हैं और उपभोक्ताओं को ठगने की कोशिश करते हैं। एक साइबर सुरक्षा फर्म के शोध के अनुसार, हर तीन में से एक भारतीय ग्राहक छुट्टियों से जुड़ी ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हो चुका है। इनमें से 37 प्रतिशत लोगों ने आर्थिक नुकसान होने की बात कही है। साइबर अपराधी डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल करके हस्तियों के नकली विज्ञापन बनाते हैं। इसके अलावा, फर्जी ईमेल, मैसेज और वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) का उपयोग कर धोखाधड़ी की जाती है। फर्जी गिफ्ट कार्ड, सीमित समय की छूट, और नकली रिफंड ऑफर उपभोक्ताओं को भ्रमित करते हैं। रोजाना औसतन एक भारतीय को 12 बार धोखाधड़ी के प्रयास का सामना करना पड़ता है। त्योहारी सीजन में 64 प्रतिशत लोग बेहतर छूट के कारण ऑनलाइन खरीदारी को प्राथमिकता देते हैं। 77 प्रतिशत ग्राहक मोबाइल के जरिए खरीदारी करते हैं। 25 से 44 वर्ष की आयु वाले युवा सबसे ज्यादा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं, जिससे डिजिटल खरीदारी में तेजी आई है। 91 प्रतिशत धोखाधड़ी का शिकार हुए लोग मानसिक तनाव और शर्मिंदगी महसूस करते हैं। 28 प्रतिशत लोग अपने अनुभव साझा करने से कतराते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि उपभोक्ताओं को जागरूक होकर सावधानी बरतनी होगी और सुरक्षा उपाय अपनाने होंगे, ताकि वे साइबर अपराध से बच सकें।

उबर ने पूरे देश में लागू किया सबस्क्रिप्शन मॉडल, ड्राइवरों की कमाई में बढ़ोतरी की उम्मीद

नई दिल्ली। ऑनलाइन कैब सेवा प्रदाता कंपनी उबर ने अब अपने प्लेटफॉर्म से जुड़े सभी कार, ऑटो और बाइक चालकों के लिए सबस्क्रिप्शन मॉडल शुरू कर दिया है। यह मॉडल दो हफ्ते पहले पायलट रूप में शुरू किया गया था, जिसे अब पूरे देश में लागू कर दिया गया है। इस कदम से ड्राइवरों को अपनी कमाई पर ज्यादा नियंत्रण मिलेगा और उन्हें अब हर राइड पर कंपनी को कमीशन नहीं देना पड़ेगा। पहले उबर प्रत्येक राइड से ड्राइवर की कमाई का 15-20 फीसदी कमीशन लेती थी, जिससे ड्राइवरों को आय में कटौती की शिकायत रहती थी। लेकिन अब सबस्क्रिप्शन मॉडल के तहत ड्राइवर एक दैनिक या मासिक शुल्क चुकाएंगे और इसके बाद की सारी कमाई उनके पास रहेगी। इससे ड्राइवरों को अधिक पारदर्शिता और लाभ मिलने की उम्मीद है। उबर के इस बदलाव के पीछे दो प्रमुख कारण हैं पहला, रैपिडो जैसी कंपनियों से मिल रही तेज प्रतिस्पर्धा, जो पहले से ही सबस्क्रिप्शन मॉडल अपना चुकी हैं। दूसरा, जीएसटी की जटिलता, जहां कमीशन आधारित मॉडल और एसएएएस मॉडल पर अलग-अलग टैक्स दरें लागू होती हैं। सबस्क्रिप्शन मॉडल अपनाकर कंपनी खुद को एसएएएस सेवा के रूप में दिखा सकती है, जिससे टैक्स की स्थिति स्पष्ट हो जाती है।

सितंबर में ऑटोमोबाइल रिटेल सेल्स में हुई बढोत्तरी

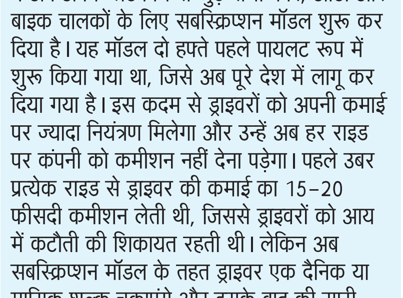

नई दिल्ली। भारत में सेप्टेम्बर 2025 में व्हीकल रिटेल सेल्स सालाना 5.22प्रतिशत बढ़कर 18,27,337 यूनिट पर पहुंच गई। यह पिछले साल की समान अवधि में 17,36,760 यूनिट से इजाफा दर्शाता है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) के लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, जीएसटी सुधारों और पहले तीन हफ्तों में थोड़ी सुस्ती के बावजूद, नवरात्रि की शुरुआत (22 सितंबर) के बाद बिक्री में तेजी आई। फाडा के उपाध्यक्ष साईं गिरिधर ने बताया कि सितंबर 2025 ऑटोमोबाइल रिटेल इंडस्ट्री के लिए एक अनोखा और सकारात्मक महीना रहा। पैसेंजर वाहनों की इन्वेंट्री लगभग 60 दिनों तक बढ़ गई, जो फेस्टिव सीजन की तैयारी का संकेत है। कैटेगरी के अनुसार टू-व्हीलर (2वॉट) की बिक्री 6.5प्रतिशत बढ़कर 12,87,735 यूनिट रही, जबकि पैसेंजर व्हीकल (पीवी) की बिक्री 5.8प्रतिशत बढ़कर 2,99,369 यूनिट हुई।

एशियन पेंट्स की मोनोपोली का रंग हुआ फीका बिरला ओपस और बर्जर ने दिखाई नई चमक

नई दिल्ली,11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत के रंग-बिरंगे पेंट बाजार में अब एशियन पेंट्स का नीला रंग फीका पड़ने लगा है। कभी 90 हिस्सेदारी के साथ 'पेंट की बादशाह' कही जाने वाली यह कंपनी अब 52 पर सिमट गई है। तीन सालों में 17 शेयर वैल्यू गिरने के बाद कंपनी की दीवारों पर अब दरारें साफ दिखने लगी हैं। जहाँ पहले एशियन पेंट्स का मतलब ही पेंट होता था, वहीं अब बाजार में कई नए रंग चढ़ चुके हैं और हर रंग के पीछे एक नया खिलाड़ी खड़ा है।

बाजार विश्लेषकों के मुताबिक, एशियन पेंट्स के ताज को चुनौती देने में सबसे आगे है बर्जर पेंट्स, जिसने 18 हिस्सेदारी के साथ खुद को दूसरी सबसे बड़ी ताकत के रूप में स्थापित कर लिया है। कंसाई नेरोलैक पेंट्स 15 बाजार पर कब्जा जमाकर जापानी गुणवत्ता के साथ मजबूती से खड़ी है। वहीं, ग्रासिम इंडस्ट्रीज के तहत लॉन्च हुआ बिरला ओपस पेंट्स ने तो कुछ ही महीनों में धमाल मचा दिया है। 7 बाजार हिस्सेदारी हासिल कर उसने साबित कर दिया कि ओपस अब सिर्फ नाम नहीं, बल्कि एशियन पेंट्स के लिए एक ओपसिट खतरा है।

बाजार में प्रतिस्पर्धा अब इतनी बढ़ गई है कि उपभोक्ताओं के पास पहले से कहीं अधिक विकल्प हैं। अक्ज़ो नोबेल (डुलक्स) जैसे वैश्विक खिलाड़ी 7 हिस्सेदारी के साथ प्रीमियम सेगमेंट में मजबूती से डटे हैं। वहीं इंडिगो, शालीमार, निप्पॉन, ब्रिटिश पेंट्स जैसे ब्रांड्स किफायती विकल्पों के साथ तेजी से पैर पसार रहे हैं। अब यह साफ है कि भारत का पेंट बाजार मोनोपोली से निकलकर मल्टीकलर कॉम्पिटिशन में बदल चुका है।

एशियन पेंट्स को न केवल बाजार में प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि कंपनी की छवि पर कानूनी विवादों और खराब तिमाही प्रदर्शन ने भी असर डाला है। वित्तीय रिपोर्टों के अनुसार, पिछले कुछ तिमाहियों में मुनाफा घटने से निवेशकों की चिंता बढ़ी है।

बिरला ओपस ने इस मौके का भरपूर फायदा उठाया है। बिड़ला समूह ने इस ब्रांड में करीब 10,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है। बताया जा रहा है कि ओपस की कीमत एशियन पेंट्स से 7 सस्ती है, जबकि सामग्री की मात्रा 10 अधिक है। यानी उपभोक्ताओं को कम दाम में ज़्यादा रंग मिल रहा है, और यही बात बाजार में उसके लिए सबसे बड़ी पूंजी साबित हो रही है।

बाजार विशेषज्ञ के मुताबिक आने वाले वर्षों में यह प्रतिस्पर्धा और भी तीव्र होगी। एशियन पेंट्स को अपनी रणनीति, उत्पाद गुणवत्ता और मूल्य निर्धारण पर फिर से काम करना होगा, नहीं तो 90 का युग अब बीती कहानी बन जाएगा। संक्षेप में कहें तो अब दीवारों पर सिर्फ एशियन का नहीं, बिरला और बर्जर का भी रंग चढ़ने लगा है। मोनोपोली की दीवार दरक चुकी है, और अब हर कंपनी अपनी ब्रश स्ट्रोक से भारतीय बाजार को रंगने की होड़ में है।

भारतीय पेंट बाजार का परिदृश्य-

एशियन पेंट्स: 52 (पहले 90), चुनौती: बिरला ओपस और बर्जर पेंट्स

बर्जर पेंट्स: 18, चुनौती: शीर्ष स्थान की दौड़

कंसाई नेरोलैक: 15, जापानी तकनीक से मजबूती

बिरला ओपस (ग्रासिम): 7, तेजी से उभरता ब्रांड

अक्ज़ो नोबेल (डुलक्स): 7, प्रीमियम सेगमेंट की पहचान

अन्य ब्रांड्स: 1, लेकिन तेजी से बढ़ती हिस्सेदारी।

महिंद्रा बोलेरो फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च, कीमत है रुपए 7.99 लाख

नई दिल्ली,11 अक्टूबर (एजेंसियां)।

महिंद्रा ने महिंद्रा बोलेरो का फेसलिफ्ट वर्जन 2025 लॉन्च किया है, जिसकी शुरुआती कीमत रुपए 7.99 लाख रखी गई है। नए मॉडल में एक्सटीरियर, इंटीरियर और राइड कम्फर्ट को लेकर कई अहम अपडेट किए गए हैं। बोलेरो के नए फेसलिफ्ट में कंपनी ने इसके सिग्नेचर बॉक्सी स्टांस और सीधे आकार को बरकरार रखा है। एक्सटीरियर में नया 5-स्लैट क्रोम-एक्सेंटेड ग्रिल, टॉप-स्पेक बी 8 ट्रिम पर 16-इंच के नए एलॉय व्हील और बी6 वैरिएंट से शुरू होने वाले फॉग लैंप शामिल किए गए हैं। इसके अलावा, स्टील्थ ब्लैक पेंट का नया विकल्प भी पेश किया गया है।

हालांकि, बोलेरो की मजबूत और सिंपल डिजाइन इसकी पहचान बनाए रखती है। इंटीरियर में सबसे बड़ा बदलाव टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम है। हालांकि, एंड्रॉयड ऑटो और एपल कारप्ले की कनेक्टिविटी अभी नहीं दी गई है। इसके अलावा स्टीयरिंग-माउंटेड कंट्रोल,यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट, डोर बॉटल होल्डर और टॉप ट्रिम्स पर लेदरेट अपहोल्स्ट्री भी नई है। सुरक्षा के लिहाज से सभी वैरिएंट में डुअल एयरबैग स्टैंडर्ड हैं। हूड के नीचे बदलाव नहीं किया गया है। इसमें भरोसेमंद 1.5-लीटर, 3-सिलेंडर डीजल इंजन मिलता है, जो 76एचपी पावर और 210 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। यह 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के जरिए पिछले पहियों को पावर देता है। एसयूवी का लैडर-फ्रेम चेसिस अब भी बरकरार है, लेकिन पीछे पुराने लीफ स्प्रिंग की जगह नया डैम्पर सिस्टम लगाया गया है। यह एडवांस्ड सेटअप उबड़-खाबड़ रास्तों पर सवारी के आराम और स्थिरता को बेहतर बनाता है। महिंद्रा बोलेरो फेसलिफ्ट अपने नए डिज़ाइन और फीचर्स के साथ पुराने ग्राहकों और नए खरीदारों दोनों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन गई है, जो मॉडर्न और प्रैक्टिकल एसयूवी अनुभव प्रदान करती है। बता दें कि महिंद्रा की लोकप्रिय एसयूवी बोलेरो ने सालों से कंपनी के एसयूवी पोर्टफोलियो में दबदबा बनाया हुआ है। 2000 से बाजार में उपलब्ध यह दमदार एसयूवी अब भी ग्राहकों की पसंद बनी हुई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एक फैसले से...

अल्लाह के नाम कर दे, ताकि उस सम्पत्ति का उपयोग केवल मजहबी, पाक या परोपकारी उद्देश्यों के लिए ही हो। हाईकोर्ट ने पाया कि सिद्दीक सैट द्वारा फारूक कॉलेज को दी गई सम्पत्ति में कॉलेज को यह अधिकार दिया गया था कि वह जमीन को बेच सकता है, लीज पर दे सकता है या अन्य किसी तरह उपयोग में ला सकता है। जब किसी सम्पत्ति को बेचने या ट्रांसफर करने की अनुमति दी जाती है, तो वह सम्पत्ति वक्फ नहीं रह जाती, बल्कि वह सार्वजनिक चैरिटेबल सम्पत्ति के रूप में मानी जाती है।हाईकोर्ट ने कहा कि 1950 का यह दस्तावेज स्थाई समर्पण की भावना को प्रदर्शित नहीं करता, बल्कि इसमें सम्पत्ति के पुनः वापसी का प्रावधान था। इसमें लिखा था कि अगर सम्पत्ति का कोई हिस्सा बचा रह जाता है तो वह वापस दाता या उसके वारिसों को लौटाया जा सकता है। कोर्ट ने इसे वक्फ की मूल भावना के विपरीत बताया और कहा कि यह सिर्फ एक साधारण उपहार था, जिसे फारूक कॉलेज के प्रबंधन के लिए दिया गया था। इस फैसले में हाईकोर्ट ने केरल वक्फ बोर्ड की 2019 की कार्रवाई को भी कठोर शब्दों में फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि लगभग 69 साल तक न तो सिद्दीक सैट के वारिसों ने और न ही फारूक कॉलेज ने इस सम्पत्ति को वक्फ माना था। इसके बावजूद वक्फ बोर्ड ने 2019 में एकतरफा तरीके से इसे वक्फ सम्पत्ति घोषित कर दिया, जो पूरी तरह मनमानी और अवैध कार्रवाई थी। कोर्ट ने इसे भूमि हड़पने की कोशिश बताया। जजों ने टिप्पणी की कि वक्फ बोर्ड ने बिना किसी विधिक जांच या सभी हितधारकों को शामिल किए बिना यह कदम उठाया, जो न केवल अव्यवहारिक बल्कि असंवैधानिक भी है। हाईकोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार को मुनम्बम भूमि विवाद की जांच के लिए आयोग गठित करने का पूरा अधिकार है। यह आयोग एक तथ्य खोजने वाली संस्था होगी, जिसका मकसद विवाद का समाधान निकालना है, न कि स्वामित्व या टाइटल पर फैसला देना। राज्य सरकार ने 27 नवंबर 2024 को रिटायर्ड जस्टिस सी एन रामचंद्रन नायर की अध्यक्षता में यह आयोग गठित किया था, ताकि इस लंबे समय से चल रहे विवाद का स्थायी समाधान निकाला जा सके।मुनंबम भूमि विवाद केरल के एर्नाकुलम जिले में करीब 404 एकड़ जमीन से जुड़ा है। इस इलाके में लगभग 600 हिंदू और ईसाई परिवार दशकों से रह रहे हैं। वक्फ बोर्ड का दावा है कि यह जमीन 1950 में वक्फ सम्पत्ति के रूप में दर्ज की गई थी, जबकि स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने यह जमीन फारूक कॉलेज से कानूनी रूप से खरीदी थी। यह विवाद अब एक राजनीतिक मुद्दे में बदल गया है। भाजपा नेताओं ने वक्फ बोर्ड पर सार्वजनिक और निजी जमीनों पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने इसे बर्बरता कहा और कहा कि संसद में ऐसे कदमों को रोकने के लिए नया कानून लाया जाएगा। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने भाजपा के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी सरकार मुनम्बम के लंबे समय से रह रहे लोगों के साथ है और उनकी सम्पत्ति की सुरक्षा के लिए काम कर रही है।

दरअसल, वक्फ विवाद कोई नया विषय नहीं है। देशभर में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां वक्फ बोर्ड ने निजी या सरकारी सम्पत्तियों पर दावा ठोका है। इसमें तमिलनाडु के कुछ गांव, सूरत की सरकारी इमारतें, बेंगलुरु का ईदगाह मैदान, हरियाणा का जठलाना गांव और हैदराबाद का एक पांच सितारा होटल तक शामिल हैं। वक्फ द्वारा जमीनों पर कब्जा करने के तीन सामान्य तरीके हैं। किसी जमीन को कब्रिस्तान बताना, उस पर मजार या दरगाह बनाना और सार्वजनिक भूमि पर नमाज पढ़ना शुरू करना। जब किसी स्थान पर लगातार मजहबी गतिविधियां होने लगती हैं, तो वक्फ बोर्ड उस जगह को वक्फ सम्पत्ति के रूप में पंजीकृत करने की मांग कर देता है।

यह मेरे...

नई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। इन प्रोजेक्ट्स से किसानों को नई कमाई के अवसर मिलेंगे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। सरकार का उद्देश्य है कि किसानों की आय में वृद्धि हो, वे टिकाऊ और आधुनिक कृषि तकनीक अपना सकें और देश कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके।केंद्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक सहायता देने के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना चला रही है। इस योजना के तहत देश के छोटे और सीमांत किसानों को हर साल 6,000 रुपए की आर्थिक मदद दी जाती है। यह रकम सीधे किसानों के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाती है। इस 6,000 रुपए की राशि को तीन किस्तों में बांटा गया है, यानि हर चार महीने के अंतराल पर 2,000 रुपए किसानों के खाते में आते हैं। अब तक 20 किस्तें किसानों को मिल चुकी हैं और किसान 21वीं किस्त का इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में केंद्र सरकार ने 21वीं किस्त जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। फिलहाल पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के किसानों को 21वीं किस्त का लाभ मिल चुका है। बाकी राज्यों के किसानों को अभी इंतजार करना पड़ रहा है। ऐसे में किसानों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उन्होंने सरकार द्वारा बताई गई सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी कर ली हों, वरना उनकी किस्त रुक सकती है।

घुसपैठियों को ...

उन्होंने चुनाव आयोग की मतदाता की पहचान के लिए चलाई गई एसआईआर प्रक्रिया का समर्थन किया और इसके खिलाफ कांग्रेस के विरोध को गलत बताया। उन्होंने कहा कि देश की संस्कृति और पहचान की रक्षा के लिए डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट के सिद्धांत पर चल रही है। गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि धार्मिक प्रताड़ना से भागकर आने वाले शरणार्थियों और आर्थिक कारणों से अवैध प्रवेश करने वाले घुसपैठियों में फर्क है। शाह ने कहा कि भारत धर्मशाला नहीं बन सकता, लेकिन जितना मेरा अधिकार इस देश की मिट्टी पर है, उतना ही पाकिस्तान और बांग्लादेश के हिंदुओं का भी है। अमित शाह ने कहा कि उनका व्यक्तिगत तौर पर मानना है कि देश को धर्म के आधार पर बांटना ग़लत था। अंग्रेजों को खुश करने के लिए भारत माता की दोनों भुजाएं काट दी गईं। धर्म और राष्ट्रीयता अलग-अलग होनी चाहिए। इसी वजह से आज हम समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

ममता राज में...

जहां उसके साथ ज्यादती की। उसे धमकी दी गई कि अगर उसने किसी को घटना के बारे में बताया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने छात्रा से उसका मोबाइल फोन वापस करने के लिए पैसे भी मांगे। पुलिस ने छात्रा के बयान दर्ज कर लिए हैं। पुलिस अधिकारी ने कहा, हमने कल रात पीड़िता की सहेली से बात की। हम सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं। सबूत इकट्ठा करने के लिए एक फोरेंसिक टीम घटनास्थल का दौरा करेगी।छात्रा के माता-पिता ने कहा कि वे अपनी बेटी के दोस्तों का फोन आने के बाद आज सुबह दुर्गापुर पहुंचे। छात्रा के पिता ने कहा हमें उसके दोस्तों का फोन आया और हमने घटना के बारे में बताया। हम आज सुबह यहां आए और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। छात्रा की मां ने आरोप लगाया कि शुक्रवार रात लगभग 10 बजे उनकी बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया, जब वह अपनी एक सहेली के साथ रात के खाने के लिए कॉलेज परिसर से बाहर गई थी।इधर, राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्लू) की एक टीम पीड़िता और उसके माता-पिता से मिलने दुर्गापुर जा रही है। एनसीडब्ल्यू सदस्य अर्चना मजूमदार ने कहा, बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। पुलिस ऐसे मामलों में कोई सक्रिय कदम नहीं उठा रही है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं मुख्यमंत्री से अनुरोध करूंगी कि वे आगे आएं और ऐसे अपराधों में वृद्धि को रोकने के लिए मिलकर काम करें। इस बीच एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को दुर्गापुर स्थित निजी मेडिकल कॉलेज से रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने कहा, हमने इस संबंध में कॉलेज प्रशासन से तुरंत रिपोर्ट मांगी है। उसके अनुसार हम कदम उठाएंगे।

ट्रिपल टेस्ट ढांचे...

एक आयोग का गठन करना होता है, साथ ही आयोग की रिपोर्ट के आधार पर आनुपातिक आरक्षण तय करना होता है और ये भी सुनिश्चित करना होता है कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग का कुल आरक्षण 50 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होना चाहिए।

अदालत के स्थगन आदेश के बाद, तेलंगाना राज्य चुनाव आयोग ने गुरुवार को एक बयान जारी कर कहा कि चुनाव अधिसूचना 29 सितंबर को जारी कर दी गई है और अगली अधिसूचना तक आगे की गतिविधियों को स्थगित किया जा रहा है। तेलंगाना राज्य चुनाव आयोग ने 29 सितंबर को ग्रामीण स्थानीय निकायों के चुनावों के लिए पांच चरणों की घोषणा की, जो अक्टूबर और नवंबर के बीच होंगे। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह और जस्टिस जीएम मोहिउद्दीन की खंडपीठ ने, कांग्रेस सरकार के पिछड़ा वर्ग कोटा बढ़ाने के आदेश को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए, सरकार को चार सप्ताह में अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

26 साल बाद भी...

भारतीय सेना ने लद्दाख के करगिल जिले में वर्ष 2024 में 103 विस्फोटकों को नष्ट किया था। सेना भी मानती है कि 1999 में पाकिस्तान के साथ हुए करगिल युद्ध के दौरान पाकिस्तान से फेंके गए बम बड़ी मात्रा में अनफटे रह गए थे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 12 अक्टूबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

हैदराबाद में पीएम धन धान्य कृषि योजना एवं दलहन मिशन का शुभारंभ

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान (भाश्रीअनुसं), हैदराबाद ने प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना (पीएमडीडीकेवाई) एवं दलहन मिशन के शुभारंभ के साथ-साथ श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र के एससीएसपी के अंतर्गत अनुसूचित जाति के किसानों हेतु किसान-वैज्ञानिक परस्पर संवाद तथा आगत (बीज) वितरण को शामिल करते हुए एक संयुक्त कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य इन राष्ट्रीय मिशनों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, श्री अन्न-आधारित तकनीकों को बढ़ावा देना और किसानों और वैज्ञानिकों के बीच सीधे संपर्क को सुगम बनाकर समावेशी विकास को प्रोत्साहित करना था।

इस अवसर पर श्री कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी, माननीय सांसद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रारंभ में डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के स्वागत और परिचयात्मक भाषण से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। उन्होंने टिकाऊ कृषि और किसानों की आजीविका को बढ़ावा देने के लिए वैज्ञानिक नवाचारों को प्रक्षेत्र-स्तरीय कार्यों से जोड़ने के महत्व पर प्रकाश डाला। श्री कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने इन पहलों के माध्यम से किसान सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना (पीएमडीडीकेवाई) एवं दलहन मिशन के शुभारंभ का सीधा प्रसारण किया गया, जिससे किसानों को उत्पादकता, स्थिरता तथा पोषण सुरक्षा पर केंद्रित राष्ट्रीय कृषि लक्ष्यों से जोड़ा गया। प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य तथा दलहन एवं तिलहन फसलों के लिए कृषि पद्धतियों पर तकनीकी प्रदर्शनों और प्रस्तुतियों ने किसानों को मृदा परीक्षण और जैव-सामग्री के उपयोग सहित पर्यावरण-अनुकूल विधियों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया।

संस्थान के डॉ. सी अरुणा रेड्डी, डॉ. ए वी उमाकांत, डॉ. पी संजना रेड्डी, डॉ. बी गंगय्या, डॉ. ए श्रीनिवास आदि वैज्ञानिकों ने श्री अन्न की खेती और फसल प्रबंधन के विविध पहलुओं पर आधारित कई संवादात्मक और ज्ञान-साझाकरण सत्रों का आयोजन किया। समारोह के दौरान चर्चाएं जलवायु-अनुकूल श्री अन्न किस्मों को अपनाने, एकीकृत पीडक और रोग नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्यनीतियों, और फसल की गुणता एवं बाज़ार क्षमता बढ़ाने के लिए कटाई-उपरांत प्रसंस्करण और मूल्य-संवर्धन तकनीकों के अनुप्रयोग पर केंद्रित रहीं। फसल प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए कृषि उपकरणों के प्रदर्शन के अंतर्गत ड्रोन तकनीक का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया गया। इसके अलावा किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) हेतु उद्यमिता और व्यावसायिक अवसरों पर केंद्रित सत्र में किसानों की लाभप्रदता बढ़ाने और एक मजबूत श्री अन्न आधारित कृषि-व्यवसाय पारिस्थितिकी तंत्र के विकास को बढ़ावा देने के साधन के रूप में सामूहिक विपणन, मूल्य शृंखला एकीकरण और उद्यम विकास के लाभ बताए गए।

तेलंगाना के मेदक, महबूबनगर और वरंगल जिलों, तथा पड़ोसी राज्यों के 400 से ज्यादा किसानों के द्वारा भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के अनुसंधान प्रक्षेत्र भ्रमण के दौरान उन्नत खेती और प्रसंस्करण तकनीकों का अवलोकन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस दौरान उनके लिए नाश्ता, भोजन आदि की व्यवस्था भी की गई। इस एकीकृत कार्यक्रम से नीति प्रसार, वैज्ञानिक नवाचार और किसान भागीदारी का सफलतापूर्वक संयोजन हुआ, जिससे भारत में श्री अन्न की खेती को आगे बढ़ाने और जलवायु-लचीली सतत कृषि को बढ़ावा देने के लिए भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं की प्रतिबद्धता को बल मिला। इस पूरे कार्यक्रम का संचालन डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती के मार्गदर्शन में डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक के द्वारा किया गया।

गडिम्मैसमा दोमरा पोचमपल्ली में करवा चौथ के पावन अवसर पर पूजा-अर्चना आयोजित की गई। इस धार्मिक सेवा में गीता सोलंकी, रेखा हाम्बड़, रेखा गेहलोत, लक्ष्मी सोलंकी सहित प्रवासी महिलाएं ने भाग लिया।

जीसीसी कंपनियों में रियल एस्टेट की भूमिका पर पैनल चर्चा

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एचआईसीसी नोवोटेल, हैदराबाद में आयोजित जीसीसी शिखर सम्मेलन 2025 के तीसरे संस्करण में लेजर से वैश्विक नेतृत्व तक: भारत में जीसीसी कंपनियों में रियल एस्टेट की भूमिका विषय पर एक महत्वपूर्ण पैनल चर्चा आयोजित की गई।भारत को लेखा जीसीसी (वैश्विक क्षमता केंद्र) के रूप में बढ़ावा देने वाला समूह, जो डीआईटीएसडब्ल्यूटीओ निदेशालय के अधीन है, तथा एसआईआरसी की हैदराबाद शाखा और उत्कृष्टता केंद्र ने संयुक्त रूप से इस सम्मेलन का आयोजन किया।इस अवसर पर पूर्व नगरपालिका प्रशासन, शहरी विकास, आईटी, वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री कलवकुंतला तारक रामा राव (केटीआर) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।कार्यक्रम में एसेटएनएक्स इंडिया प्राइ-वेट लिमिटेड के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक सिद्धार्थ शाह, सीईओ निशित शाह, इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के सेंट्रल काउंसिल सदस्य श्री दया निवास शर्मा, टीआईई अध्यक्ष श्री राजेश पगडाला, ब्रॉड्रिज के सीएफओ श्री श्रीकर यद्दनपुडी, तथा आई-स्प्राउट के मुख्य अनुभव अधिकारी विजय पसुपुलती सहित कई प्रतिष्ठित उद्योग विशेषज्ञ पैनलिस्ट के रूप में उपस्थित थे।पैनल चर्चा के दौरान, जीसीसी को रियल एस्टेट में अपना व्यवसाय स्थापित करने में रियल एस्टेट की भूमिका विषय पर विचार साझा किए गए। सिद्धार्थ शाह ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण कार्यस्थल और आवास उपलब्ध कराने में बिल्डरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे, मेट्रो रेल कनेक्टिविटी में सरकार की भूमिका और उच्च श्रेणी की स्वास्थ्य सेवाएं एवं विश्वस्तरीय शिक्षा संस्थान उपलब्ध कराने में निजी क्षेत्र के योगदान पर प्रकाश डाला।उन्होंने यह भी कहा कि हैदराबाद की महानगरीय संस्कृति और विविधता देश भर के कर्मचारियों को इस शहर को अपना घर बनाने के लिए प्रेरित करती है।पैनल चर्चा के उपरांत, भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान (खउ-ख) द्वारा एसेटएनएक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और प्रबंध निदेशक श्री सिद्धार्थ शाह को सम्मानित किया गया।

एनएमडीसी के अनुसंधान एवं विकास केंद्र में हिंदी प्रश्न मंच प्रतियोगिता आयोजित

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एनएमडीसी, हैदराबाद में 14 सितंबर से 14 अक्तूबर 2025 तक मनाए जा रहे 'राजभाषा माह, 2025' के एक भाग के रूप में आज दिनांक 08 अक्तूबर, 2025 को अनुसंधान एवं विकास केंद्र के कार्मिकों के लिए 'हिंदी प्रश्न मंच प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कार्मिकों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के प्रारंभ में श्री रूद्र नाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्री एस.के. चौरसिया, महाप्रबंधक, अनुसंधान एवं विकास केंद्र तथा सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने प्रतियोगिता के निर्णायक श्री कमालुद्दीन, हिंदी प्राध्यापक (सेवानिवृत्त), हिंदी शिक्षण योजना, हैदराबाद का परिचय प्रतिभागियों से कराया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए श्री चौरसिया ने एनएमडीसी मुख्यालय द्वारा अनुसंधान एवं विकास केंद्र के कार्मिकों के लिए हिंदी प्रतियोगिता के आयोजन पर आभार व्यक्त किया तथा तथा एनएमडीसी लिमिटेड की राजभाषा संबंधी उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

तत्पश्चात प्रतियोगिता के संचालक श्री कमालुद्दीन ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्हें हिंदी माह की बधाई दी तथा हिंदी प्रश्न मंच प्रतियोगिता के नियमों की जानकारी दी। प्रतियोगिता बहुत रूचिकर रहीं । इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर श्री संदीप कुमार तिवारी, श्री ए. सूरीबाबू और श्री के.के. नागराजू; द्वितीय स्थान पर श्री राहुल कनोजिया, श्री आर. परणीधरन और श्री के. एस. मुरली कृष्णा तथा तृतीय स्थान पर श्री भरत मंजूनाथ, श्री जगदीश शिंदे और श्री एल.पी. रमेश की टीम विजेता रहीं। प्रतियोगिता का समन्वयन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रजिन्दर कौर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने किया।

भारतीय क्रिश्चियन सेकुलर पार्टी में शामिल हुए एंड्र्यू जेवियर

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद स्थित भारतीय क्रिश्चियन सेक्युलर पार्टी कार्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष स्लीवा गलेली के नेतृत्व में एंड्र्यू जेवियर डेविड ने अपने समर्थकों के साथ पार्टी में शामिल हुए। इस अवसर पर स्लीवा गलेली ने उपस्थित जनसमूह का स्वागत किया और एंड्र्यू जेवियर डेविड को खउडझ का तेलंगाना राज्य संयोजक नियुक्त किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बिशप एम. भास्कर शामिल हुए। इसके अलावा मोसेस दास (तेलंगाना राज्य अध्यक्ष, तमिल कैथोलिक सभा), सारा मैथ्यू (सामाजिक कार्यकर्ता), विजय राज, एरिओका मैरी ए, मैरी पिल्लई, आर. रवि, पेट्रीसिया डेविड, लियोन मार्टिन, इज़रायल पोचैया, राजीना मैरी और अन्य ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

जन सेवा संघ की छठ पूजा समिति की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ के महासचिव श्री राजीव चौबे की अध्यक्षता में छठ पूजा समिति की बैठक सफलतापूर्वक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न घाटों के प्रभारी उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने-अपने घाटों पर छठ पूजा आयोजन के लिए सुझाव प्रस्तुत किए। सभी घाटों की सूची फाइनल की गई और तत्परता से तैयारी करने के निर्देश दिए गए।

तेलंगाना सरकार ने 29 घाटों पर छठ पूजा आयोजित करने की स्वीकृति प्रदान की है। इनमें प्रमुख घाट हैं नेकलेस रोड घाट, बंडाचेरू बतूकम्मा घाट, गणेश निमजनम कोनेरू, राजेंद्र नगर घाट, श्री वेंकटेश्वरा स्वामी टेंपल धातु नगर कॉलोनी कंचनबाग, बलानगर शिवालय घाट, अशोक लैंड सुभाष नगर, काप्रा लेके घाट, मलाणा टेंपल घाट, उप्पल बतूकम्मा घाट, वेनालगड्डा चेरु, रायदुर्गम गचीबोली घाट, मियापुर घाट और कई अन्य।

इस अवसर पर जन सेवा संघ के अध्यक्ष श्री आर. पी. सिंह, महासचिव श्री राजीव चौबे सहित कार्यालय प्रभारी, पदाधिकारी, तथा कई सदस्य उपस्थित थे। सभी ने मिलकर छठ पूजा के सफल आयोजन की प्रतिबद्धता जताई और आगामी व्यवस्थाओं पर चर्चा की।

विप्र फाउण्डेशन जोन-16 तेलंगाना द्वारा आगामी 26 अक्टूबर को आयोजित होने जा रहे प्रतिभा सम्मान समारोह में अतिथि के रूप में पधारने के लिए भाजपा तेलंगाना संगठन मंत्री चंद्रशेखर जी को आमंत्रित करते एवं शॉल व माला द्वारा सम्मानित करते हुए जोन-16 के अध्यक्ष हरिकिशन ओझा, महासचिव रामदेव नागला, प्रधान संयोजक आनंद शर्मा व परामर्शदाता बभुत सिंह आदि।

ध्यान फाउंडेशन गौशाला में गौ माता की सेवा का पुण्य कार्य जारी, आर्थिक सहयोग का आह्वान

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ध्यान फाउंडेशन गौशाला में लगभग 3000 गौवंश की समर्पित देखभाल की जा रही है। यह गौशाला गौ माता की सेवा का एक बड़ा केन्द्र बन चुकी है, जहां चारा, रख-रखाव, लेबर और बीमार गायों के इलाज जैसी आवश्यकताएं पूरी की जाती हैं।गौशाला के संचालन हेतु नियमित रुप से आर्थिक सहायता की आवश्यकता होती है ताकि यह सेवा निरंतर और प्रभावी ढंग से जारी रह सके। इस पुण्य कार्य में शामिल होने के लिए सभी गौभक्तों से विनम्र अनुरोध है कि वे गौशाला को आर्थिक सहयोग प्रदान करें। साथ ही अपने परिचितों को भी इस सेवा से जुड़ने और दान देने के लिए प्रेरित करें।

मांगलिक अवसरों पर भी गौ सेवा हेतु धनराशि दान करके इस कार्य को आगे बढ़ाया जा सकता है। इस सेवा के माध्यम से न केवल गौवंश की रक्षा होती है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं को भी मजबूती मिलती है।

ध्यान फाउंडेशन गौशाला सामाजिक और धार्मिक उदारता का एक अद्भुत उदाहरण है, जो गौ माताजी के प्रति श्रद्धा और सेवा की भावना को प्रबल करता है। आप सभी से सहयोग की अपील की जाती है।

द लोहाणा सोशल वेलफेयर सोसायटी की चतुर्थ वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

लोहाणा समाज की संस्था द लोहाणा सोशियल वेलफेर सोसायटी की चतुर्थ वार्षीक साधारण सभा सिकंदराबाद स्थित मुंबई मसाला में बड़ी संख्या में सोसायटी के सदस्यों की उपस्थिति में संपन्न हुई।

सभा का शुभारंभ दीपप्रज्वलन और मंगलाचरण से हुआ, जिसका नेतृत्व वरिष्ठ महिला सदस्यों मंजुलाबेन रामाणी, जयाबेन मोरजरिया, ताराबेन बोरिया, मीनाबेन कोटेचा और मधुबेन बदीयानी ने किया। सोसायटी के अध्यक्ष राजेश रामाणी ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए अपना संदेश दिया।

सभा में गत वर्ष की साधारण सभा की मिनट्स का वाचन कर उन्हें मंजूरी दी गई। वर्ष 2024-2025 के वित्तीय वर्ष का हिसाब प्रस्तुत कर मंजूरी दी गई। सदस्यों को पिछले तीन वर्षों से 7 प्रतिशत लाभांश (डीवीडी) देने की घोषणा की गई।

सभापति राजेश रामाणी ने बताया कि सोसायटी की स्थापना लगभग चार वर्ष पूर्व हुई थी, और इसका मुख्य उद्देश्य समाज के सदस्यों को व्यावसायिक ऋण देना तथा उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाना है।

सभा में अध्यक्ष राजेश रामाणी के साथ विजय सिघाला (उपाध्यक्ष), किशन बोरिया (मानद मंत्री), कमलेश तन्ना (सहायक मंत्री), अरविंद मेहता (कोषाध्यक्ष), एवं अन्य कार्यकारिणी सदस्य मुकेश बदीयानी, अनील तन्ना, प्रवीण गणत्रा, राजेश मोरजरिया, महेन्द्र मेहता आदि उपस्थित थे।

गौशालाओं को सहयोग करने की अपील

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना गौशाला सेवा समिति एवं लव फॉर काऊ फाउंडेशन के सदस्यों ने जियागुडा स्थित समर्थ कामधेनु गौशाला का दौरा कर वहाँ हो रही विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में लव फॉर काऊ फाउंडेशन की ट्रस्टी रंजना शाह और विरेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि फाउंडेशन के नेतृत्व में तेलंगाना गौशाला सेवा समिति एवं अखिल भारत गौ सेवा फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने गौशाला का दौरा कर विस्तृत जानकारी प्राप्त की। गौशाला में आयोजित बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई, जिसमें मुख्य रूप से हाल ही में हुई भीषण वर्षा से राज्य की कई गौशालाओं और घास की खेती को हुए बड़े नुकसान पर ध्यान केंद्रित किया गया। गौशालाओं को आर्थिक सहयोग प्रदान करने पर भी चर्चा की गई।

बैठक में जसमत पटेल (उपाध्यक्ष, तेलंगाना गौशाला सेवा समिति), बालकृष्ण गुरूस्वामी (मानद मंत्री), रिद्धीश जागीरदार (ट्रस्टी, लव फॉर काऊ फाउंडेशन), के. श्रीधर (सहमंत्री), वेंकटेश, श्रीनिवास, मल्लेश गौड़, मानीक यादव, धर्माराम ढाका (रामदेव बाबा मंदिर शिवरामपल्ली) और बरकतभाई लाखानी सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

इस अवसर पर कोटी श्रीधर को तिरुमला तिरूपति देवस्थानम गौ समरक्षणा शाला एक्सपर्ट समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत होने पर सम्मानित किया गया। इसमाईल्या समाज के बरकत अली लाखानी ने 12 अक्टूबर को प्रिन्स आगा खान के जन्मदिन के अवसर पर गौग्रास हेतु सहयोग राशि देने की घोषणा की।

जसमत पटेल ने बताया कि पिछले 15 दिनों में विभिन्न संस्थाओं और गौप्रेमियों के सहयोग से लगभग 18 लोरी घास-चारा गौशालाओं तक पहुँचाया गया। उन्होंने कहा कि सभी का यह दायित्व है कि गौसेवा कार्यों में अधिक से अधिक योगदान दिया जाए।

गौशाला में संबोधन के दौरान जसमत पटेल ने कहा कि गोमाता का संरक्षण और सम्मान न केवल आस्था का विषय है, बल्कि पारिस्थितिक और आर्थिक आवश्यकता भी है। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना, जनभागीदारी को संगठित करना और गोरक्षा पर नीतिगत स्तर पर चर्चा को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा, हमारे शास्त्रों के अनुसार गौमाता न केवल कृषि भूमि को उपजाऊ बनाती हैं, बल्कि अपने दूध, दही और घी से मनुष्य को व्याधि-मुक्त और दीर्घायु जीवन प्रदान करती हैं। आज जिस कृत्रिम भोजन का सेवन मानव कर रहा है, उससे मुक्ति केवल गौसेवा से ही संभव है।

प्रभुदत्त महाराज ने कहा कि गौशाला को प्रतिमाह लगभग 100 टन से अधिक चारे की आवश्यकता होती है तथा लगभग 40 लाख रुपये का मासिक व्यय है, जिसमें गोग्रास चारा, दवाइयाँ और अन्य प्रबंधन खर्च शामिल हैं। उन्होंने हाल की भारी वर्षा से चारे की गंभीर कमी का उल्लेख किया।

उन्होंने आगे कहा कि अंग्रेजों ने भारत की संस्कृति और धर्म को क्षति पहुँचाने के लिए गौमाता पर आघात किया और कोलकाता में कत्लखाना खुलवाया। गाय की चर्बी वाले कारतूस के विरोध में ही मंगल पांडे ने आंदोलन का सूत्रपात किया। उन्होंने कहा कि देश में आज भी गौ कत्लखाने चल रहे हैं और गौमाता की संख्या घटकर मात्र 8-9 करोड़ रह गई है। हम एन.डी.ए. सरकार से अनुरोध करते हैं कि गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा प्रदान किया जाए।

बालकृष्ण गुरूस्वामी ने कहा कि समिति ने केंद्र व राज्य सरकार को पाँच प्रमुख माँगें सौंपी हैं: गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित किया जाए और पृथक गौ मंत्रालय का गठन हो। रासायनिक खादों पर प्रतिबंध लगाकर गोबर की खाद को बढ़ावा दिया जाए। 10 वर्ष तक के बच्चों को भारतीय गाय का दूध निःशुल्क उपलब्ध कराया जाए। प्रत्येक गाँव में भारतीय नंदी (सांड) की व्यवस्था हो और किसानों को गाय अनुदान में दी जाए। विदेशी नस्लों की गायों पर प्रतिबंध लगाया जाए और गौहत्यारों को मृत्युदंड तक का प्रावधान किया जाए।

रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि यह दुखद है कि आज गौ रक्षा की बातें उसी शहर में करनी पड़ रही हैं जहां प्रतिदिन हजारों गायों का वध होता है। अब समय आ गया है कि सभी समाज एकजुट होकर गोरक्षा के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि गाय के दूध के सेवन से बुद्धि और विचार शक्ति बढ़ती है, इसलिए बच्चों को नियमित रूप से गाय का दूध पिलाया जाए और गौ आधारित कार्यों को अपनाया जाए।

उन्होंने आगे कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से हमारी अपील है कि वे आर्थिक संकट झेल रही गौशालाओं की सहायता हेतु गौग्रास और दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि इस विषय पर शीघ्र ही एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से भेंट कर विस्तृत ज्ञापन सौंपेगा।

भारतीय मृदा एवं भू-उपयोग सर्वेक्षण ने किसानों को दी धन-धान्य कृषि योजना की जानकारी

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय मृदा एवं भू - उपयोग सर्वेक्षण के हैदराबाद केंद्र में किसान जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ कार्यालय अध्यक्ष श्री संजय अ. ढाले, मृदा सर्वेक्षण अधिकारी द्वारा यह बताते हुए किया गया कि धन-धान्य योजना केंद्र सरकार की एक महत्त्वाकांक्षी पहल है जो किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। हम चाहते हैं कि हर पात्र किसान इस योजना का लाभ उठाए। तत्पश्चात श्री वाई. सुरेश कुमार, सहायक मृदा सर्वेक्षण अधिकारी ने धन-धान्य कृषि योजना से संबंधित उद्देश्य जैसे किसानों की आय बढ़ाना, आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देना और फसल उपज में वृद्धि सुनिश्चित करना है।

कार्यक्रम में डॉ. दरावथ राजा ने किसानों को तेलुगु भाषा में योजना की प्रमुख विशेषताओं से अवगत कराया, जैसे कि: बीज, खाद और कीटनाशकों पर अनुदान, सिंचाई साधनों पर वित्तीय सहायता, फसल बीमा और ऋण माफी संबंधी लाभ आदि के बारे बताया । कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि श्रीमती काट्टा निर्मला, उप निदेशक (कृषि) क्षेत्रीय मृदा परीक्षण प्रयोगशाला, राजेन्द्र नगर हैदराबाद रही जिन्होंने धन धान्य योजना के बारे में बताते हुए यह भी बताया कि फसलोत्पादन बढ़ाने हेतु मृदा कि जांच कितनी आवश्यक है ।

डॉ. सुरेन्द्र कुमार कुमावत ने धन धान्य कृषि योजना कार्यक्रम का सफल संचालन एवं प्रबंधन मे मुख्य भूमिका निभाई ।

राष्ट्रीय स्तर के इस कार्यक्रम में आसपास के गाँवों से कई किसानों ने भाग लिया और योजना से संबंधित अपने प्रश्न भी पूछे। किसानों ने इस प्रयास की सराहना की और कहा कि ऐसी योजनाएँ यदि समय पर जानकारी के साथ पहुँचें, तो उनका वास्तविक लाभ मिल सकता है। कार्यालय मे इस कार्यक्रम मे पधारे हुए सभी किसानों को कार्यालय की तरफ से सम्मानित किया गया ।

कार्यक्रम का समय सुबह 11 बजे रखा गया ठीक उसी समय माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा धन धान्य कृषि योजना का शुभारम्भ किया गया था जिसका लाभ वर्चुअल मीटिंग द्वारा सभी किसानों को कार्यालय में मिला । कार्यक्रम मे डॉ अमोल लक्ष्मण शिंदे, जया बब्बन तांगड़गे, सुरोमा नियोगी, , किरण कुमारा सहायक क्षेत्र अधिकारी, नगेन्द्र वी. सहायक तकनीकी अधिकारी , पी. श्रीकान्थ, पवन जी., नितिन लोंदे, दिलीप कुमार, कुमार कृष्ण कन्हैया और टी. जयअम्मा आदि मौजूद रहे ।

आंध्र प्रदेश में प्राथमिक स्तर पर हिंदी को पाठ्यांश बनाने का आग्रह

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रधान मंत्री एवं हिंदी सेवासदन के संस्थापक सचिव एस. गैबुवली ने प्रतिनिधि मंडल सहित आंध्र प्रदेश के हेच.आर.डी., आई.टी., इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशंस, आर.टी.जी. मंत्री श्री नारा लोकेश और बी.सी. वेल्फेयर मंत्री श्रीमती एस. सविता से भेंट की। उन्होंने राज्य के प्राथमिक स्तर से ही हिंदी भाषा को एक पाठ्यांश के रूप में शामिल किए जाने तथा हिंदी भाषाभिवृद्धि के लिए राज्य सरकार से सहयोग देने की विनती की।एस. गैबुवली ने बताया कि आंध्र प्रदेश की विभिन्न पाठशालाओं में प्राथमिक स्तर से हिंदी को अनिवार्य रूप से पढ़ाने की आवश्यकता है, क्योंकि हिंदी सीखने से देश के किसी भी कोने में रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषाओं में हिंदी तीसरे स्थान पर है और विदेशों की कई पाठशालाओं में भी हिंदी को एक वैकल्पिक विषय के रूप में सिखाया जा रहा है।

इस अवसर पर मंत्री श्री नारा लोकेश ने कहा कि इस विषय पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श कर निर्णय लिया जाएगा।

वहीं, बी.सी. वेल्फेयर, ई.डब्ल्यू.एस. वेल्फेयर, खादी एवं कपड़ा मंत्री श्रीमती एस. सविता ने आश्वासन दिया कि हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार हेतु वह अपनी ओर से हर संभव कार्य करेंगी और इस संबंध में राज्य सरकार तक भी बात पहुँचाएँगी।मंत्रियों से भेंट करने वाले प्रतिनिधि मंडल में हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सदस्य श्री शिवा, रवि प्रसाद रेड्डी और इंतियाज आदि शामिल थे।

भारतीय भाषाओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय भाषाओं के मध्य साहित्यिक और सांस्कृतिक समरसता को उद्घाटित करने के उद्देश्य से हैदराबाद विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग एवं भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 9-10 अक्तूबर, 2025 को भारतीय भाषाओं की अंतःसंवादिता : साहित्य, संस्कृति और समाज विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया है।संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र 9 अक्तूबर को प्रातः 10.30 बजे प्रारंभ हुआ, जिसमें विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. देवेश निगम, कुलसचिव, हैदराबाद विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि के रूप उपस्थित रहे । संगोष्ठी में बीज व्याख्यान प्रख्यात भाषाविद् प्रो. माणिक्यांबा 'मणि' ने प्रस्तुत करते हुए प्रो. मणि ने कहा कि ..,किया। संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. तंगमणिअम्मा (त्रिवेन्द्रम विश्वविद्यालय,केरल), प्रो. शशि मुदीराज (हैदराबाद) और प्रो. पुलिकोंडा सुब्बा चारी (द्रविड विश्वविद्यालय) उपस्थित थे। प्रो. विष्णु सरवदे ने अतिथियों का स्वागत किया और प्रो. चर्ला अन्नूपर्णा ने संगोष्ठी परिचय प्रस्तुत किया। और सत्र की अध्यक्षता प्रो. एम.टी. अन्सारी (अध्यक्ष, मानविकी संकाय) की । इस अवसर पर प्रो. अन्नपूर्णा द्वारा संपादित और दक्षिण भारतीय भाषाओं के मध्य अनुवाद की समस्याओं पर आधारित 'संकल्य' पत्रिका के विशेषांक का लोकार्पण किया ।

संगोष्ठी के चार सत्रों में आयोजित इस संगोष्ठी में देशभर के प्रतिष्ठित शिक्षाविद्, शोधार्थी एवं लेखकों ने भाग लिया, जिनमें प्रमुख हैं प्रो. प्रभाशंकर प्रेमी (बैंगलूर विश्वविद्यालय, कर्नाटक), प्रो. चंद्रशेखर रेड्डी (आंध्रप्रदेश), प्रो. सुनीता मंजनबैल (कर्नाटक केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कर्नाटक), डॉ. पद्मावती (कोयंबत्तूर) तमिलनाडु, डॉ. एम. सुधा (हैदराबाद) प्रो.विद्यानंद आर्य (उस्मानिय विश्वविद्यालय, हैदराबाद) प्रो. गजेन्द्र पाठक (हैदराबाद) प्रो. श्मायराव (हैदराबाद), प्रो. आंजनेयुलु (हैदराबाद) डॉ. मालोबिका, (अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय) डॉ. नागेश्वर राव (कंचीकामकोटी संस्कृत विश्वविद्यालय, तमिलनाडु), और डॉ. अमरनाथ प्रजापति (विजयपुर कर्नाटक) सहित दक्षिण भारत के अनेक विद्वानों के अपने वक्तव्य प्रस्तुत किए।इस विषय पर अध्ययन एवं शोधकार्य करने के लिए देश के युवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया जिसमें 14 शोधार्थियों व विद्यार्थों ने अपने प्रपत्र प्रस्तुत किए, जिसका संचालन प्रो. एम. श्यामराव ने किया ।

संगोष्ठी अन्य प्रमुख आकर्षण समापन सत्र रहा जिसमें प्रख्यात हिंदी-तेलुगु अनिवादिका, जिन्होंने मानस सहित तुलसीदास अनेक कृतियों का तेलुगु अनुवाद कर रही डॉ. कमल कुमारी का सम्मान भी किया गया । इस सक्ष में भारतीय भाषा समिति, नई दिल्ली से, प्रो. आर.एस. सर्राजु जी भारतीय भाषा के मध्य गैर-साहित्यिक पाठों के अनुवाद की आवश्यकता और समिति द्वारा इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों से परिचित कराया । इस सत्र विशेष अथिति प्रो. के.एल. वर्मा (कुलपति, छात्रपति शिवाजी महाराज विश्वविद्यालय, नवी मुंबई) वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावाली का परिचय देते हुए उसके अंतःसंवाहिता पर अपने विचार व्यक्त किया। इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. वी कृष्ण, हिंदी विभाग, है.वि.वि की ।

संगोष्ठी का एक प्रमुख आकर्षण सरोजिनी नायडू स्कूल ऑफ थिएटर आर्ट्स एंड कम्युनिकेशन के संगीत विभाग द्वारा आयोजित भजन संध्या रही। इस कार्यक्रम में प्रख्यात गायिका डॉ. अस्मिता मिश्रा ने तुलसी, सूर, कबीर और मीराबाई के प्रसिद्ध पदों की भावपूर्ण प्रस्तुति दी।इस संगोष्ठी में नगरद्वय से लगभग 200 से अधिक लेखकों, शोधार्थियों वि विद्यार्थियों ने भाग लिया। संगोष्ठी-संयोगक डॉ जे. आत्माराम द्वारा सभी वक्ताओं, विशिष्ट अथियों एवं शोधार्थियों-विद्याथ्यिों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करने साथ यह संगोष्ठी संपन्न हुई।

प्रतिभूति मुद्रणालय में हिन्दी पखवाड़े का समापन समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के अंतर्गत कार्यरत प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद में दिनांक 09/10/2025 को हिन्दी पखवाड़ा 2025 का समापन हर्षोल्लास पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ सम्पन्न हुआ । इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री बेंकटेश, मुख्य महाप्रबंधक, तकनीक व साहित्य विद, प्रतिभूति कागज कारखाना, नर्मदापुरम को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था । हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह का कार्यक्रम प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद के सभा गृह में मुख्य अतिथि व वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। सर्वप्रथम संस्थान के प्रमुख श्री एस आर वाजपे, महाप्रबंधक ने शाल व मोमेंटों प्रदान कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया और इस समारोह के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रण स्वीकार करने के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर श्री मेहुल राठोड़, प्रबंधक (मानव संसाधन) व प्रभारी (राजभाषा) ने स्वागत भाषण व संस्थान द्वारा वर्ष के दौरान राजभाषा के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों की रिपोर्ट से सभा को अवगत करवाया ।

हिन्दी सौहार्द उत्सव के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद की हिन्दी गृह पत्रिका प्रतिमुद्रा अंक-7 का विमोचन मुख्य अतिथि के करकमलों से किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए समारोह के मुख्य अतिथि श्री बेंकटेश के राजभाषा हिन्दी की उद्भव और देवनागरी का संबंध भगवान शिव के डमरू से निकले 14 सूत्र उससे उत्पन्न संस्कृत भाषा तथा कालांतर में हिन्दी से स्थापित करते हुए कहा हिन्दी केवल एक भाषा ही नहीं यह धर्म, कर्म और अर्थ और भारतीय संस्कृति की समरसता की परिचायक भी है, जो अपने भीतर तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी सभी भाषाओं के शब्दों को लेकर समृद्ध हुई है। जाति, धर्म, भाषा की सीमाओं को दर किनार करते हुए आज जो भी जिसका हिन्दी से संबंध है, वो हर घड़ी आनंद ही आनंद है। विदेशों में आज भारत की पहचान उसकी सांकृतिक विरासत और हिन्दी भाषा से है, और यह एक गर्व की बात है ।

अपने अध्यक्षीय भाषण में, संस्थान के प्रमुख श्री एस आर वाजपे ने स्टाफ द्वारा राजभाषा के किए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए संस्थान द्वारा प्राप्त राजभाषा शील्ड और ट्राफी के लिए सभी के सामूहिक प्रयासों को बधाई का पात्र बताया। श्री दुर्गा प्रसाद, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने इस विशेष कार्यक्रम के लिए आमंत्रण स्वीकार करने के लिए मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए सभा को संदेश दिया की सभी का हिन्दी में काम करना संविधानिक दायित्व है वे खुद काम करें व दूसरों को भी राजभाषा में काम करने की लिए प्रोत्साहित करें । श्री सुनील कुमार यादव, अपर महाप्रबंधक (तकनीक) ने अपने सम्बोधन में कहा कि सरकारी उपक्रम होने के नाते हमारे मुद्रण विभाग द्वारा यह सुनिश्चित किया जाता है की भारत सरकार के सभी दस्तावेज हिन्दी अथवा द्विभाषी में मुद्रित हों और यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है। हिन्दी पखवाड़े के दौरान राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए संस्थान द्वारा हिन्दी व हिन्दीतर भाषियों के लिए हिन्दी टंकण, टिप्पण व प्रारूप लेखन, हिन्दी वाक् , निबंध लेखन व प्रश्न मंच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था और विजेता कर्मचारियों/अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र व नकद पुरस्कार से मुख्य अतिथि के कर कमलों से सम्मानित किया गया। श्री संतोष साव, पर्यवेक्षक (राजभाषा) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

श्री श्याम मंदिर में गीत चांदनी का शारदोत्सव कवि सम्मेलन एवं 44वीं वर्षगांठ भव्यता से सम्पन्न

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सांस्कृतिक नगरी हैदराबाद में साहित्य और श्रद्धा का एक अनुपम संगम देखने को मिला, जब नगर की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था गीत चाँदनी ने अपनी 44वीं वर्षगाँठ के अवसर पर श्री श्याम मंदिर सेवा समिति, वीरन्ना गुट्टा, काचीगुड़ा के सौजन्य से शारदोत्सव कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया। मंदिर के वातानुकूलित सभागार में सम्पन्न इस कार्यक्रम में नगरद्वय (हैदराबाद-सिकंदराबाद) के अनेक नामचीन कवि, कवयित्रियाँ, साहित्य-प्रेमी और समाज-सेवी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। माँ सरस्वती और श्री श्याम बाबा की वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ परंपरागत विधि से हुआ।अतिथियों ने माँ सरस्वती और खाटूवाले श्री श्याम बाबा के चित्रों पर पुष्पमालाएँ अर्पित कर दीप प्रज्वलन किया। गीत चाँदनी के उपाध्यक्ष कवि संतोष कुमार

'माधुर्य' ने अपनी मधुर सरस्वती वंदना से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके बाद मंचासीन अतिथियों और कवियों का स्मृति-चिह्न, शॉल एवं मंदिर के पवित्र अंगवस्त्र से सम्मान किया गया।समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री रामदेव अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, श्रीमती उर्मिला वर्मा, श्री जी. परमेश्वर, राजेश सिंह वर्मा, शायर अंजनी कुमार अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मंदिर के संयुक्त सचिव श्री रामदेव अग्रवाल ने स्वागत भाषण में मंदिर की गतिविधियों, उसके सामाजिक योगदान और विस्तार योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंदिर के लिए जो 1100 गज भूमि खरीदी गई है, उस पर विस्तार कार्य प्रारंभ हो चुका है।

गीत चाँदनी संस्था की उपलब्धियों और समर्पण पर विचार प्रकट करते हुए गीत चाँदनी के कार्यदर्शी एवं कवि श्री गोविंद अक्षय ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस कवि सम्मेलन की अध्यक्षता गीत चाँदनी के अध्यक्ष व वरिष्ठ गीतकार श्री चंपालाल बैद ने की। संचालन का दायित्व कवि गोविंद अक्षय ने संभाला और उन्होंने संस्था की चार दशकों से अधिक की साहित्यिक यात्रा, कवियों के प्रोत्साहन कार्यक्रमों और सामाजिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। वरिष्ठ हिंदी सेवी श्री ठाकुर दिनेश सिंह ने शरद पूर्णिमा की महत्ता पर अपने विचार रखते हुए कहा कि शरद पूर्णिमा वह दिवस है जब प्रकृति, मन और सृजन - तीनों अपनी पूर्णता को प्राप्त करते हैं। हमारे पर्व हिंदू धर्म की रक्षा करते हैं। अध्यक्ष श्री चंपालाल बैद ने मंदिर के ऐतिहासिक विकास की चर्चा करते हुए कहा कि श्री श्याम बाबा की कृपा से यह मंदिर धर्म, संस्कृति और साहित्य की त्रिवेणी बन चुका है। विशेष अतिथि अंजनी कुमार गोयल ने कहा कि कवि माँ सरस्वती के पुत्र होते हैं। हमें शक्ति की आराधना के साथ ज्ञान की उपासना भी करनी चाहिए।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, No.6947684N Nk Jai Prakash of Adm bn, Aoc centre, Secunderabad, TS that my mother name is changed from NANKA DEVI to NANKA

CHANGE OF NAME
I, No.JC 734886F Sub Mukesh Kumar of Adm bn, Aoc centre, Secunderabad, TS that my mother name is changed from GANDHORI DEVI to GINDODI

CHANGE OF NAME
I, No.6947686Y Nk Ranvijay singh of Adm bn, Aoc centre, Secunderabad, TS that my mother name is changed from RAVINRI SINGH to RAVINDRA

CHANGE OF NAME
I, No.JC 734887K Surendra Singh of Adm bn, Aoc centre, Secunderabad, TS that my Father name is changed from BAIJNATH SINGH to BAIJNATH YADAV and my mother name is also changed from PARWATI DEVI to PARWATIYA DEVI

CHANGE OF NAME
I, AMALAVATHI Spouse of Service No 15493883Y Ld MALASALA SURESH BABU, Resident of Vill and PO:A.S.Peta, Teh:Kasimkota, Dist:Visakhapatnam, Andhra Pradesh-531031 have changed my name from AMALAVATHI to MALASALA AMALAVATHI vide affidavit dt:11-10-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, SHASHAD BEEGUM B W/o. BASHEER AHMMED B, R/o. P.No.31, Anthaiah Colony, Neredmet, RK Puram, Secunderabad, Telangana have changed my name from SHASHAD BEEGUM B to SHAMSHAD BEEGUM B vide affidavit dt:26-09-2025 for all record purpose.

CHANGE OF NAME
I, WASIM AKRAM B, Service No. 15438476W Rank:Nk, R/o.Military Hospital, Trimulgherry, Secunderabad, Telangana-500015. My daughter's name has been changed from FATHIMA MIRHA to FATHIMA MARYAM vide affidavit dated:26-9-2025 for all record purpose.

42% आरक्षण पर हाईकोर्ट की रोक के खिलाफ

बीसी संगठनों ने किया 14 अक्टूबर को राज्यव्यापी बंद का आह्वान

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पिछड़ा वर्ग संगठनों ने 14 अक्टूबर को तेलंगाना में राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया है। यह बंद हाईकोर्ट द्वारा जीओ 9 (ऋज्ञ 9) पर लगाए गए अंतरिम स्थगन आदेश के खिलाफ होगा। जीओ 9 के तहत स्थानीय निकायों में बीसी समुदाय को 42 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया था। नेशनल बीसी वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद आर. कृष्णैया ने बताया कि बंद के निर्णय पर 22 बीसी संगठनों ने बैठक कर सर्वसम्मति से समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि यह बंद 42% बीसी आरक्षण पर हाईकोर्ट की रोक के विरोध में राज्यव्यापी आंदोलन होगा।

कृष्णैया ने कहा कि राज्य चुनाव आयोग द्वारा चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद रोक लगाना सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में पहली बार चुनाव अधिसूचना के बाद इस प्रकार की रोक लगाई गई है, जबकि हजारों नामांकन दाखिल हो चुके हैं। उन्होंने सवाल किया, जब मामला चार दिन से कोर्ट में था और दो बार स्टे देने से इनकार किया गया, तो अधिसूचना जारी होने के बाद अचानक स्टे कैसे दिया जा सकता है?

कृष्णैया ने कहा कि इस मामले में 30 बीसी संगठनों को पक्षकार बनाया गया था, लेकिन उनकी दलीलें सुने बिना कोर्ट ने स्टे दे दिया – इसे उन्होंने बीसी समुदाय के साथ बड़ा अन्याय करार दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि यह बीसी समुदाय का अपमान है और इसके गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से बीसी समुदाय के समर्थन में आगे आने की अपील की।

उन्होंने आरोप लगाया कि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में बीसी, एससी और एसटी वर्गों के जजों की कमी ही ऐसे फैसलों की एक बड़ी वजह है। उन्होंने न्यायपालिका में आरक्षण की मांग करते हुए कहा कि उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट में भी बीसी, एससी और एसटी को प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।

कृष्णैया ने आगे कहा कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 50% सीमा को हटा दिया था और परिस्थितियों के अनुसार इसे शिथिल करने के आदेश दिए थे। जब उच्च वर्गों के लिए सीमा हटाई जा सकती है तो बीसी के लिए क्यों नहीं? उन्होंने कहा कि राजनीतिक आरक्षण पर 50% की सीमा का कोई तार्किक आधार नहीं है। शिक्षा और रोजगार में मेरिट का तर्क लागू हो सकता है, लेकिन राजनीतिक प्रतिनिधित्व में यह तर्क अप्रासंगिक है।

उन्होंने दो टूक कहा कि बीसी आरक्षण को किसी दलगत मुद्दे की तरह नहीं देखा जाना चाहिए और चेतावनी दी कि यदि आरक्षण को घटाकर 20% किया गया तो बीसी समुदाय चुनाव नहीं लड़ेगा।गौरतलब है कि गुरुवार को तेलंगाना राज्य चुनाव आयोग द्वारा स्थानीय निकाय चुनावों की अधिसूचना जारी करने के कुछ ही घंटे बाद, हाईकोर्ट के अंतरिम स्थगन आदेश के बाद आयोग ने पूरा चुनाव प्रक्रिया स्थगित कर दी।

भाल्की तालुका में भाजपा नेताओं ने किया ओलावृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण

भाल्की, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अतिवृष्टि और ओलावृष्टि से भाल्की तालुका में हुई फसलों और घरों की क्षति का निरीक्षण करने के लिए शनिवार 11.10.2025 को दोपहर 12:30 बजे सायगांव में भाजपा जिलाध्यक्ष सोमनाथ पाटिल, विधायक प्रभु चौहान, शरणु सालगर, सिद्धू पाटिल, पूर्व विधायक प्रकाश खांद्रे, पूर्व विधान परिषद सदस्य रघुनाथराव मल्कापुरे, कलबुर्गी विभाग के सह प्रभारी ईश्वर सिंह ठाकुर सहित जिले के अनेक नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित हुए।

उन्होंने किसानों की ज़मीनों और घरों का दौरा कर किसानों से क्षति की जानकारी ली। साथ ही, उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार पर दबाव डालकर जल्द से जल्द किसानों को राहत दिलाने का प्रामाणिक प्रयास किया जाएगा।

इस मौके पर भाल्की मंडल अध्यक्ष, नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता और किसान बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

तेलंगाना में जेल अदालतों के माध्यम से 460 कैदियों को रिहा किया जाएगा

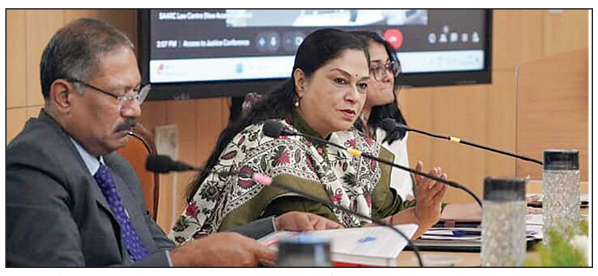

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जेल और सुधार सेवाओं की महानिदेशक डॉ. सौम्या मिश्रा ने बताया है कि 2025 में जेल अदालतों के दौरान अब तक 1,811 मामलों की सुनवाई हुई है, जिसमें 460 कैदियों को रिहा किया गया है। यह प्रक्रिया कैदियों को त्वरित न्याय दिलाने और लंबित मामलों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।यह जानकारी उन्होंने 11 अक्टूबर को हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन भविष्य के लिए न्याय क्षमता का निर्माण: तेलंगाना में संवाद में दी, जो इंडिया जस्टिस रिपोर्ट और नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।डॉ. मिश्रा ने बताया कि तेलंगाना कारागार विभाग वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम के माध्यम से डिजिटल कनेक्टिविटी के साथ न्यायिक कार्यवाही को जोड़ रहा है। विभाग ई-कोर्ट और ई-जेल मॉड्यूल के तहत न्यायपालिका के साथ इंटीग्रेटेड है ताकि न्याय वितरण में पारदर्शिता और समन्वय बढ़े।स्मार्ट जेल पहल के जरिए तकनीक का उपयोग कर जेल संचालन को कुशल और जवाबदेह बनाया गया है। बायोमेट्रिक सिस्टम, डिजिटल कैदी रिकॉर्ड और वर्चुअल कानूनी सहायता ने सुधार प्रणाली को और मानवीय बनाया है।

कामारेड्डी में नकली नोटों के रैकेट का भंडाफोड़, आठ आरोपी गिरफ्तार

कामारेड्डी, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के कामारेड्डी जिले में पुलिस ने नकली मुद्रा रैकेट का पर्दाफाश किया है और इस अंतरराज्यीय गिरोह के 12 सदस्यों में से आठ को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक एम राजेश चंद्रा ने बताया कि आरोपियों को बिहार, पश्चिम बंगाल सहित विभिन्न राज्यों से गिरफ्तार किया गया।

यह जांच तब शुरू हुई जब कामारेड्डी के एक शराब की दुकान के कैशियर ने पुलिस को 24 सितंबर को शिकायत की कि

ग्राहक द्वारा दिए गए 500 रुपये के नोट नकली लगते हैं। इसके बाद पुलिस ने ग्राहक का पता लगाया और पाया कि वह पश्चिम बंगाल के एक व्यक्ति के संपर्क में था, जो नकली नोट रैकेट से जुड़ा था।पुलिस ने पश्चिम बंगाल के उस व्यक्ति तक पहुंचकर इस रैकेट का भंडाफोड़ किया और आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया। अब तक चार आरोपियों को 3 अक्टूबर को जेल भेजा जा चुका है, जबकि अन्य चार को शनिवार को जेल भेजा गया। शेष चार आरोपी जल्द ही गिरफ्तार किए जाएंगे।गिरफ्तार आरोपियों के पास से तीन लाख रुपये से अधिक मूल्य के नकली नोट, 15,300 रुपये के असली नोट और आठ हजार रुपये से अधिक आंशिक रूप से मुद्रित नोट बरामद किए गए हैं। पुलिस इस रैकेट के अन्य भागीदारों की भी तलाश कर रही है।

हरीश राव ने बनकाचेरला परियोजना को लेकर कांग्रेस और भाजपा पर साधा निशाना

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस नेता हरीश राव ने आंध्र प्रदेश की बनकाचेरला परियोजना को लेकर गंभीर चिंता जताई है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा कांग्रेस पर तेलंगाना की उपेक्षा का आरोप लगाया है।

शनिवार को तेलंगाना भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार केंद्र के समर्थन से इस परियोजना को आगे बढ़ा रही है, लेकिन मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की सरकार चुप बैठी है।

उन्होंने कहा, 23 सितंबर को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने सीएम रेवंत को एक पत्र लिखा था, जिसमें कहा गया था कि बनकाचेरला परियोजना की पीएफआर (पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट) तकनीकी-आर्थिक मूल्यांकन के अधीन है और अनुमोदन प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री ने इसका विरोध क्यों नहीं किया।

मुख्यमंत्री रेवंत पर कटाक्ष करते हुए हरीश राव ने व्यंग्यात्मक लहजे में पूछा कि क्या रेवंत का कोई निजी हित है। उन्होंने कहा, यह सवाल उठाने के बजाय कि डीपीआर बाढ़ के पानी पर कैसे आधारित हो सकती है, जो केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के मानदंडों के अनुसार निषिद्ध है, वह चुप हैं। क्या इसमें कमीशन या ठेके शामिल हैं? क्या रेवंत रेड्डी का इसमें कोई निजी हित है?

उन्होंने बताया कि 17 सितंबर को कर्नाटक सरकार ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय को पत्र लिखकर चेतावनी दी थी कि यदि आंध्र प्रदेश गोदावरी नदी से 423 टीएमसी पानी मोड़ता है तो कर्नाटक कृष्णा नदी का 112 टीएमसी पानी रोक देगा।हरीश राव ने यह भी बताया कि महाराष्ट्र ने बनकाचेरला परियोजना का कड़ा विरोध किया है और कहा है कि यदि आंध्र प्रदेश को आगे बढ़ने दिया गया तो वह भी परियोजनाएं बनाने का प्रयास करेगा और कृष्णा नदी का 74 टीएमसी पानी रोक लेगा।

बिड़ला साइंस म्यूजियम में सिंगरेनी पेवेलियन का उद्घाटन

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रतिष्ठित बिड़ला साइंस सेंटर में शनिवार को सिंगरेनी पेवेलियन का भव्य उद्घाटन किया गया। इस पेवेलियन का उद्घाटन सिंगरेनी के सीएमडी एन. बालराम और जी.पी. बिड़ला आर्कियोलॉजिकल, एस्ट्रोनॉमिकल और साइंटिफिक इंस्टीट्यूट की चेयरपर्सन निर्मला बिड़ला ने संयुक्त रूप से किया।

इस विशेष पेवेलियन में 11 मिलियन वर्ष पुराने स्टीगोडॉन प्रजाति के हाथी के जीवाश्म दांत और डायनासोर काल से संबंधित जीवाश्म लकड़ी को प्रदर्शित किया गया है। इन अवशेषों की खोज रामागुंडम क्षेत्र की मेदिपल्ली ओपनकास्ट माइंस में खुदाई के दौरान हुई थी।

कार्यक्रम में एन. बालराम ने बताया कि करीब चार वर्ष पूर्व खनन के दौरान दो विशालकाय दांत और जबड़े के जीवाश्म अवशेष मिले थे, जिन्हें वैज्ञानिकों ने स्टीगोडॉन प्रजाति का बताया – यह हाथी लगभग 11 मिलियन वर्ष पहले गोदावरी बेसिन में विचरण करता था और करीब 6,000 वर्ष पूर्व विलुप्त हो गया। उन्होंने कहा कि इन प्राचीन अवशेषों का बिड़ला साइंस सेंटर में प्रदर्शित होना सिंगरेनी के लिए गर्व की बात है और इससे विद्यार्थियों व आम जनता को प्राकृतिक इतिहास से जुड़ने का अवसर मिलेगा।बालराम ने बिड़ला साइंस सेंटर द्वारा वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करने के निरंतर प्रयासों की सराहना की और कहा कि यह पेवेलियन युवाओं में वैज्ञानिक जिज्ञासा जगाने में मदद करेगा। उन्होंने यह भी बताया कि सिंगरेनी का जुड़ाव अब इसरो, भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग और परमाणु ऊर्जा आयोग जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से भी है।बी.एम. बिड़ला इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. के. मृत्युंजय रेड्डी ने सिंगरेनी प्रबंधन का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस ऐतिहासिक खोज को साझा करना एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि संग्रहालय में पहले ही आदिलाबाद जिले में मिले जीवाश्मों से डायनासोर का कंकाल पुनर्निर्मित किया गया था, और अब स्टीगोडॉन हाथी के जीवाश्म को डायनासोर पेवेलियन के पास स्थापित किया गया है।स्टीगोडॉन हाथियों के दांत सामान्य हाथियों के मुकाबले कहीं बड़े – लगभग 12 फीट लंबे पाए गए, जो 13 फीट ऊंचे और करीब 12.5 टन वजनी हाथी से संबंधित थे। इस प्रजाति के जीवाश्म भारत में नर्मदा नदी के किनारे और विश्व में कुछ ही स्थानों पर मिले हैं। सिंगरेनी में मिले दो जोड़ों में से एक जोड़ा अब बिड़ला साइंस म्यूजियम को और दूसरा नेहरू जूलॉजिकल पार्क, हैदराबाद को सौंपा गया है।

गुरुकुल शिक्षकों का वेतन तुरंत दिया जाए : वैद्य शांति कुमारी

आसिफाबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आज कागजनगर में सदस्यता पंजीकरण के दौरान बोलते हुए, टीएस यूटीएफ जिला अध्यक्ष वैद्य शांति कुमारी ने कहा कि राज्य में गुरुकुल शिक्षकों की स्थिति बहुत कठिन है और महीनों से वेतन न मिलने के कारण, गुरुकुल शिक्षकों को कई आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि उनके वेतन का तुरंत भुगतान किया जाए। सभी गुरुकुल शिक्षकों को स्वास्थ्य कार्ड प्रदान किए जाएँ। नियमित शिक्षकों को समान वेतनमान दिया जाए। विभिन्न गुरुकुलों में कार्यरत सभी अतिथि, अंशकालिक और आउटसोर्सिंग शिक्षकों को 12 महीने का वेतन दिया जाए और न्यूनतम समयमान लागू किया जाए। नियमित शिक्षकों के समान अवकाश लागू किए जाएँ। गुरुकुल विद्यालयों में विशेष वार्डन नियुक्त किए जाएँ। शिक्षण कार्यों से छूट दी जाए। समाज कल्याण, आदिवासी कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण गुरुकुल विद्यालयों की समय-सारिणी में तत्काल परिवर्तन किया जाए। सभी गुरुकुलों के लिए एक समान निदेशालय स्थापित किया जाए। 2004 से नियुक्त सभी शिक्षक सीपीएस प्रणाली के अंतर्गत आते हैं। सीपीएस प्रणाली का मतलब है कर्मचारियों का भविष्य कॉर्पोरेट्स के हाथों गिरवी रखना।

सरकार को तुरंत जवाब देना चाहिए और सीपीएस को रद्द करके पुरानी पेंशन प्रणाली को बहाल करना चाहिए। लंबित डीए का तुरंत भुगतान किया जाना चाहिए। सरकार द्वारा किए गए वादे के अनुसार, सभी 317 पीड़ितों को न्याय मिलना चाहिए। प्रतिनियुक्ति के नाम पर दो साल टालना और उन्हें अपने जिलों में भेजना सरकार के लिए ठीक नहीं है। यूटीएफ इस बात का स्वागत करता है कि सरकार छात्रों के खेल कौशल को बेहतर बनाने के लिए सभी हाई स्कूलों में पीईटी नियुक्त करने के लिए तैयार है। एसजीटी पदों को रद्द करना सही नहीं है। सरकार को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिए कि सभी प्राथमिक विद्यालयों में प्रति कक्षा एक शिक्षक हो, जिला सचिव राज कमलाकर रेड्डी ने मांग की। कागजनगर मंडल अध्यक्ष महिपाल, जिला समिति सदस्य महेश और अन्य ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

बल्लारशाह रेलवे स्टेशन का ध्यान रखा जाएगा

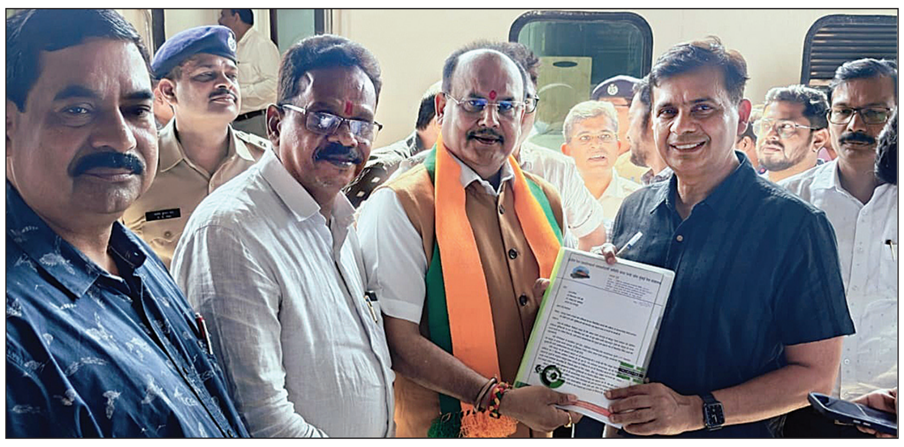

आसिफाबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मध्य रेलवे नागपुर के मंडल रेल प्रबंधक विनायक गर्ग की बल्लारशाह रेलवे स्टेशन भेंट के दौरान अजय दुबे, सदस्य जेडआरयूसीसी मध्य रेलवे मुंबई, ने मुलाकात कर बल्लारशाह रेलवे स्टेशन का महत्व कायम रखने संबंधी निवेदन सौंपा।दुबे ने डीआरएम को विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि निश्चित तौर पर चंद्रपुर रेलवे स्टेशन का विकास होना चाहिए और यह जरूरी भी है, लेकिन बल्लारशाह स्टेशन का महत्व किसी भी सूरत में कम नहीं होना चाहिए। निकट भविष्य में सभी यात्री ट्रेनें बल्लारशाह से ही शुरू होनी चाहिए ताकि दोनों शहरों को लाभ मिले। केवल चंद्रपुर से प्रारंभ करने से बल्लारशाह और समीपस्थ परिसर के साथ अन्याय होगा।मंडल रेल प्रबंधक विनायक गर्ग ने आश्वासन दिया कि बल्लारशाह के साथ न्याय होगा तथा इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा। स्टेशन का महत्व कायम रहेगा।इस मौके पर भाऊ साहेब येगीनवार, विनोद गुप्ता, ज्ञानेश्वर मूरकुटे, अभिषेक ईदनुरी, संजय यादव आदि प्रमुख रूप से मौजूद थे।

उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने की श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति स्पष्ट कुमार सिंह ने यादगिरीगुट्टा स्थित श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी की सेवा में भाग लिया और विशेष पूजा-अर्चना की।शनिवार को वे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति के. लक्ष्मण, न्यायमूर्ति के. सारथ, न्यायमूर्ति के. सुजाना और न्यायमूर्ति वी. रामकृष्ण रेड्डी के साथ यादगिरीगुट्टा पहुंचे।

पहाड़ी पर पहुंचने पर कलेक्टर हनुमंत राव और मंदिर प्रभारी ईओ रवि नायक ने फूलों का गुलदस्ता भेंट करके उनका भव्य स्वागत किया। मुख्य मंदिर पहुंचने पर उन्होंने स्वयंभू लक्ष्मी नरसिंह स्वामी के दर्शन किए और विशेष पूजा-अर्चना की।

सबसे पहले मंदिर के पुजारियों ने पूर्णकुंभ देकर उनका स्वागत किया। दर्शन के बाद मंदिर के ईओ रवि नायक ने उन्हें मंदिर के मुखमंडप में प्रसाद और स्वामी का चित्र भेंट किया।

इस कार्यक्रम में राचकोंडा के पुलिस आयुक्त सुधीर बाबू, सहायक पुलिस आयुक्त श्रीनिवास नायडू और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

भाजपा नेता आत्महत्या मामला : 13 लोगों पर केस दर्ज, एसआई बर्खास्त

मंचेरियाल/आसिफाबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल ज़िले के वेमनपल्ली में भाजपा मंडल अध्यक्ष की आत्महत्या के मामले ने एक अहम मोड़ ले लिया है। ज्ञात हो कि एटा मधुकर (45) ने अत्याचार के मामले से क्षुब्ध होकर और राजनीतिक उत्पीड़न के आरोपों के चलते आत्महत्या कर ली थी, जिससे क्षेत्र में खलबली मच गई।

इस घटना के बाद मधुकर के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने 13 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिनमें निलवाई के उप-निरीक्षक कोटेश्वरनु राम भी शामिल हैं।

उच्च अधिकारियों ने मामले को गुंडम कमिश्नरेट से संबद्ध करने का आदेश दिया है। परिजनों ने मामले में लापरवाही का आरोप लगाते हुए एसआई के तबादले की मांग को लेकर कल रात शव के साथ धरना दिया।

अधिकारियों के मौके पर पहुँचने, आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करने और एसआई का तबादला करने की घोषणा के बाद आंदोलन समाप्त हुआ।

भाजपा की जिम्मेदार लोगों को सजा देने की मांग

मंचेरियाल, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा नेताओं ने तंदूर मंडल केंद्र के आईबी सेंटर पर भाजपा वेमनपल्ली मंडल अध्यक्ष एता मधुकर की आत्महत्या के लिए ज़िम्मेदार लोगों को कड़ी सज़ा देने की मांग को लेकर धरना दिया। उन्होंने वेमनपल्ली के उपनिरीक्षक को निलंबित करने और पीड़ित परिवार को वित्तीय सहायता प्रदान करने की मांग की।

नेताओं ने आरोप लगाया कि जन मुद्दों पर आंदोलन करने वाली भाजपा के ख़िलाफ़ बदले की भावना से मंडल अध्यक्ष के ख़िलाफ़ अवैध रूप से मामला दर्ज किया गया, जिसके कारण यह आत्महत्या हुई।

इस कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष दुदापाका भरत कुमार, जिला सचिव रामगौनी महिधर गौड़, जिला प्रवक्ता चिलुमुला श्रीकृष्ण देवरायलु, वरिष्ठ नेता चिलुवेरु शेषगिरी, पुलगम तिरूपति, ठुकराम, जिला कार्यकारिणी सदस्य सिद्धन मल्लेश, सीथल, एससी मोर्चा जिला महासचिव पगिडी चिरंजीवी, मंडल महासचिव पुट्टा कुमार, मंडल सचिव गाडे राजेशम सहित अन्य भाजपा नेताओं ने भाग लिया।

रायदुर्ग में बनने वाले टी-स्क्वेयर को आइकॉनिक और अनोखे डिजाइन में विकसित किया जाएगा : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो) । तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रस्तावित टी-स्क्वेयर के लिए जीवंत (वाइब्रेंट) और अनोखे डिजाइन पर विचार किया जाए, जिससे यह हैदराबाद का एक आइकॉनिक स्ट्रक्चर और आकर्षण का केंद्र बन सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टी-स्क्वेयर के विकास कार्य नवंबर के अंत तक शुरू कर दिए जाएं। राज्य सरकार ने इस परियोजना को एक महत्वाकांक्षी योजना के रूप में हाथ में लिया है, ताकि हैदराबाद के आईटी कॉरिडोर – रायदुर्ग के मध्य में एक नया पब्लिक डेस्टिनेशन बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री ने यह समीक्षा बैठक इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू के साथ की।

उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य सोशल मीडिया युग को ध्यान में रखते हुए हैदराबाद के लिए एक डिजिटल कैनवास तैयार करना है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि टी-स्क्वेयर को मनोरंजन, पर्यटन, फूड और बिज़नेस का संगम बनाकर विकसित किया जाए ताकि यहां दिन-रात लोग आकर्षित हों। इसके तहत बड़े इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले और डिजिटल विज्ञापनों से युक्त विश्व-स्तरीय डिजिटल डिस्प्ले फ़ैसाड तैयार किया जाएगा, जिससे यह क्षेत्र एक जीवंत अनुभव दे सके।

मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि इस परियोजना में एपल जैसी वैश्विक कंपनियों को भी शामिल करने के लिए स्थान आरक्षित किया जाए। डिज़ाइन में पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था और सुगम यातायात को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह नया सार्वजनिक क्षेत्र मनोरंजन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और वाणिज्यिक गतिविधियों के साथ-साथ कॉरपोरेट सेक्टर की आवश्यकताओं के अनुरूप भी विकसित किया जाएगा।

हरियाणा के एडीजीपी की आत्महत्या पर रेवंत रेड्डी ने जताया गहरा शोक

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और हरियाणा के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक वाई. पूरन कुमार की आत्महत्या पर गहरा शोक व्यक्त किया।मुख्यमंत्री ने दबे-कुचले वर्गों पर हो रहे अत्याचारों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि एक आईपीएस अधिकारी की जबरन मौत जातिगत हमलों का जीवंत उदाहरण है।रेवंत रेड्डी ने 'एक्स' पर साझा करते हुए कहा कि जब एक एडीजीपी स्तर के अधिकारी को जाति के आधार पर उत्पीड़न का सामना करना पड़ा, तो आम लोगों की स्थिति आसानी से समझी जा सकती है।उन्होंने इस तरह की असहनीय घटनाओं पर गंभीर चिंता जताई और चेतावनी दी कि दबे-कुचले समुदायों के प्रति बढ़ती नफरत समाज को ज़हर की तरह खोखला कर सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे शर्मनाक मामलों से लोगों का संविधान, समानता और न्याय में विश्वास कमजोर हो सकता है।रेवंत रेड्डी ने कहा, यह सिर्फ आईपीएस अधिकारी पूरन कुमार पर हमला नहीं है, बल्कि पूरे देश पर हमला है और सभी को इस गंभीर मुद्दे पर विचार करना चाहिए।मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और कहा कि अन्याय और अमानवीयता को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, चाहे पीड़ित कोई आम नागरिक हो, उच्च पद पर हो या दलित समुदाय से संबंधित हो।

बेगम बाजार में किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद तत्वावधान में शनिवार को कार्तिक मास की पंचमी के अवसर पर बेगम बाजार भूदेवी माता मंदिर के पास स्थित गौशाला के पास नियमित किया गया। इस अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल,रवि अग्रवाल, राजेश सर योगा, रितेश अग्रवाल , अनिल भाई, शिवभगवान, गोविंद राम पचेरीया, लता गोयल, मीना अग्रवाल, परी एवं आशीष उपस्थित थे।

तेलंगाना ने पीजी मेडिकल प्रवेश की समय सीमा 16 अक्टूबर तक बढ़ाई

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए तेलंगाना मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए नीट-पीजी 2025योग्य उम्मीदवारों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर से बढ़ाकर 16 अक्टूबर शाम 6 बजे तक कर दी गई है।

जो अभ्यर्थी सक्षम प्राधिकारी कोटे के तहत डिग्री और डिप्लोमा कोर्स करना चाहते हैं, वे अब शाम 6 बजे तक अपना ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकते हैं। हालांकि, एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह विस्तार वारंगल में कालोजी नारायण राव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (केएनआरयूएचएस) और हैदराबाद में निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज से संबद्ध सरकारी, निजी गैर-अल्पसंख्यक और अल्पसंख्यक मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए लागू होगा।

अभ्यर्थियों को ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा तथा स्कैन किए गए मूल प्रमाण पत्र आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड करने होंगे ।

सिंचाई योजनाओं को सौर ऊर्जा से चलाने के लिए विभागीय भूमि का उपयोग करें : उत्तम कुमार रेड्डी

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के सिंचाई मंत्री कैप्टन एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने आज विभाग को निर्देश दिया कि राज्य में ऐसी सिंचाई भूमि की पहचान की जाए जहां सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा सकें, ताकि उत्पन्न बिजली का उपयोग सिंचाई योजनाओं और पंपिंग स्टेशनों के संचालन में किया जा सके।

अगर हम विभागीय स्तर पर बिजली उत्पन्न कर अपने लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं में उपयोग करें तो हर साल भारी खर्च की बचत की जा सकती है, उत्तम कुमार रेड्डी ने डॉ. बी. आर. अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में हुई विस्तृत समीक्षा बैठक के दौरान कहा।

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अगले सप्ताह तक पूरे राज्य की सभी सिंचाई भूमि का विस्तृत इन्वेंटरी तैयार करें, जिसमें भूमि को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाए ङ्ख 1)सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए उपयुक्त, 2)व्यावसायिक उपयोग के लिए लाभदायक, और 3)भविष्य की परियोजनाओं के लिए आवश्यक।

उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि सिंचाई विभाग को नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। इससे न केवल बिजली के दोहराए जाने वाले खर्चों में भारी कमी आएगी, बल्कि राज्य को अपने स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को हासिल करने में भी मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा, बिजली बिल परिचालन लागत का एक बड़ा हिस्सा होते हैं। विभागीय भूमि पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर इस बोझ को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

ड्यूटी में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : वी.सी. सज्जनार

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के नए पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि ड्यूटी में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, जो लोग अपनी जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से निभाएंगे, उन्हें विशेष रूप से सम्मानित और सराहा जाएगा। लेकिन जो लापरवाह पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कोई नरमी नहीं बरती जाएगी।

पदभार ग्रहण करने के बाद अपनी पहली वीडियो कॉन्फ्रेंस में सभी विंग्स और पुलिस थानों (कानून व्यवस्था और ट्रैफिक) के अधिकारियों को संबोधित करते हुए सज्जनार ने कहा कि पिछले छह महीनों में हैदराबाद सिटी पुलिस ने बहुत मेहनत से काम किया है। अब हमें अपने हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय की प्रतिष्ठा को और ऊंचा उठाना है, जो देश के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित आयुक्तालयों में से एक है।

उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मी विभाग की रीढ़ हैं और उन्हें जनता के साथ संवाद करते समय सम्मानजनक व्यवहार करना चाहिए। सज्जनार ने निर्देश दिया कि सभी को मानक संचालन प्रक्रिया (डजझी) का पालन करते हुए पेशेवर तरीके से कार्य करना होगा।

आयुक्त ने बताया कि विभाग जल्द ही एक विशेष कार्यक्रम एक्स्ट्रा माइल रिवॉर्ड शुरू करने जा रहा है। इसके तहत हर शनिवार उन कर्मियों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने अपनी जिम्मेदारी से बढ़कर मानवीय दृष्टिकोण से काम कर जनता की सराहना प्राप्त की हो।

इन कर्मियों को प्रशस्ति पत्र और इनाम दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सभी पुलिस अधिकारी और कर्मचारी जनता से जुड़कर जानकारी एकत्र करें और हैदराबाद को ड्रग्स मुक्त शहर बनाने के लिए मिलकर काम करें। ड्रग मामलों की गहन जांच कर आरोपियों को कड़ी सजा दिलाने की दिशा में कार्य किया जाए। उन्होंने शी टीम्स को निर्देश दिया कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध करने वालों में कानूनी कार्रवाई का भय पैदा किया जाए।

ट्रैफिक पुलिस को यात्रा समय घटाने के लिए नवीनतम और रचनात्मक उपाय अपनाने को कहा गया। सज्जनार ने तकनीक और उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग कर अधिक मामलों को सुलझाने पर जोर दिया और साथ ही कर्मियों को कार्य के दबाव के कारण स्वास्थ्य की उपेक्षा न करने की सलाह दी।उन्होंने डख सुधाकर, शोभा, साइकांत, शिवकुमार और उनकी टीम को मदन्नापेट थाना क्षेत्र में हाल ही में हुए बालक हत्या मामले को सुलझाने के लिए बधाई दी।

नामपल्ली में हुआ अन्नदान

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिल्लर नंबर 1265-ए के पास शनिवार को नियमित अन्नदान किया गया।अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, भगतराम गोयल, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, युवान केडिया, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, गोपाल गोयल, नंदकिशोर अग्रवाल, ई-जगन चम्पापेट, सुरेश डालमिया, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल एवं नयन संघी उपस्थित थे।

तेलंगाना मंत्रिमंडल की बैठक 16 को, बीसी आरक्षण और सिंचाई परियोजनाओं पर होगी अहम चर्चा

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक 16 अक्टूबर को यहां आयोजित की जाएगी। इस बैठक में बीसी आरक्षण और हाल ही में उच्च न्यायालय द्वारा जारी जीओ 9 पर रोक जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। जीओ 9 के तहत स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों को 42 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया था।

मंत्रिमंडल बैठक में राज्य में सिंचाई से संबंधित महत्वपूर्ण पहलों और बीसी आरक्षण से जुड़ी नीतियों पर भी विचार किया जाएगा।

गौरतलब है कि उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को याचिकाओं पर चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का समय दिया है और याचिकाकर्ताओं को आवश्यक होने पर दो अतिरिक्त सप्ताह का समय भी प्रदान किया है। अदालत के निर्देशों के बाद राज्य चुनाव आयोग ने ग्राम पंचायतों और एमपीटीसी/जेडपीटीसी चुनावों को अगली सूचना तक स्थगित कर दिया है।

श्री जैन श्रावक संघ कोरा के तत्वाधान में

नव दीक्षिता महासती जिव्याश्रीजी के प्रथम दीक्षा दिवस का आयोजन

हैदराबाद, 11 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री जैन श्रावक संघ कोरा (छावनी) के प्रांगण में चातुर्मास के पावन अवसर पर विराजित पूज्य महासती श्री राजमतीजी म.सा. राजुल, सुपष्ट वक्ता महासती श्री विनयश्रीजी म.सा., तथा नव दीक्षिता महासती श्री जिव्याश्रीजी म.सा. की भव्य उपस्थिति में नव दीक्षिता महासती श्री जिव्याश्रीजी म.सा. के प्रथम दीक्षा दिवस का आयोजन श्री आनंद जैन भवन, कोरा में किया गया।इस पावन अवसर पर जैन श्री संघ, मलकपेट के सुरेशजी गदिया, गौतमजी कोठारी, अशोकजी सिंघवी, अशोकजी कोठारी, पारसजी डोसी, कुशलराजजी पोकरना, गणपतराजजी सिंघवी, ज्ञानचंदजी कोटेचा सहित जैन महिला मंडल के सदस्यगण संगीताजी कोठारी, निर्मलाजी पोकरना, सुनीताजी सिंघवी, आरत-ीजी गांधी, सरोज सिंघवी, मानकांवरजी तातेड, लीलाबाई चोपड़ा एवं ललिता सिंघवी ने भी भाग लिया और नव दीक्षितासे आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दीं। यह आयोजन भक्ति एवं आत्मिक सादगी के साथ संपन्न हुआ, जिसमें संघ के सदस्यों ने सत्संग, पूजा-अर्चना और साधु-संतों के प्रति श्रद्धा का प्रदर्शन किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.